जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 14 दिसम्बर, 2025

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

अरावली में घासभूमियों का पुनर्स्थापन

अरावली पर्वतमाला के घासभूमियाँ या घास के मैदान जैव विविधता एवं आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। ये सैकड़ों वनस्पति एवं जीव प्रजातियों का आवास प्रदान करती हैं तथा स्थानीय पशुपालक समुदायों को चारा व आजीविका उपलब्ध कराती हैं। घासभूमियों की पारिस्थितिक सेवाओं में मिट्टी का संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण, कार्बन संचयन एवं मरुस्थलीकरण को रोकना शामिल है। एक अध्ययन में राजस्थान की घासभूमियों में 375 से अधिक पादप प्रजातियाँ दर्ज की गईं, जो इन पारिस्थितिकियों की समृद्ध जैव-विविधता दर्शाता है।

इतने महत्त्व के बावजूद घासभूमियों को नीति एवं प्रबंधन में लम्बे समय तक 'बंजर भूमि' समझने की भूल होती रही है। औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश हुकूमत ने जिन खुली चरागाह भूमि को वाणिज्यिक वानिकी हेतु अनुपयोगी पाया, उन्हें बंजर घोषित कर दिया था। आज़ादी के बाद भी यह दृष्टिकोण काफी हद तक बना रहा।

अरावली क्षेत्र की घासभूमियों की परिस्थितियाँ राज्य के अन्य भागों से भिन्न हैं। अरावली पहाड़ियों में घासभूमियाँ प्रायः खंडित रूप में जंगलों में मिलती हैं।विस्तृत समतल चारागाह अधिकतर पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों में हैं। कुल मिलाकर राजस्थान की घासभूमियाँ अत्यधिक जैव-विविध हैं, और कुछ अरावली से संबद्ध घास के मैदानों में प्रजाति-विविधता सबसे अधिक पाई गई है।

घासभूमियों के क्षरण के अनेक कारण रहे हैं। भूमि-उपयोग परिवर्तन और बढ़ता दबाव एक प्रमुख कारण है – बढ़ती मानव व पशु आबादी ने चारागाहों पर अत्यधिक भार डाल दिया है। कई घासभूमि क्षेत्रों को कृषि, उद्योग या शहरी विकास के लिए बदल दिया गया, और कुछ में खनन व अतिक्रमण से गंभीर क्षित हुई। साथ ही, वनों पर केंद्रित नीतियों ने घासभूमियों पर वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया है। हरित आवरण बढ़ाने के राष्ट्रीय लक्ष्य पूरे करने के लिए घासभूमि पर वृक्ष लगाना एक आसान तरीका समझा गया।

घासभूमियों में आक्रामक गैर-स्थानिक पौधों का प्रसार एक और बड़ी चुनौती है। राजस्थान और अरावली क्षेत्र में विलायती बबूल एक प्रमुख आक्रांता है जिसने बड़े इलाके में फैले खुले चरागाहों को घने कांटेदार झाड़-झंखाड़ में बदल दिया है। इसके अतिक्रमण से घास और स्थानिक फ़ोर्ब प्रजातियाँ दब जाती हैं तथा पारिस्थितिक सेवाएँ प्रभावित होती हैं। घासभूमि पर बाहरी वृक्षों/झाड़ियों के छा जाने से पानी का संतुलन बिगड़ता है – गहरी जड़ों वाली सदाबहार झाड़ियाँ भू-जल का अत्यधिक उपयोग कर वाष्पीकरण बढ़ा देती हैं, जिससे शुष्क क्षेत्रों में सतही जल उपलब्धता घटती है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया कि जिन पहाड़ी जलग्रहण क्षेत्रों में देशज घासभूमि के स्थान पर आक्रामक पेड़ों ने कब्जा कर लिया, वहाँ भारी वर्षा पर मिलने वाला बाढ़-प्रवाह कई गुणा अधिक हो गया। निष्कर्षतः घासभूमि को वृक्षों से ढँक देने पर पर्वतीय क्षेत्रों में बाढ़ व तेज़ बहाव का जोखिम बढ़ सकता है। इससे संकेत मिलता है कि अरावली में अगर घासभूमि को प्राकृतिक स्वरूप में बहाल रखा जाए तो यह अतिवृष्टि की स्थिति में पानी को भूमि में सोखकर बाढ़ नियंत्रित करने में मददगार होगा।

इन चुनौतियों के बीच घासभूमि पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार अत्यावश्यक है। पारिस्थितिक दृष्टि से घासभूमि का स्वस्थ होना जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन दोनों में योगदान दे सकता है। वैश्विक स्तर पर घासभूमियाँ पृथ्वी के स्थलीय कार्बन भंडार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा संग्रहीत करती हैं, जिसमें करीब 90 प्रतिशत कार्बन भूमिगत जड़ों एवं मिट्टी में रहता है। अतः घासभूमि बहाली से भारी मात्रा में कार्बन मिट्टी में बाँधकर रखने में सहायता मिलेगी, जो एक महत्वपूर्ण जलवायु लाभ है। साथ ही, घासभूमि में प्रजातियों की विविधता बढ़ने से पौधों द्वारा भूमिगत कार्बनिक पदार्थ और सूक्ष्मजीव पदार्थ (मृतजीव द्रव्य) का योगदान बढ़ता है, जिससे मिट्टी में कार्बन स्थायी रूप से जमा होता है। जैव-विविधता की बहाली – विशेषकर तरह-तरह की घासों व चौड़ी पत्ती वाली जड़ी-बूटियों की उपस्थिति – मिट्टी की संरचना सुधार कर जल-धारण क्षमता बढ़ाती है। घने घास आवरण वर्षा के जल को भूमि में सोखकर भू-जल स्तर सुधारता है, मिट्टी कटाव रोकता है तथा सूखे के दौरान भी भूमि को खुली बंजर होने से बचाकर स्थानीय जलवायु को मंद बनाए रखता है।

घासभूमि पुनर्स्थापन की कार्यनीतियों में सबसे पहला कदम आक्रामक वृक्षों को नियंत्रित करना है। शोध से प्रमाण मिला है कि यदि यांत्रिक उपायों से जड़ सहित हटाया जाए तो घासभूमि की देशज वनस्पति तीव्रता से लौटने लगती है। गुजरात के बन्नी घासभूमि में 4 वर्ष तक हुए एक प्रयोग में विदेशी बबूल को पूरी तरह उखाड़ने वाले भूखंडों में शाकीय प्रजाति विविधता व आवरण नियंत्रण की तुलना में तीन से छह गुना तक बढ़ गया, जबकि केवल शाखाओं की छंटाई करने से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा। अतः जहां संभव हो, प्रोसोपिसका पूर्ण निष्कासन श्रेष्ठ पारिस्थितिक परिणाम देता है। हालांकि बड़े भौगोलिक क्षेत्र पर ऐसा करना खर्चीला है और प्रोसोपिस से कुछ स्थानीय लाभ (ईंधन) भी जुड़े हैं। इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की ज़रूरत है और क्रमिक रूप से हटाया जा सकता है।

पुनर्स्थापन में यह सुनिश्चित करना होगा कि केवल घास ही नहीं, बल्कि घासभूमि में पाई जाने वाली अन्य देशज जड़ी-बूटियाँ (फ़ोर्ब्स) भी वापस आएँ। पुरानी घासभूमियों में फ़ोर्ब प्रजातियाँ कुल वनस्पति विविधता का बड़ा हिस्सा होती हैं और पारिस्थितिकी सेवाओं व चारा आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। ये प्रजातियाँ आग, चराई, सूखा व पाला जैसे तनावों को सहकर घासभूमि की कार्यात्मक विविधता बनाए रखती हैं, फिर भी अब तक घासभूमि प्रबंधन में इनके संरक्षण पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है। अतः बहाली योजनाओं में घासों के साथ-साथ महत्वपूर्ण फ़ोर्ब प्रजातियों के बीजों का रोपण व प्रसार पर बल दिया जाए, ताकि संपूर्ण जैव-विविधता लौट सके। यदि कुछ बहुमूल्य बहुवर्षीय घास या फ़ोर्ब प्रजातियाँ प्राकृतिक रूप से पुनरावर्तन में कठिनाई महसूस कर रही हों तो उनकी सक्रिय पुनर्नस्थापपना (री-इंट्रोडक्शन) के उपाय करने चाहिए। उदाहरण के लिए पुराने सुरक्षित घास के मैदानों से अलग-अलग पट्टियों से ऊपर की 15 सेंटीमीटर मिट्टी लाकर पुनर्स्थापन क्षेत्र में बिखेरने से मृदा का सीड-बैंक भी आ जायेगा। ध्यान यह रखना है कि प्राचीन और सुरक्षित घास के क्षेत्रों से मिट्टी पूरी सतह से नहीं बल्कि पट्टियों के रूप में लाई जाए। महाराष्ट्र के अनुभव बताते हैं कि घास की विविध प्रजातियों को पौधशाला में उगाकर पुनर्स्थापन क्षेत्र में रोपित करना भी एक विकल्प है।

> **घासभूमि पुनर्स्थापन केवल पारिस्थितिकी का नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का भी विषय है। घासभूमियाँ सदियों से स्थानीय चरागाहारों, पशुपालकों और आदिवासी समुदायों की आजीविका का आधार रही हैं, इसलिए इनके पारंपरिक ज्ञान और भागीदारी के बिना पुनरुद्धार सफल नहीं हो सकता। समुदायों को साथ लेकर चलने के लिए भागीदारीपूर्ण तरीके अपनाने होंगे।**

घासभूमि पुनर्स्थापन केवल पारिस्थितिकी का नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता का भी विषय है। घासभूमियाँ सदियों से स्थानीय चरागाहारों, पशुपालकों और आदिवासी समुदायों की आजीविका का आधार रही हैं, इसलिए इनके पारंपरिक ज्ञान और भागीदारी के बिना पुनरुद्धार सफल नहीं हो सकता। समुदायों को साथ लेकर चलने के लिए भागीदारीपूर्ण तरीके अपनाने होंगे। गुजरात के बन्नीघास के मैदानों में प्रोसोपिस निष्कासन एक विवादित मुद्दा रहा है, क्योंकि प्रोसोपिस ने जहाँ पारिस्थितिकी को बदला है वहीं कुछ लोगों की आय का स्त्रोत भी बन गया है।

प्रोसोपिस हटाने से चरागाह बढ़कर पशुधन संख्या व दुग्ध उत्पादन आय में लंबे समय में वृद्धि होगी, लेकिन इस पर निर्भर कोयला/ईंधन आय खत्म होने से कुछ परिवारों को वैकल्पिक आजीविका की आवश्यकता पड़ेगी। इन निष्कर्षों से जाहिर है कि घासभूमि पुनर्स्थापन करते समय समुदाय की आजीविका और जोखिम प्रबंधन की योजना साथ-साथ बनानी चाहिए। जिन लोगों पर प्रारंभिक समय में प्रतिकूल असर पड़े, उनके लिए वैकल्पिक रोज़गार/आय के स्त्रोत विकसित करना और मौसम आपदा की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन करना आवश्यक होगा। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही ऐसे लाभ-हानि के संतुलन साधे जा सकते हैं।

शासन स्तर पर भी सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में घासभूमि संरक्षण की ज़िम्मेदारी कई विभागों में बंटी होने से स्पष्ट नेतृत्व का अभाव है। कुछ घासभूमि क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं, कई चरागाह राजस्व या पंचायती भूमि में हैं, तथा कुछ भूमि को कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के तहत अलग दिशा में उपयोग किया जाता है। इस विभाजित प्रबंधन के कारण घासभूमियाँ उपेक्षित या विरोधाभासी नीतियों का शिकार हो जाती हैं।

ज़रूरत है एक समेकित नीति की, जिसमें घासभूमियों को एक स्वतंत्र व मूल्यवान पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में मान्यता मिले। सरकार की भाषा में 'बंजर भूमि' शब्दावली को हटाकर इसे बदलने हेतु औपचारिक कदम उठाए जाने चाहिए। राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर स्पष्ट रूप से घासभूमि संरक्षण व पुनरुद्धार के लक्ष्य निर्धारित हों। वन क्षेत्र बढ़ाने के लक्ष्यों में संशोधन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि प्राकृतिक घासभूमियों को वृक्षारोपण से आच्छादित करने की गलती न हो। घासभूमि प्रबंधन में नियंत्रित आग एवं नियंत्रित चराई जैसे पारंपरिक तरीकों को शामिल करना चाहिए, क्योंकि इन्हीं प्रक्रियाओं ने कई घासभूमियों को सहस्त्राब्दियों तक बनाए रखा है। ग्राम-स्तर पर परंपरागत चरागाह प्रबंधन (जैसे चौमासा बंदी, चरणबद्ध चराई, आदि) के अनुभवों को भी आधुनिक योजनाओं में समाहित करना उचित होगा। पुनरुद्धार कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को रोज़गार और निर्णय-निर्धारण भूमिकाओं में सम्मिलित करके उनकी भागीदारी और हित सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

अरावली क्षेत्र के संदर्भ में पुनर्स्थापन करते समय कुछ तकनीकी बातों पर ध्यान देना होगा। यहाँ वर्षा अत्यधिक अनियत है – कभी अत्यल्प तो कभी अतिशय – इसलिए ऐसे देशज घास एवं फ़ोर्ब प्रजातियों का मिश्रण रोपित करना होगा जो सूखे व अति-वर्षा दोनों परिस्थितियों में टिक सकें। खारे व दलदली स्थलों के लिए विशिष्ट सहनशील प्रजातियों का चयन करना होगा – जैसे सांभर की खारी भूमि में स्यूडा जैसी लवण-सहिष्णु झाड़ी ताकि ये कठिन परिस्थितियों में भी पनपें। अरावली की ढलानों पर मिट्टी कटाव रोकने हेतु पुनरुद्धार के साथ कंटूर बांध, पत्थर कतार आदि संरक्षण उपाय करने चाहिए ताकि नई घासों की जड़ें मजबूत हो सकें। प्रारंभिक चरण में पुनर्स्थापित चारागाह क्षेत्रों को अत्यधिक चराई से बचाने के लिए कुछ समय तक संरक्षण देना पड़ेगा; समुदाय की सहमति से अस्थायी घेराबंदी कर पौध स्थापित करें, फिर चरणबद्ध ढंग से नियंत्रित चराई की अनुमति दें ताकि चरागाह और पशुधन दोनों टिकाऊ रहें।

निष्कर्षतः अरावली क्षेत्र में घासभूमि पुनरुद्धार एक बहुआयामी अभियान है, जो पारिस्थितिकी, समाज और शासन – तीनों के समन्वित प्रयास से ही सफल होगा। शोध स्पष्ट करते हैं कि घासभूमियाँ 'बंजर' नहीं बल्कि समृद्ध और प्राचीन पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जिनके बहाली से जलवायु अनुकूलन व शमन, जैव-विविधता संरक्षण और समुदायों की आजीविका – तीनों उद्देश्यों में लाभ होगा। हाल ही में इस विषय पर तकनीकी जानकारी साझा करने हेतु वन विभाग राजस्थान और द नेचर कंसेर्वेंसी (टीएनसी) द्वारा अरावली के जिलों में कार्य करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों हेतु एक कार्यशाला आयोजित हो रही है। आशा की जाती है कि इससे अरावली में लगभग 35,000 हेक्टेयर घास के मैदानों के पुनर्स्थापन हेतु उपयोगी जानकारी का आदान-प्रदान होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में बदलता हुआ शिक्षा का परिदृश्य: राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका

अशोक कुमार

आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल विज्ञान कथाओं का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और कार्यप्रणाली का एक अभिन्न अंग बन चुका है। शिक्षा का क्षेत्र भी इस क्रांति से अछूता नहीं है। एआई के आगमन ने ज्ञान के प्रसार, सीखने के तरीकों और शैक्षिक सामग्री के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया है। इस बदलते परिदृश्य में, शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रह गई है; उन्हें अब भावी राष्ट्र निर्माताओं को इस एआई-चालित दुनिया के लिए तैयार करने की महती जिम्मेदारी निभानी है। राष्ट्र निर्माण का कार्य ईंट, पत्थर और स्टील से नहीं, बल्कि सशक्त, कुशल और नैतिक रूप से जागरूक मानव संसाधन से होता है, और यही वह धुरी है जिस पर शिक्षण संस्थानों का अस्तित्व टिका है।

एआई द्वारा शिक्षा में लाए गए प्रमुख परिवर्तन

एआई ने शिक्षा के पारंपरिक मॉडल में कई क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं:–

वैयक्तिकृत शिक्षण

एआई-आधारित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम्स और प्लेटफॉर्म छात्र के सीखने की गति, क्षमता और रुचियों का विश्लेषण करते हैं। यह विश्लेषण प्रत्येक छात्र के लिए एक अनुकूलित पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री तैयार करने में मदद करता है। यह एक ही आकार सभी के लिए वाले पारंपरिक मॉडल से हटकर प्रत्येक छात्र के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह वैयक्तिकरण सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और आनंददायक बनाता है।

स्मार्ट कंटेंट और एक्सेसिबिलिटी : एआई पाठ्यपुस्तकों और वीडियो को इंटरैक्टिव (संवादात्मक) और अनुकूली सामग्री में बदल सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र किसी विशेष अवधारणा को समझने में संघर्ष करता है, तो एआई स्वचालित रूप से अतिरिक्त उदाहरण, सिमुलेशन या अलग-अलग स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है। इससे ज्ञान की उपलब्धता बढ़ती है, खासकर दूर-दराज के क्षेत्रों और दिव्यांग छात्रों के लिए।

प्रशासनिक और मूल्यांकन दक्षता :

शिक्षक का अधिकांश समय मूल्यांकन, ग्रेडिंग और प्रशासनिक कार्यों में व्यतीत होता है। एआई-संचालित उपकरण इन कार्यों को स्वचालित कर सकते हैं, जैसे कि बहुविकल्पीय प्रश्नों की जाँच करना या निबंधों का प्रारंभिक मूल्यांकन करना। इससे शिक्षकों को छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने, उनकी समस्याओं को समझने और रचनात्मक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय मिलता है।

नए कौशल की मांग :

एआई के उदय ने कई पुरानी नौकरियों को अप्रचलित कर दिया है और डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, एआई एथिक्स जैसे नए क्षेत्रों में अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं। शिक्षण संस्थानों को अब इन भविष्य के कौशलों को अपने पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा बनाना होगा। राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की केंद्रीय भूमिका एआई के इस नए युग में शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने से कहीं अधिक व्यापक है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में, उनकी जिम्मेदारियां बहुआयामी हैं:

21वीं सदी के कौशल का विकास :

एआई दोहराए जाने वाले और डेटा-आधारित कार्यों को संभाल लेगा। इसलिए, छात्रों को ऐसे उच्च-स्तरीय मानवीय कौशल सिखाने की आवश्यकता है जिन्हें एआई आसानी से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता:

आलोचनात्मक चिंतन : एआई द्वारा उत्पन्न जानकारी का मूल्यांकन और विश्लेषण करना।

समस्या-समाधान: जटिल, वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए रचनात्मक समाधान विकसित करना।

रचनात्मकता और नवाचार: नए विचारों को जन्म देना और नवाचार को बढ़ावा देना।

एआई साक्षरता और नैतिक शिक्षा : शिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्र न केवल एआई का उपयोग करना सीखें, बल्कि यह भी समझें कि यह कैसे काम करता है। इससे भी महत्वपूर्ण, उन्हें एआई के नैतिक पहलुओं के बारे में शिक्षित करना होगा। डेटा प्राइवेसी, पूर्वाग्रह और एआई के जिम्मेदार उपयोग जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करना अनिवार्य है। एक नैतिक रूप से जागरूक एआई-कुशल कार्यबल ही एक न्यायसंगत और समावेशी राष्ट्र का निर्माण करेगा।

अनुसंधान और नवाचार केंद्र : विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों को एआई अनुसंधान और विकास का केंद्र बनना होगा। उन्हें उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि एआई-आधारित समाधान देश की विशिष्ट चुनौतियों, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और जलवायु परिवर्तन, के लिए तैयार किए जा सकें। यह मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों को बल देगा।

शिक्षकों का पुनर्शिक्षण और सशक्तीकरण :

शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों को एआई उपकरणों के उपयोग में प्रशिक्षित करना होगा। शिक्षक अब केवल ज्ञान के प्रेषक नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया के मार्गदर्शक और सह-शिक्षार्थी बन जाएंगे। उन्हें छात्रों को एआई के साथ प्रभावी ढंग से काम करना सिखाना होगा।

समावेशी शिक्षा को बढ़ावा :

एआई में शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को कम करने की क्षमता है। संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई-आधारित शैक्षिक उपकरण समाज के सभी वर्गों तक पहुँचें, ताकि ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच की डिजिटल खाई कम हो सके। समावेशी पहुंच राष्ट्र के हर नागरिक को समान अवसर प्रदान करके राष्ट्र निर्माण को मजबूत करती है।

चुनौतियाँ और आगे की राह :

एआई के शिक्षण में समावेश के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं: डेटा गोपनीयता, एल्गोरिथम में निहित पूर्वाग्रह (जो सामाजिक असमानताओं को बढ़ा सकता है), और उच्च-गुणवत्ता वाले एआई उपकरणों की लागत।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षण संस्थानों को: बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। एआई साक्षरता को प्रारंभिक स्तर से ही पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। निरंतर कौशल उन्नयन को एक संस्थागत संस्कृति का हिस्सा बनाना चाहिए। मानवीय मूल्यों और सामाजिक विज्ञान की शिक्षा को और मजबूत करना चाहिए, ताकि तकनीकी प्रगति मानवीय दृष्टिकोण से संतुलित रहे।

निष्कर्ष– एआई का युग शिक्षा के लिए खतरा नहीं, बल्कि एक अभूतपूर्व अवसर है। शिक्षण संस्थान अब केवल डिग्रियाँ देने वाली फैक्ट्री नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वह शक्तिशाली इंजन हैं जो मानव पूंजी को एआई की शक्ति से लैस कर रहे हैं। उन्हें अपने पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों और नैतिक ढांचे में क्रांति लानी होगी। एआई के साथ सहयोग और प्रतिस्पर्धा करना सीखने वाला एक सशक्त, नैतिक और कुशल युवा ही 21वीं सदी में भारत को एक विश्व शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं है; यह एक सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन है जिसकी अगुवाई शिक्षण संस्थानों को करनी होगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

सूरौठ। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका की ओर से महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरौठ के खेल मैदान में बच्चों की रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रखा। जिसमें सरकारी स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया, जिसमें बच्चों को , रंगोली कलर और अन्य सामग्री दी गई प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वच्छ भारत मिशन, पधारो म्हारे देश, जल संरक्षण, प्रकृति का संरक्षण और स्वच्छता में सूरौठ नगरपालिका के साथ संदेश देते हुए रंगोली और पेंटिंग बनाई। जिसमें उत्साहवर्धन नगर पालिका सफाई निरीक्षक खेमराज मीना सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया, बच्चों की मेहनत और उनकी मन में बसी छवि को रंगोली बनाने के बाद प्रोत्साहित किया।

सीताराम गुप्ता को मिलेगा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

25 दिसंबर को जयपुर में एमएनआईटी द्वारा किया जाएगा सम्मानित

भरतपुर (निस)। ग्रामीण विकास एवं समाज सेवा के क्षेत्र में दशकों से उत्कृष्ट और प्रेरणादायी योगदान देने वाले मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज (एमएनआईटी) के पूर्व छात्र सीताराम गुप्ता को मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी), जयपुर द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान आगामी 25 दिसंबर को जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। गुप्ता ने मालवीय रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की तथा प्रारंभिक रूप से विद्युत विभाग में सहायक अभियंता के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 1989 में उन्होंने सरकारी सेवा छोड़कर ग्रामीण एवं समग्र विकास के क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया और इस दिशा में कार्यरत संस्था में निदेशक का दायित्व संभाला।

अपने नेतृत्व में उन्होंने कृषि, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं, तथा ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय एवं नवाचारी कार्य संपादित किए। विशेष रूप से भरतपुर क्षेत्र में मधुमक्खी पालन, मछली पालन, तुलसी माला निर्माण जैसे स्वरोजगार आधारित कार्यक्रमों की शुरुआत कर हजारों युवक-युवतियों को आजीविका से जोड़ा। गुप्ता के सतत एवं व्यक्तिगत प्रयासों का ही परिणाम है कि भरतपुर में देश की सबसे बड़ी शहद प्रसंस्करण इकाई की स्थापना संभव हो सकी। इसके माध्यम से मधुमक्खी पालन का व्यवसाय न केवल भरतपुर बल्कि राजस्थान के सरसों उत्पादक जिलों के साथ-साथ मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों तक विस्तारित हुआ। वर्तमान में इस व्यवसाय से लगभग 8,000 युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है और करीब 9 हज़ार मैट्रिक टन शहद का विदेशों में निर्यात हो रहा है। इसी कारण भरतपुर की पहचान केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के साथ हनी सिटी के रूप में हो गयी है। वर्तमान में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक पद पर कार्यरत सीताराम गुप्ता को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के अतिरिक्त पूर्व वर्षों में अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें प्रमुख रूप से फिक्की अवार्ड, महिन्द्रा समृद्धि अवार्ड, इंडिया एग्रीकल्चर अवॉर्ड, सीआईआई नेशनल अवार्ड, एक्सीलेंस नाबार्ड अवार्ड, महात्मा सीएसआर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, भामाशाह अवार्ड, यूनेस्को चेतना अवार्ड, जी न्यूज़ अवार्ड, सीएसआर लाइफ टाइम अवार्ड, टाइम्स मैन ऑफ द ईयर अवार्ड, इकोनॉमिक टाइम्स लीडर अवार्ड तथा इंस्पायरिंग लीडर अवार्ड शामिल हैं।

तालाब में नावों से निकली अनोखी बारात

भीलवाड़ा। तालाब में नावों से निकली अनोखी बारात, हजारों लोगों को हैरान कर दिया । राजस्थान के भीलवाड़ जिले के लाखोला गांव में शनिवार को एक अनोखी बारात निकाली गई, जो पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई। दूल्हा और बाराती सात सजी-धजी नावों में सवार होकर तालाब के बीचों-बीच से दुल्हन के घर पहुंचे। गुब्बारों और फूलों से सजाई गईं ये नावें तालाब पर तैरती बारात का मनमोहक नजारा पेश कर रही थीं। यह अनोखा आयोजन शादी को यादगार बनाने के लिए किया गया। गांववासियों ने बताया कि तालाब के किनारे बसे होने के कारण यह पारंपरिक तरीके से अलग रिवाज अपनाया गया। दूल्हा घोड़ी पर नहीं, बल्कि नाव पर सवार होकर विदाई लेने पहुंचा। बारातियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ नावों पर ठुमके लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखोला गांव में ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला। यह आयोजन सामूहिक विवाह या पारिवारिक परंपरा का हिस्सा था, जो पर्यावरण-अनुकूल और रोमांचक रहा। कई लोग इसे राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक बता रहे हैं। तालाब में बारात निकालने से पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह बारात लाखों को आकर्षित कर रही है।

भीलवाड़ा के लाखोला गांव के तालाब में नावों से अनोखी बारात निकली गई।

गुब्बारों और फूलों से सजाई गई ये नावें तालाब पर तैरती बारात का मनमोहक नजारा पेश कर रही थीं। यह अनोखा आयोजन शादी को यादगार बनाने के लिए किया गया

राशिफल रविवार 14 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र प्रातः 8:18 तक, सौभाग्य योग दिन 11:45 तक, विष्टि करण सायं 6:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:43 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय प्रातः 8:18 तक है। आज भद्रा सायं 6:50 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:29 से 9:46 तक, लाभ-अमृत 9:46 से 12:21 तक, शुभ 1:39 से 2:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 5:31 तक

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृष

आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

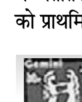

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

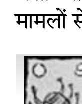

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज धन खर्च हो सकता है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

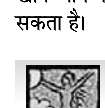

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक और अन्य कार्यों के संबंध में भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

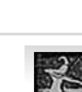

धनु

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Tall And The Short Of It — Under the leadership of the much-reviled Bavuma, South Africa handed India their heaviest defeat by runs to complete a compelling 2-0 series sweep. Bavuma, who was called 'Bauna' (dwarf) by India's speedster Jaspreet Bhamra

Kangleipak to Manipur

Why Was Using a Fork Considered a Sin?

क्या भाजपा नेतृत्व योगी आदित्यनाथ को बैलेंस कर लेगा पंकज चौधरी को यूपी में प्रदेश अध्यक्ष बनाकर?

भाजपा अब हर राजनीतिक निर्णय यू.पी. में वर्ष 2027 में होने वाले चुनाव को मद्देनज़र रखकर ले रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश का नया भाजपा अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले को राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए सोच-समझकर दिया गया संकेत और राज्य के लिए केन्द्रीय नेतृत्व की दीर्घकालिक चुनावी व संगठनात्मक योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

- **क्योंकि पिछली बार लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था, जितना भाजपा आशा कर रही थी। इन नतीजों के कारण ही केन्द्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा को अन्य सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा था।**
- **अब भाजपा अगले चुनाव में उस स्थिति की पुनरावृति नहीं होने देना चाहती है।**

भाजपा के वरिष्ठ सूत्रों का कहना है कि यह कदम इस बात को रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव की रणनीति को काफी पहले से आकार देने को लेकर दृढ़ हैं, और योगी आदित्यनाथ को समय से पहले पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के पक्ष में नहीं हैं।

उनके अनुसार, यह नियुक्ति देश के सबसे अहम चुनावी राज्य में "सत्ता-केन्द्रों के पुनर्संतुलन" को साधने का एक सोचा-समझा प्रयास है।

उत्तर प्रदेश से सात बार सांसद रहे और प्रभावशाली कुर्मी समुदाय के प्रमुख नेता पंकज चौधरी के पास संगठनात्मक अनुभव के साथ-साथ, मजबूत सामाजिक आधार भी है।

उनकी पदोन्नति को ऐसे समय में गैर-यादव ओबीसी समर्थन को मजबूत करने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जब समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाकर अपने सामाजिक गठजोड़ को विस्तार देने की कोशिश कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि पंकज चौधरी को योगी आदित्यनाथ के निकटवर्ती राजनैतिक गुट का हिस्सा नहीं माना जाता। भाजपा के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि उनके चयन का यही एक अहम कारण था। केन्द्रीय नेतृत्व योगी की उन जानी-पहचानी असहजताओं को भी ध्यान में रखे हुए था, जो उन्हें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक जैसे नेताओं से रहती हैं, जिनकी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पकड़ है। चौधरी को चुनकर पार्टी ने ऐसा चेहरा चुना है, जो दिल्ली को स्वीकार्य है, लेकिन मुख्यमंत्री की प्रशासनिक सत्ता के लिए चुनौती भी नहीं है।

पर्यवेक्षक इसमें पूर्वी भारत से जुड़ी एक व्यापक रणनीति भी देख रहे हैं। कुर्मी फैक्टर न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, बल्कि पड़ोसी बिहार में भी अहम है, जहाँ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इस समुदाय पर अब भी काफी प्रभाव है। भाजपा रणनीतिकारों का मानना है कि चौधरी की नियुक्ति से नीतीश के उस प्रभाव को कम किया जा सकता है और इस प्रकार बिहार में पार्टी की रणनीति के साथ यूपी के पूर्वी जिलों का बेहतर तालमेल में बिठाया जा सकता है।

राज्य की राजनीति से आगे, इस कदम को मोदी- दौर के बाद, भाजपा में उनके उत्तराधिकार को लेकर चल रही आंतरिक हलचल के बडे संदर्भ में भी देखा जा रहा है। फिलहाल, शीर्ष नेतृत्व का संदेश साफ है: उत्तर प्रदेश भाजपा की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं के केन्द्र में रहेगा, और हर संगठनात्मक फैसला 2027, और उसके आगे के समय को पूरी तरह ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष बने

लखनऊ, 13 दिसंबर। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पद के लिये एकमात्र उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने। चौधरी के अध्यक्ष पर पर चुने जाने का औपचारिक ऐलान रविवार दोपहर किये जाने की संभावना है। वह निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का स्थान लेंगे।

चौधरी अध्यक्ष पद के इकलौते उम्मीदवार है जिन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में चार सेट में इस पद के लिए

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने।**

अपना नामांकन दाखिल किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, चौधरी के नामांकन पत्रों में प्रस्तावक बने। चौधरी ने प्रस्तावकों की मौजूदगी में चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे और विनोद तावड़े को नामांकन पत्र सौंपे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाने वाले चौधरी का इस पद पर चुना जाना तय है, जिसकी औपचारिक घोषणा रविवार दोपहर को की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज सोनिया गांधी कर्नाटक के मु.मंत्री के पद की गुत्थी पर अपना निर्णय देंगी?

रामलीला मैदान पर आयोजित कांग्रेस की विशाल रैली के बाद मु.मंत्री सिद्धारमैया व उनके प्रतिद्वंदी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, सोनिया गांधी से मिलेंगे

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मिलेंगे। सूत्रों ने बताया, इस भेंट का संबंध कर्नाटक में राज्य के शीर्ष पद को लेकर जारी नेतृत्व विवाद से हो सकता है।

- **कुछ समय पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे, सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि उनकी मौजूदगी में समझौता हुआ था कि मु.मंत्री पद सिद्धारमैया व शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए बांटा जाएगा। अतः अब अगर शिवकुमार को ढाई साल बाद मु.मंत्री नहीं बनाया गया तो उनकी (खड़गे की) विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी।**
- **पार्टी के विधायकों में भी चर्चा जोरों से चल रही है कि शिवकुमार शीघ्र ही मु.मंत्री पद की शपथ लेंगे, विधानसभा का वर्तमान सत्र समाप्त होते ही।**

यह बैठक रामलीला मेला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस की मेगा रैली के तुरंत बाद तय की गई है। यह रैली पार्टी के "वोट चोर, गद्दी छोड़" अभियान का हिस्सा है। इस अभियान से परिचित लोगों ने बताया कि इसमें भाजपा और चुनाव आयोग के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया गया है।

यह प्रकरण कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान के कुछ हफ्तों बाद पुनः सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में जो "भ्रम" व्याप्त है, उसे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वे खुद मिलकर सुलझाएंगे। खड़गे के इस बयान से इस मामले में उच्च स्तरीय हस्तक्षेप की संभावना के संकेत मिले थे। उन्होंने यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री पद को साझा करने का समझौता उनके सामने हुआ था, इसलिए यदि शिवकुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो जाएगी।

इस बीच, कर्नाटक कांग्रेस में नई अटकलें सामने आई हैं, क्योंकि नेतृत्व विवाद की चर्चा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। एक पार्टी विधायक ने खुले तौर पर दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कर्नाटक विधानसभा के बेलगावी सत्र के बाद मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इन टिप्पणियों ने सत्ताधारी पार्टी के भीतर पहले से ही संवेदनशील हो चुके इस मुद्दे को फिर से खड़ा कर दिया है।

रामनगर के कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने शुक्रवार को सुर्वण विधाना सौधा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह दावा किया था। उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनरेगा हुआ खत्म, उसकी जगह आएगी पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और सरकार अगले सप्ताह यह बिल लाना चाहती है

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। मनरेगा हुआ खत्म और अब उसकी जगह "पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी" (पीबीजीआरजी) योजना लायी जा रही है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक नए कानून को मंजूरी दी है, जिसमें प्रत्येक घराने को 100 कार्यदिवसों की बजाय 125 कार्यदिवसों की गारंटी दी जाएगी। केन्द्रीय सरकार अगले सप्ताह लोकसभा में पीबीजीआरजी बिल पेश करना चाहती है। इस योजना में केन्द्र की हिस्सेदारी 95,600 करोड़ निर्धारित की गई है।

मनरेगा में इस बदलाव का एक स्पष्ट राजनीतिक पहलू भी है, क्योंकि अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

- **95,600 करोड़ की इस योजना में प्रत्येक परिवार को 100 की जगह 125 कार्य दिवस की रोजगार गारंटी दी जाएगी।**
- **इस बदलाव के राजनीतिक पहलू भी हैं, जिसमें प्रमुख है, पश्चिम बंगाल के होने वाले विधानसभा चुनाव। पश्चिम बंगाल सरकार हमेशा से केन्द्र सरकार पर मनरेगा का फंड नहीं देने का आरोप लगाती रही है, वहीं केन्द्र सरकार का आरोप है कि तृणमूल सरकार मनरेगा फंड में गड़बड़ी कर रही है।**

14-लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक पहलू है, मनरेगा पर कांग्रेस का दावा। कांग्रेस से यह क्रेडिट छीनने के लिए केन्द्र सरकार ने न केवल मनरेगा का नाम बदल दिया, बल्कि इसका दायरा भी बढ़ा दिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस शैल जैन इंडिगो केस की सुनवाई नहीं करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड, जो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करती है, ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है,

- **जस्टिस शैल जैन ने खंडपीठ से नाम वापस ले लिया, जो इंडिगो केस की सुनवाई कर रही थी, क्योंकि जस्टिस जैन का बेटा इंडिगो में पायलट है।**

जिसमें उसने विमान के इंजन और पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी के रुप में अदा किये गये 900 करोड़ रुपये से अधिक की वापसी की मांग की है। ये इंजन और पार्ट्स विदेश में मरम्मत के बाद फिर से भारत में आयात किए गए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोटी तन्ख्वाह के बावजूद भी पायलट कर्मचारी की श्रेणी में आते हैं'

दिल्ली हाई कोर्ट ने किंग एयरवेज़ की अपील खारिज कर करते हुए कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि एयरलाइन पायलट, जिसमें पायलट-इन- कमांड भी शामिल हैं, औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत "कर्मचारी" की परिभाषा में आते हैं। कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि उनकी भूमिका तकनीकी और संचालनात्मक रुप से विमान उड़ाने से संबधित है, न कि प्रबंधकीय या पर्यवेक्षी कार्य से।

कोर्ट ने पाया कि पदनाम, उड़ानों के दौरान कमांड की जिम्मेदारियां, या उच्च वेतन पायलटों को श्रम कानून सुरक्षा से बाहर नहीं कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने किंग एयरवेज़ द्वारा अपने पूर्व पायलटों, जिनमें कप्तान प्रीतम सिंह, मंजीत सिंह और एनडी कथूरिया शामिल थे, के खिलाफ दायर की गई लैटर्स पेटेंट अपीलों का निपटारा करते हुए यह निर्णय दिया।

- **एयरलाइन ने अपनी अपील में दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पायलटों को रूका हुआ वेतन देने, अतिरिक्त फ्लाइंग आवर्स के लिए विशेष भत्ता व अन्य भुगतान देने के आदेश दिए थे।**
- **किंग एयरवेज़ ने इस आदेश के विरूद्ध अपील में कहा कि पायलट को बहुत अच्छा वेतन मिलता है और वह फ्लाइट का इंचार्ज होता है और पर्यवेक्षण करता है।**
- **पर, अदालत ने अपील खारिज कर दी और कहा, पायलट का क्रू पर कोई नियंत्रण नहीं होता है और इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट के तहत वह "कर्मचारी" की श्रेणी में आता है।**

एयरलाइन ने पहले के आदेशों को चुनौती दी थी, जिनमें पायलटों को रुका हुआ वेतन देने, अतिरिक्त उड़ान घंटों के लिए इन्सैंटिव और संबंधित बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने शुरुआत में ही यह स्पष्ट निष्कर्ष दिया था कि "कर्तव्यों की प्रमुख प्रकृति" का परीक्षण ही निर्णायक होगा।

कोर्ट ने कहा कि हालांकि एक पायलट-इन-कमांड को सिद्धांत रूप में उड़ान का प्रभारी माना जा सकता है, लेकिन रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य से यह साबित हुआ कि पायलट क्रू के ऊपर औद्योगिक या प्रशासनिक दृष्टिकोण से पर्यवेक्षीय या प्रबंधकीय नियंत्रण नहीं रखते हैं। खंडपीठ ने यह माना कि उनका मुख्य कार्य विमान को चलाने का तकनीकी और कुशल कार्य है।

कोर्ट ने एयरलाइन के इस तर्क को खारिज कर दिया कि पायलट "कर्मचारी" की परिभाषा से बाहर हैं क्योंकि उनका वेतन बहुत अधिक है या उन्हें वरिष्ठ कमांडर के रूप में नामित किया गया है, कोर्ट ने कहा कि वेतन का स्तर केवल तभी प्रासंगिक होता है जब यह साबित किया जाए कि कर्मचारी वास्तव में पर्यवेक्षण का काम कर रहा है।

यदि यह प्रमाण नहीं मिलता कि पायलट वास्तव में पर्यवेक्षी कार्य कर रहे हैं, तो औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 2(एस) (चार) के तहत उन्हें कर्मचारी के दायरे से बाहर किए जाने का प्रश्न नहीं उठता।

खंडपीठ ने किंग एयरवेज़ द्वारा विमानन नियमों और आंतरिक संचालन मैन्युअल्स पर निर्भरता की भी जांच की, जिसमें यह तर्क दिया गया था कि पायलट क्रू के सदस्य का पर्यवेक्षण करते हैं। कोर्ट ने कहा कि विमानन नियमों में कोई भी पर्यवेक्षण उड़ान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ग्राम पंचायतों के मुख्यालय क्यों बदले'

जयपुर, 13 दिसम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत के मुख्यालयों को बदलने से जुड़े अलग-अलग मामलों में राज्य सरकार और टोंक, धौलपुर व करौली जिलों के कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस रवि

- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार तथा टोंक, धौलपुर, करौली कलेक्टरों से जवाब मांगा।**

चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश करौली जिले की ग्राम पंचायत सेंगरपुरा, टोंक जिले की ग्राम पंचायत चावड़िया के अर्जुन लाल और धौलपुर जिले की ग्राम पंचायत चित्तौरा के मुन्ना लाल शर्मा की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाओं में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पार्टीशन के आठ दशक बाद, संस्कृत लौटी पाकिस्तान के स्कूलों में

लाहौर युनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों व स्कॉलर्स की जिज्ञासा व रूचि को देखते हुए, संस्कृत को पाठ्यक्रम में शामिल किया है

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। बंटवारे के लगभग आठ दशक बाद, जिसने उपमहाद्वीप भूगोल और स्मृतियों दोनों को बांट दिया था, एक अप्रत्याशित भाषा ने पाकिस्तान के एक क्लासरूम में वापसी की है। संस्कृत, जिसे लंबे समय तक भारत और पाकिस्तान के बीच सभ्यतागत सीमा माना जाता रहा है, को लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़ में औपचारिक रूप से पढ़ाया जाना शुरू किया गया है। यह कदम इस बात का शांत, लेकिन महत्वपूर्ण संकेत है कि पाकिस्तान अब अपने गहरे बौद्धिक अतीत से नए सिरे से जुड़ने की शुरुआत कर रहा है।

चार क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम तीन महीने की एक वीकेंड कार्यशाला में अप्रत्याशित रूप से मिली जबरदस्त दिलचस्पी के बाद शुरू किया गया है। इससे साफ़ होता है कि 1947 के बाद से जिस ज्ञान को अकादमिक रूप से वर्जित माना जाता रहा, उसे जानने की इच्छा छात्रों और विद्वानों में अब भी मौजूद है। इसका पाठ्यक्रम केवल व्याकरण और भाषाशास्त्र तक सीमित नहीं है। एक प्रतीकात्मक सांस्कृतिक पहल के रूप में छात्रों को टीवी धारावाहिक "महाभारत" के प्रसिद्ध गीत "है कथा संग्राम की" के उर्दू रूप से भी परिचित कराया जा रहा है, जो यह याद दिलाता है कि साझा कहानियाँ अक्सर राजनीतिक टूट-फूट के बाद भी जीवित रहती हैं।

- **1947 से, भारत का तर्क था कि कश्मीर, सांस्कृतिक इतिहास व पहचान के कारण भारत का हिस्सा है तथा दूसरी ओर पाकिस्तान कश्मीर को मुस्लिम पहचान की दृष्टि से देखता रहा है।**
- **पर, अब संस्कृत के शैक्षणिक जगत में प्रवेश से पाकिस्तान की इस सख्त सोच में तब्दीली होती नज़र आ रही है।**
- **क्या यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान में अब कश्मीर को, केवल एक इस्लामिक पहचान के रूप में नहीं जाना जाएगा, बल्कि एक ऐसी सभ्यता के रूप में देखना शुरु होगा जिस पर कई सदियों से कई सभ्यताओं का असर रहा है।**

सीमित अर्थों में देखें तो यह एक अकादमिक विकास है। लेकिन भारत-पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में देखें तो इसका अर्थ कहीं गहरा है। आधुनिक दुनिया की सर्वाधिक गहरी जड़ें जमा चुकी दुशमनियों में से एक में यह एक प्रतीकात्मक हस्तक्षेप है। और इस प्रतीकात्मकता की गूंज सबसे तीव्र कश्मीर में सुनाई देती है।

कश्मीर कभी सिर्फ़ एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रहा है। समय के साथ यह एक सभ्यतागत बहस में बदल गया है, एक ऐसी बहस, जिसमें इतिहास, पहचान और चुनिंदा स्मृतियों का इस्तेमाल सैनिकों और संधियों के साथ-साथ किया जाता है। भारत ने कश्मीर की संस्कृत, शैव और बौद्ध परंपराओं का हवाला देते हुए, अपनी दावेदारी को सभ्यतागत शब्दों में ज्यादा से ज्यादा ज़ाहिर किया है। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने कश्मीर को मुख्य रूप से मुस्लिम पहचान और बंटवारे के बाद आत्मनिर्णय के तर्क के माध्यम से पेश किया है। धीरे-धीरे इतिहास की इस संकीर्ण व्याख्या ने कश्मीर को एक "ज़ीरो सम" सांस्कृतिक क्षेत्र में बदल दिया है, एक ऐसी स्थिति, जिसमें अतीत के एक पक्ष को स्वीकार करना दूसरे पक्ष को छोड़ देने के बराबर समझा जाता है, यानी, वो स्थिति, जिसमें एक पक्ष का लाभ सीधे दूसरे पक्ष का नुकसान माना जाता है।

पाकिस्तानी शिक्षा जगत में संस्कृत की वापसी इस कठोर दृष्टिकोण को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपने गढ़ में कांग्रेस की हार पर भाजपा को बधाई दी थरुर ने

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसंबर। केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के मिजाज बीते कुछ वक्त से बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। पार्टी आलाकमान की बैठकों से दूरी और भाजपा से नजदीकी इस बात की तस्दीक है कि थरूर के मन के अंदर कुछ तो चल रहा है। एक दिन पहले जहां उन्होंने कोलकाता के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस लोकसभा सांसदों की बैठक

- **केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में थरुर के क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में भाजपा को अच्छी सफलता मिली है, जबकि कांग्रेस हार गई।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

रेलवे अंडरपास, आज से 31 दिसंबर तक बंद रहेगा

फुलेरा,(निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे फुलेरा की ओर से जारी आदेश के अनुसार फुलेरा यार्ड में आरयूबी संख्या 152 पर सड़क एवं अन्य मरम्मत कार्य किए जाएंगे। इस कार्य के चलते 14 दिसंबर से 31 दिसंबर तक अंडरपास से आवागमन बंद रहेंगा। जिसके कारण डायवर्जन फुलेरा-सांभर रोड मार्ग स्थित आरओबी व आरयूबी से आवागमन सुचारू रहेगा। रेलवे विभाग ने स्थानीय प्रशासन को अवगत करवाते हुए आमजन से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की है। रेलवे की ओर से उक्त आदेश रेलवे सुरक्षा बल, इंजीनियरिंग विभाग और स्थानीय प्रशासन को भी प्रेषित किया गया है। गौरतलब है कि दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत, फुलेरा व्यापार महासंघ सहित अन्य संगठनों व लोगों की ओर उक्त अंडरपास में क्षितग्रस्त सड़क की मरम्मत अथवा नवीन बनवाने को लेकर मंडल रेल प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया था।

स्वच्छता रैली में लोगों ने उत्साह दिखाया

सांभरझील(निसं)। पालिका प्रशासन की तरफ से शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहर में स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई, जिसमें नगर पालिका अधिकारी छगन लाल यादव सहित कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से आमजन को स्वच्छता बनाए रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने का संदेश दिया गया। नगर पालिका ने नागरिकों से शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की।

नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई

शाहपुरा (निसं)। शाहपुरा बार एसोसिएशन संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष बाल गोविन्द सोनी का शुक्रवार को न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने जोरदार स्वागत कर उनको बधाई दी। इस अवसर पर अधिवक्ता शुभम सोनी, एडवोकेट मुकेश कुमार व्यास, एडवोकेट महेंद्र कुमार शर्मा, एडवोकेट कैलाश चंद्र वर्मा, अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट एडवोकेट बाल गोविन्द सोनी को माला व साफा पहनाकर उनका स्वागत किया और बधाई दी।

जुआं खेलते सात आरोपी गिरफ्तार

टोंक (निसं)। अवैध गतिविधयों की रोकथाम एवं लॉकल एवं माईनर एक्ट की कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में उनकी टीम एवं थाना निवाई पुलिस टीम ने निवाई कस्बे के लखदातार होटल के पास एनएच-52 पर जुआं खेलते सात को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 73 हजार 410 रूपये की जुआ राशि जप्त की गई। इस कार्यवाही में आरोपी लेखराज वर्मा, गणेश सैनी, प्रेमचन्द रैगर, राजूलाल वर्मा, नरेन्द्र रैगर, रविप्रकाश सैनी एवं दिनेश रैगर समस्त निवासी कस्बा निवाई को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ थाना निवाई पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी हैं।

आरोग्य एवं रक्तदान शिविर सोमवार को

फुलेरा(निसं)। राजस्थान उपजिला अस्पताल में सोमवार को आरोग्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर शनिवार को पोस्टर विमोचन किया गया।

सरकार के दो वर्ष विकास एवं जनकल्याण को समर्पित, हर वर्ग में उत्साह है : मंत्री मीणा

खैरथल में सरकार के दो वर्ष पूर्ण पर आयोजित कार्यक्रम के तहत रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, विधायक महंत योगी बालकनाथ सहित अधिकारी जनप्रतिनिधि।

- **सड़क सुरक्षा सप्ताह का किया गया शुभारंभ नो सीट बेल्ट, नो हेलमेट, नो एंट्री थीम पर आधारित जागरूकता पोस्टर का विमोचन कर आमजन, वाहन चालकों एवं युवाओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई**

खैरथल,(निसं)। कृषि एवं उद्यानिकी ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा जन अभियोग निराकरण मंत्री डॉ किरोडी लाल मीणा ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' थीम पर आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत शनिवार को खैरथल कलेक्ट्रेट परिसर से किशनगढ़ बास, मुंडावर व तिजारा विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया वही सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ नो सीट बेल्ट, नो हेलमेट, नो एंट्री थीम पर आधारित जागरूकता पोस्टर का विमोचन कर आमजन, वाहन चालकों एवं युवाओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई तथा सभी से यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग अपनाने का आव्हान किया।

इस अवसर पर तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर खैरथल शिवपाल जाट, भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू, जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाड़ा, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, नगर परिषद उपसभापति वरुण डाटा, नगर परिषद आयुक्त मुकेश कुमार, विकास अधिकारी संजय यादव, अंजली यादव, इंद्र यादव, अशोक डाटा, ओमप्रकाश मांधू, तरुण दुलानी सहित नगर परिषद पार्षद एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने का उत्साह प्रदेश में सभी वर्गों में दिखाई दे रहा है, विकास कार्यों हर आयु वर्ग एवं क्षेत्र विशेष के लिये चलाई गई योजनाओं का लाभ आमजन को मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी विकास रथों के माध्यम से गांव-गांव तक पहुँचाई जायेगी। इसके लिये जन सम्पर्क विभाग द्वारा विकास रथों को सरकार की थीम के साथ सुसज्जित करते हुये ऑडियो-वीडियो सिस्टम के साथ तैयार किया गया है तथा आम नागरिकों को प्रदेश में हुये विकास कार्यों की जानकारी लघु फिल्मों के माध्यम से मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि रथों को ग्राम पंचायत में आम लोगों के बीच ले जाने का उद्वेश्य प्रदेश में हो रहे नवाचार एवं विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुँचाना है। कार्यक्रमों को प्रत्येक पंचायत में एक घंटे रथ के द्वारा प्रचारित किया जायेगा, आमजन स्थानीय समस्याओं के बारे में लिखित सुझाव रथों लगाई गई सुझाव पेटिका में दे सकेंगे। मंत्री ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान के संकल्प के पथ पर बढते हुये प्रत्येक आयु वर्ग के नागरिकों को योजनाओं का सीधा लाभ मिला है।

राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल विकास केन्द्रित रहा है, हर क्षेत्र में योजनाओं का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन करने से प्रत्येक आयु वर्ग के नागरिकों में उत्साह है। इस मौके पर तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी ने कहा कि प्रदेश के युवा, किसान, महिला-पुरूष सभी वर्गों में उत्साह है। विधायक ने जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों से आव्हान किया कि विकास रथों के आगमन पर उनका उत्साहपूर्वक स्वागत करें तथा अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित करें, ताकि सरकार की विकासात्मक सोच और जनकल्याणकारी प्रयासों की जानकारी जन-जन तक पहुँच सके। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने बताया कि विकास रथ 13 दिसंबर से कार्यक्रमों की समाप्ति तक ग्राम पंचायतों में पहुँचकर जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करेंगे।

रथ यात्रा राजस्थान के विकास, सुशासन और जनसेवा की नई यात्रा का प्रतीक : रामलाल शर्मा

- **पूर्व विधायक शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया**

चौमूं / कालाडेरा (निंस)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र चौमूं के कार्यकर्ताओं की मीटिंग का आयोजन चौमू शहर के सुभाष सर्किल स्थित कार्यालय पर किया गया।

मीटिंग का आयोजन राज्य सरकार के दो साल पूर्ण होने पर सरकार द्वारा करवाए गए विकास कार्यों को लेकर किया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सुशासन दिवस सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत बदलता राजस्थान बढ़ता राजस्थान रथ यात्रा केवल कार्यक्रम नही है बल्कि राजस्थान के विकास, सुशासन और जनसेवा की नई यात्रा का प्रतीक है। इस दौरान उन्होंने रथ यात्रा का विधानसभा क्षेत्र में होने वाले आयोजनों की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। रथ यात्रा कार्यक्रम के जिला संयोजक मुकेश चोपड़ा, विधानसभा संयोजक अर्जुन यादव और सह संयोजक आलोक जांगिड़ को नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर भाजपा कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पालिका ईओ अधिशासी का किया सम्मान

फुलेरा(निसं)। मेजर दलपत सिंह शेखावत सर्किल की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। लंबे समय से चल रही इस मांग को सरकार द्वारा स्वीकृति मिलते ही रावणा राजपूत समाज फुलेरा ने खुशी व्यक्त करते हुए शुक्रवार को नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी सुनील शर्मा का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया। समाज सदस्यों ने नगरपालिका स्टाफ को मिठाई खिलाकर उनके सहयोग के लिए धन्यवाद प्रेषित किया। समाज पदाधिकारियों का कहना है कि मेजर दलपत सिंह शेखावत सर्किल की स्वीकृति फुलेरा की ऐतिहासिक विरासत और वीर शौर्य का सम्मान है, जो युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। सर्किल के विकास कार्य जल्द शुरू होने की संभावना है। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष गिरधारी सिंह शेखावत उपस्थित रहे।

निर्वाचित पदाधिकारियों का पुष्पहार पहनाकर अभिनंदन

- **सांभर अभिभाषक समिति के चुनाव संपन्न**

सांभरझील, (निसं)। सांभर अभिभाषक समिति के शुक्रवार को गुप्त मतदान प्रक्रिया से हुए चुनाव परिणाम में फुलेरा के सीनियर एडवोकेट गिरीशचंद्र नागु अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किए गए। नागु को 56 व प्रतिद्वंदी उम्मीदवार उमाशंकर व्यास को 45 वोट मिले। सचिव पद पर प्रेमचंद भहडा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निशांत शर्मा को हराया। विजयी उम्मीदवार को 65 जबकि पराजित उम्मीदवार को 35 वोट लेकर संतोष करना पड़ा। उपाध्यक्ष पद के मुकाबले में एहसान उल हक ने गोपीचंद कुमावत को पराजित किया। हक को 57 व कुमावत को 42 वोट मिले। सह सचिव पद पर रमेश कुमावत ने सतीश गुर्जर को पराजित कर इस सीट पर अपना कब्जा जमाया। कुमावत को 56 व गुर्जर को 45 वोट मिले। विभिन्न पदों के लिए हुए चुनाव में बार के सदस्यों ने मतदान की प्रक्रिया में भाग लिया। चुनाव अधिकारी श्यामसुंदर पारीक ने चुनावी प्रक्रिया को अंजाम दिया और अंतिम परिणाम की घोषणा की। अभिभाषक समिति के पहले भी अध्यक्ष रह चुके गिरीश चंद्र के एक बार फिर अध्यक्ष बनने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कोषाध्यक्ष के लिए रवि वर्मा, पुस्तकालय सचिव के लिए नवनीत पारीक, सांस्कृतिक सचिव के लिए राहुल शर्मा का एक-एक नामांकन पेश हुआ यानी उनके सामने दूसरा कोई चुनावी मैदान में नहीं होने के कारण इन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

सार-समाचार

पार्षद बिन्दु कुमारी को मिलेगा ''राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026''

सांभरझील, (निसं)। सांभर की पार्षद बिंदु कुमारी को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 के लिए नामित किया गया है। पार्षद पद की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को आत्मिक भाव के साथ निभाया। नगर पालिका बोर्ड के लिए भी एक प्रेरणादायक संदेश है की सीमित संसाधनों व घर की जिम्मेदारी का पूरी तरह से निर्वहन करने के बावजूद उन्होंने प्रमाणित कर दिया कि जोश और जज्बा हो तो लोगों की मदद की जा सकती है। पार्षद बिंदु कुमारी बताती है कि उन्हें सामाजिक कार्यों और असमर्थ लोगों की मदद करने में उनको असीम आनंद की प्राप्ति होती है । वे खुलकर बताती है कि परमात्मा की इच्छा से कोई भी कार्य किया जाना संभव होता है बशर्तें आपका मन निर्मल और पवित्र होना चाहिए। राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार उन्हें गणतंत्र दिवस के रोज इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में प्रदान किया जाएगा।

विकास लोदी बने बार एसोसिएशन अध्यक्ष

टोंक(निसं)। अभिभाषक सघं टोंक के चुनाव शुक्रवार को संपन्न हुए, जिसमें एडवोकेट विकास लोदी 62 मतों से विजय होकर अध्यक्ष चुने गए। वहीं उपाध्यक्ष पद पर वसी अहमद को 49 मतों से विजय घोषित किया गया। लोदी के पिता कमल लोदी करीब 18 साल पहले टोंक बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं निवाई विधायक भी रह चुके है। इस दौरान अशोक साहू को सचिव, दिलखुश धाकड़ को सहसचिव एवं कोषाध्यक्ष पद पर महेंद्र को विजय घोषित किया गया। उम्मीदवारो की विजय के बाद समर्थकों ने कोर्ट परिसर में जमकर आतिश बाजी की तथा अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों को गाजे बाजे से जुलूस के साथ घर छोड़ा गया। वही विकास लोदी की जीत के बाद उनके पिता कमल लोदी ने न्यायालय परिसर में विजेताओं का मुंह मीठा करवाया। इस अवसर पर अध्यक्ष विकास लोदी ने कहा कि वे सभी साथियों के सहयोग से उनके हित में काम करेगे तथा यहां स्पेशल कोर्ट लाया जाएगा, इसके लिए भरसक प्रयास किए जाएंगे। वही बिल्डिंग में लिफ्ट लगाने हेतु टोंक विधायक सचिन पायलट का सहयोग लिया जाएगा। जिसके बाद शनिवार सुबह नवनिर्वाचित अध्यक्ष विकास लोदी ने अपने दायित्व की शुरुआत मुख्यालय स्थित गांधी गौशाला में गौ सेवा के साथ की। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला में उपस्थित गौ माताओं को हरा चारा एवं गुड़ खिलाकर सेवाभाव व्यक्त किया।

जयपुर ग्रामीण सांसद ने आमजन को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

कोटपूतली (निसं)। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने शनिवार को एलबीएस महाविद्यालय कोटपुतली के खेल मैदान में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के जिला स्तरीय समारोह में शिरकत की तथा उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। सिंह ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथ एवं बाइक रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिला परिवहन अधिकारी सुनील सैनी ने बताया किये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। इस दौरान विधायक कोटपुलती हंसराज पटेल, विधायक बानसूर देवीसिंह शेखावत, जनप्रतिनिधि यादराम जांगल, जयराम सहित अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, तहसीलदार रामधन गुर्जर, सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखवत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी , बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार विकास कार्यों के लिए सदैव तत्पर : निर्मल कुमावत

फुलेरा(निसं)। फुलेरा-बालाजी रोड स्थित ज्योतिबा फुले सर्किल पर शनिवार को यात्री प्रतीक्षालय निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में विकास कार्यों को लेकर सदैव प्रतिबद्ध रही है। सरकार की ओर से हर गांव और हर गली में विकास कार्य कराए गए हैं तथा भविष्य में भी आवश्यकता के अनुसार विकास कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद हेमलता सैनी एवं पार्षद श्रवण वर्मा ने पूर्व विधायक द्वारा कराए गए विभिन्न जनहितकारी निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि जन समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए कार्यों को शीघ्रता से पूरा कराया गया।

कलेक्टर ने राजीविका महिलाओं द्वारा निर्मित एफपीओ का अवलोकन किया

अवलोकन करते जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार।

- **जिला कलेक्टर ने एफपीओ महिला पदाधिकारियों से उनके कार्यालय में बैठकर संवाद किया तथा एफपीओ की कार्यप्रणाली एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी ली**

दौसा(निसं)। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने राजीविका के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित एवं संचालित कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) भीतरावंदन एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड दौसा का अवलोकन किया।

जिला कलेक्टर ने एफपीओ महिला पदाधिकारियों से उनके कार्यालय में बैठकर संवाद किया तथा एफपीओ की कार्यप्रणाली एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर महिलाओं एवं एफपीओ कार्मिकों ने अवगत करवाया कि एफपीओ में जिला कलेक्टर के निर्देशन में आवश्यक लाइसेंस प्राप्त कर लिये गये है। एफपीओ में प्रारंभिक तौर पर ट्रैडिंग की गतिविधियां की है जिसमें चना, सरसो, गेहूं, सब्जियों के उन्नत वेरायटी की बीज कीट एवं बाजरा जीन्स की खरीद-बेचान का कार्य कर आमदनी अर्जित की है। जिला कलेक्टर ने एफपीओ की आगामी गतिविधि एवं कार्ययोजना के संबंध में जानकारी चाहने पर महिलाओं ने बताया कि एफपीओ में आगे प्रोसेसिंग यूनिट के जरिये आटा मिल, सरसो तेल मिल, मसाला यूनिट, केटल फीड यूनिट के कार्य कर आमदनी बढ़ाई जायेगी। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर महिलाओं से एफपीओ संचालन में आ रही समस्याओं के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर एफपीओ में क्षेत्र और बाजार की मांग के अनुरूप गतिविधियां बढ़ाकर अच्छी आमदनी अर्जित कर उन्नत स्तर पर संचालित करने की सलाह दी तथा उनके प्रयासों की सराहना कर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक बलदेव सिंह गुर्जर, जिला प्रबंधक आजीविका किशन सिंह, यंग प्रोफेशनल समीक्षा वत्स, ब्लॉक परियोजना प्रबंधक संतोष सहित अन्य कार्मिक एवं एफपीओ की महिलाएं उपस्थित रहीं।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित

- **बैठक में प्रधानमंत्री एवं राजस्थान मुख्यमंत्री की डबल इंजन सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और भविष्य की प्राथमिकताओं को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प को दोहराया गया**

टोंक(निसं)। जिला भाजपा कार्यालय पर सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन पखवाड़ा के अन्तर्गत होने वाले आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों एवं कार्यक्रम प्रभारियों के साथ संगठनात्मक संवाद किया। बैठक में प्रधानमंत्री एवं राजस्थान मुख्यमंत्री की डबल इंजन सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों, जन कल्याणकारी योजनाओं और भविष्य की प्राथमिकताओं को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प को दोहराया गया।

यह बैठक जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में तथा नवनियुक्त जिला संगठन प्रभारी जितेंद्र शर्मा एवं सह प्रभारी रामानंद गुर्जर के मार्गदर्शन में में आयोजित की गई।

इस दौरान जिला संगठन प्रभारी शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक सशक्त है और यही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होने कहा कि कार्यकर्ताओं की निष्ठा, समर्पण और निरंतर मेहनत के कारण ही भाजपा को लगातार जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं।

वही सह प्रभारी रामानंद गुर्जर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता और सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही भाजपा का मूल उद्देश्य है।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता के सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है, राज्य सरकार ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के लिए किए गए अधिकांश वादों को मात्र दो वर्षों में ही पूरा कर लिया है। आगामी समय में विकास रथ प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक पहुंचकर आमजन को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा।

इस अवसर पर पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, गणेश माहुर, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा,पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, ओमप्रकाश पांडे, जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर, अंजलि गुप्ता, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेल काउन्टर बन्द होने पर सांसद मीना ने जताई नाराजगी

- **रेल महाप्रबन्धक को पत्र लिखकर दी चेतावनी, ऑनलाइन बुकिंग से अनजान लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।**
- **सांसद ने चेतावनी दी है कि यदि टोंक जिला मुख्यालय स्थित रेल टिकट बुकिंग काउंटर को तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ नहीं किया गया, तो वे इस मुद्दे को संसद के पटल पर पूरी ताकत से उठाएंगे**

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर वर्षों से संचालित पुराने रेल टिकट बुकिंग काउंटर को अचानक बंद किए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सांसद हरिश चन्द मीना ने उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर एवं उक्त काउंटर को तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ करने की मांग की है।

सांसद ने पत्र में बताया कि जिला आजादी के 75 वर्षों बाद भी प्रत्यक्ष रेल सुविधा से वंचित है। ऐसे जिले में एकमात्र ऑफलाइन रेल टिकट बुकिंग काउंटर को अक्टूबर 2025 के अंत में बिना किसी पूर्व सूचना या वैकल्पिक व्यवस्था के बंद कर देना, रेलवे प्रशासन की असंवेदनशीलता और जनविरोधी सोच को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि काउंटर बंद होने से आम नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, ग्रामीण यात्रियों और ऑनलाइन बुकिंग से अनजान लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को टिकट लेने के लिए निवाई, सवाई माधोपुर अथवा जयपुर जैसे दूरस्थ स्टेशनों पर जाना पड़ रहा है, जिससे समय, धन और श्रम की अनावश्यक बर्बादी हो रही है।

सांसद ने चेतावनी दी है कि यदि टोंक जिला मुख्यालय स्थित रेल टिकट बुकिंग काउंटर को तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ नहीं किया गया, तो वे इस मुद्दे को संसद के पटल पर पूरी ताकत से उठाएंगे और रेलवे प्रशासन के इस जनविरोधी फैसले को देशभर के सामने बेनकाब करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद उत्पन्न होने वाले राजनीतिक और प्रशासनिक परिणामों की पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी।

जयपुर ग्रामीण सांसद ने किया सांसद खेल उत्सव-2025 का उद्घाटन

सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कबड्डी प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया।

- **सांसद ने खेल संसाधनों और सुविधाओं के लिए की 10-10 लाख के फंड की घोषणा की, खेल में रिकॉर्ड तोडने वाले को मिलेगा 1 लाख का इनाम**

कोटपूतली(निसं)। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने शनिवार को सांसद खेल उत्सव-2025 का विधिवत उद्घाटन राजकीय एलबीएस महाविद्यालय कोटपुतली के खेल मैदान से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस दौरान कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद रहे। सिंह ने कबड्डी प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विभिन ब्लॉक से प्रतियोगिता में खेलने वाली प्रथम दोनों टीमों के कप्तानों के साथ टॉस कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ ान पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिये सांसद खेल उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस उत्सव के अंतर्गत लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न चरणों में खेल आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमे कब्बड्डी, वॉलीबॉल और दौड़ (100-200 मीटर) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिता में 300 से अधिक टीमे टीमों और विधानसभा कोटपुतली में 6800 प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन किए गए हैं, जिनमे महिला प्रतिभागी बड़ी संख्या में शामिल हैं। सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेता टीमों को श्रेष्ठ पुरस्कार दिए जाएंगे और यहां पर जो खिलाड़ी चुने जाएंगे उनकी प्रोफेशनल ट्रेनिंग कराई जाएगी साथ ही राष्ट्र लेवल का रिकॉर्ड तोड़ने वाले खिलाड़ी को 1 लाख रुपये इनाम स्वरूप दिए जाएँगे। उन्होंने खिलाड़ियों की सुविधा एवं संशाधनों हेतु 10 लाख रुपये एमपी एवं 10 लाख एमएलए फण्ड से उपलब्ध करवाने की घोषणा की जिससे कि खिलाड़ियों को बेहतर माहौल मिल सके और वे राज्य व राष्ट्र लेवल पर जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने शारीरिक शिक्षकों को खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग देने के निर्देश भी दिए तथा खिलाड़ियों से संवाद कर उनकी हौसला अफजाई भी की साथ ही खेल की शपथ भी दिलाई। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र यादव, सांसद खेल उत्सव के लोकसभा संयोजक यादराम जांगल व जनप्रतिनिधि रमेश रावत, अरुण सैनी, राजेंद्र भौनावास, राजवीर यादव, सीताराम शर्मा, जयराम गुर्जर, सुरेंद्र चौधरी, विक्रम और अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम रामवतार मीणा, तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित अनेक गणमान्य लोग और खिलाड़ी मौजूद रहे।

'बीकानेर में 5000 मेगावाट ऑवर बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता के साथ 2450 मेगावाट का बड़ा सोलर पार्क विकसित कर रही राज्य सरकार'

'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा से चमक रहा राजस्थान, आमजन और किसानों को मिल रही किफायती बिजली'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार वर्ष 2030 तक प्रदेश में 115 गीगावाट अक्षय ऊर्जा तथा 10 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं विकसित करने के प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। इसके तहत बीकानेर के पूगल में 5000 मेगावाट ऑवर बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता के साथ 2450 मेगावाट क्षमता का देश का सबसे बड़ा सोलर पार्क विकसित किया जा रहा है।

- **'इसके अतिरिक्त प्रदेश में 6 हजार करोड़ रुपये के निवेश से करीब 6000 मेगावाट ऑवर क्षमता की 4 बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं भी विकसित कर रही है भजनलाल सरकार'**
- **'राज्य की वर्तमान स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता 41189 मेगावाट तथा सौर ऊर्जा क्षमता 35337 मेगावाट पहुंची। 'देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता में राजस्थान की भागीदारी 27.2 प्रतिशत और अक्षय ऊर्जा में 16.43 प्रतिशत है।'**

इसके अतिरिक्त प्रदेश में 6 हजार करोड़ रुपये के निवेश से करीब 6000 मेगावाट ऑवर क्षमता की 4 बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। जिनमें देश में न्यूनतम टैरिफ प्राप्त हुई है। इस प्रकार राज्य में वृहद् क्षमता का बैटरी एनर्जी स्टोरेज तंत्र विकसित किया जा रहा है। नवम्बर 2027 तक स्थापित होने वाली इन परियोजनाओं से पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा किया जा सकेगा और महंगी बिजली खरीद से मुक्ति मिलेगी। ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करने में यह बड़ा कदम साबित होगा।

देश की सौर एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में अहम योगदान के लिए राजस्थान को वर्ष 2024 में गुजरात में आयोजित आरई-इन्वेस्ट समिट में क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसी तरह हाल ही में नवम्बर माह में चेन्नई में हुए विंडर्जी इंडिया-2025 सम्मेलन में भी राजस्थान को एक्सीलेंस इन विंड एवं हाईब्रिड पॉलिसी पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह स्पष्ट करता है कि भारत अब तेजी से हरित ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है और राजस्थान इस बदलाव का आधार स्तंभ बन गया है। ज्ञात रहे कि राज्य की वर्तमान स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता 41 हजार 189 मेगावाट तथा सौर ऊर्जा क्षमता 35 हजार 337 मेगावाट पहुंच चुकी है। देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता में राजस्थान की भागीदारी 27.2 प्रतिशत और अक्षय ऊर्जा में 16.43 प्रतिशत है। बीते दो वर्षों में राज्य की अक्षय ऊर्जा क्षमता में 17 हजार 820 मेगावाट की वृद्धि हुई है। जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान 17 हजार 326 मेगावाट है। इसके अतिरिक्त 45 गीगावाट क्षमता की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं प्रगति पर हैं। राजस्थान इस प्रगति से देश के सोलर हब के रूप में मजबूती से उभर रहा है।

सौर ऊर्जा में राजस्थान के बढ़ते प्रभुत्व के पीछे सोलर पार्क तथा सौर परियोजनाओं के साथ-साथ पीएम-कुसुम एवं पीएम सूर्यघर जैसी योजनाओं का ठोस क्रियान्वयन भी है। इन योजनाओं से राज्य में विकेन्द्रित सौर ऊर्जा को तेजी से बढ़ावा मिला है। कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत बीते दो वर्ष में प्रदेश की गांव-ढाणियों में 2 हजार 345 मेगावाट क्षमता से अधिक की ग्रिड कनेक्टेड 1 हजार 47 लघु सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इस दृष्टि से राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह कम्पोनेंट-बी में 51 हजार 927 (कुल 1.15 लाख) ऑफ ग्रिड सोलर पम्प स्थापित किए जा चुके हैं। इस योजना के माध्यम से किसान अब डीजल पंपों के प्रदूषण से मुक्ति पा रहे हैं और सस्ती सौर ऊर्जा को अपना रहे हैं। ग्रिड कनेक्टेड संयंत्रों से करीब 1 लाख 54 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली मिल रही है। इसी तरह पीएम सूर्यघर योजना में दो वर्ष से भी कम समय में प्रदेश में 441 मेगावाट क्षमता के 1 लाख 9 हजार 209 रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। पीएम सूर्यघर में स्थापित रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों की संख्या के आधार पर राजस्थान देश में 5वें स्थान पर है।

मीनाकारी और नगीना जडाई के आभूषण चुराने वाला नौकर पुलिस के हत्थे चढ़ा

आरोपी अमजद खान

जयपुर (कासं)। कोतवाली थाना पुलिस ने मीनाकारी व नगीना जडाई के आभूषणों की चोरी के मामले में शातिर नौकर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी नौकर कीमती नगीनों से जड़ी ज्वैलरी चुराकर उनमें लगे नगीने और चांदी अलग-अलग कर देता था। इसके बाद चांदी को गलाकर बाजार में बेच देता था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि कोतवाली थाना पुलिस ने मीनाकारी व नगीना जडाई के आभूषणों की चोरी के मामले में शातिर नौकर अमजद खान (28) निवासी गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से महंगे नगीनों से जड़ा गोल्ड प्लेटेड कीमती नेकलेस, एक जोड़ी गोल्ड प्लेटेड ईयररिंग सेट (दो पीस) तथा चोरी की गई ज्वैलरी से अलग कर गलाया गया 150 ग्राम से अधिक वजन का चांदी का टुकड़ा बरामद किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले आभूषण चुराता था, फिर उनमें लगे कीमती नगीने और चांदी अलग कर लेता था। चांदी को गलाकर वह बाजार में बेच देता था, जिससे चोरी का सुराग लगाना मुश्किल हो जाता था। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने इससे पहले और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली जयपुर उत्तर राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि दिसंबर 2024 में विदेश में रहने वाली एक एनआरआई महिला ने सुभाष चौक क्षेत्र में मीनाकारी और नगीना जड़ाई के आभूषण तैयार करने के लिए कार्यालय खोल रखा था। कार्यालय का संचालन कर्मचारियों के माध्यम से किया जा रहा था। इसी दौरान वहां काम करने वाले नौकर द्वारा कीमती आभूषण चोरी कर लिए गए।इस संबंध में थाना सुभाष चौक में मामला दर्ज कर गहन अनुसंधान किया गया। जहां परंपरागत पुलिसिंग, मुखबिर तंत्र और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया।

सोमेश चन्द शर्मा अध्यक्ष, उमेश चौधरी महासचिव निर्वाचित हुए

जयपुर (कासं)। दी बार एसोसिएशन जयपुर के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद पर सोमेश चन्द शर्मा व महासचिव के पद पर उमेश चौधरी निर्वाचित हुए। सोमेश चन्द शर्मा ने निकटतम उम्मीदवार नरपत सिंह तंवर को 488 मतों से पराजित किया।

सोमेश शर्मा को 1618 मत मिले और नरपत को 1130 मत मिले। वहीं महासचिव के पद पर नजदीकी मुकाबले में उमेश चौधरी ने पंकज शर्मा पंचलंगिया को 62 मतों से हराया। उमेश चौधरी को 1183 मत प्राप्त हुए, जबकि पंकज शर्मा को 1121 मत मिले। उपाध्यक्ष के दो पदों पर मोनिका ने 1970 और नरेश कुमार सैन ने 1567 मत प्राप्त कर विजय हासिल की।

चुनाव संचालन समिति सदस्य सत्यवान सिंह शेखावत व अनिल गुप्ता ने बताया कि कोषाध्यक्ष के पद पर कृष्णकांत शर्मा, संयुक्त सचिव के पद पर मनीष कुमार शर्मा, पुस्तकालय सचिव के पद पर रितुराज, सांस्कृतिक सचिव के पद पर मनोज कुमार पिंगोलिया व उप कोषाध्यक्ष के पद पर राजेन्द्र कुमार पहाडिया निर्वाचित हुए। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के 12 पदों पर श्रवण सिंह, अंजना जायसवाल, मंगल चन्द शर्मा, रूपचंद वर्मा, प्रताप सिंह खंगारोत, दिगंबर सिंह सिनसिनवार, आकाश कपूर, आशुतोष शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा, गिरधारी लाल सैनी, अंशुल कौशिक व सुरेन्द्र सिंह राठौड निर्वाचित हुए। दी बार एसोसिएशन जयपुर के शुक्रवार को हुए चुनाव में 4,566 मतदाताओं में से 4,119 ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था।

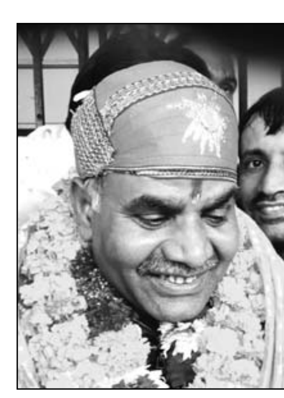

सोमेश चन्द शर्मा

उमेश चौधरी

सार-समाचार

प्राइमरी इयर्स प्रोग्राम स्पोर्ट्स-डे मनाया

जयपुर । बहुप्रतीक्षित प्राइमरी इयर्स प्रोग्राम (पीवायपी) स्पोर्ट्स डे का उत्सव उत्साह और ऊर्जा से भरपूर माहौल में मनाया गया। फ्लड लाइट्स के बीच जयश्री पेडीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम ने शारीरिक उत्कृष्टता, आनंदपूर्ण सहभागिता और दृढ़ता की भावना दिखी। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज के अनावरण के साथ हुई, जिसके बाद स्कूल की चेयरपर्सन डॉ. जयश्री पेडीवाल द्वारा एथलेटिक्स टॉर्च प्रज्वलित की गई। वार्षिक खेल रिपोर्ट और पुरस्कार प्रस्तुति ने पूरे आयोजन के लिए स्वर निर्धारित किया, जिसमें वर्षभर की लगन, दृढ़ता और उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन के सबसे हृदयस्पर्शी आकर्षणों में से नन्हे शिक्षार्थियों की मिनी ओलंपिक्स में उत्साही भागीदारी थी, जहां 22 गतिशील एरेनाओं में घुड़सवारी, रॉक क्लाइम्बिंग, स्केटिंग, गोल्फ आदि जैसी कई रोचक गतिविधियाँ शामिल थीं। सीईओ आयुष पेडीवाल ने कहा कि, जेपीआईएस में स्पोर्ट्स डे केवल शारीरिक क्षमता का उत्सव नहीं है। यह एक समग्र आयोजन है जो फिटनेस, भावनात्मक स्वास्थ्य, समावेशन और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है।

18 दिसंबर से शुरू होगा जयरंगम

जयपुर । रंगमंच महोत्सव 'जयरंगम-2025' का आयोजन 18 से 21 दिसंबर तक जवाहर कला केंद्र में किया जा रहा है। श्री एम डॉट बैंड्स थिएटर फैमिली सोसाइटी, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान, तथा जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह महोत्सव अपने 14वें वर्ष में रंगमंच के साथ कला, संगीत और संवाद के विविध रंग प्रस्तुत करेगा। इस वर्ष जयरंगम में कुल 11 नाट्यय प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें हास्य, सामाजिक सरोकार, भारतीय सेना की वीरगाथा, प्रकृति, मानवीय संवेदनाएं और महिला मन के भाव प्रमुख रूप से देखने को मिलेंगे। युवा नाट्यय निर्देशकों को मंच देने के उद्देश्य से शुरू किए गए स्पॉटलाइट सेगमेंट के अंतर्गत इस वर्ष 6 नाटकों का मंचन प्रस्तावित है। महोत्सव की शुरुआत 18 दिसंबर, गुरुवार को दोपहर 12 बजे बच्चों के लिए मकरंद देशपांडे के नाटक 'आइंस्टीन' के मंचन से कृष्णायन सभागार में होगी। दोपहर 2 बजे 'अजीत राय- थिएटर, सिनेमा एंड एवरीथिंग इन बिटवीन विषय पर टॉक शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें मकरंद देशपांडे, गुलाब सिंह तंवर, धर्मेंद्र नाथ ओझा, राजकुमार रजक और अभिषेक गोस्वामी संवाद करेंगे। शाम 4 बजे रंगायन में समीना जेहरा का नाटक 'द गिरमिट' प्रस्तुत किया जाएगा, जबकि शाम 7 बजे हर उम्र के कला प्रेमियों के लिए मकरंद देशपांडे के नाटक 'आइंस्टीन' का मंचन होगा।

'नरूका निष्कासित, कुलदीप बने महामंत्री'

जयपुर । राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ की जयपुर स्थित विभागों के विभागीय समिति अध्यक्षों की आपात बैठक जल भवन स्थित प्रांतीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष राजेश पारीक ने की। बैठक में राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका को संगठन विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण तुरंत प्रभाव से महामंत्री पद से बर्खास्त किए जाने का निर्णय लिया गया। उनकी जगह पर कुलदीप शर्मा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग शासन सचिवालय राजस्थान जयपुर को प्रदेश महामंत्री मनोनीत किया गया। इसके साथ ही प्रदीप कुमार बोचल्या को निदेशक लेखन एवं मुद्रण विभाग गवर्नमेंट प्रेस की विभागीय समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष का निर्वाचन जनवरी 2026 माह में अधिवेशन बुलाकर करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कर्मचारी नेता कुलदीप शर्मा, महेंद्र शर्मा, प्रदीप बोचल्या, गोपाल स्वरूप पाठक, रमेश तिवारी, कल्पित जैन, नवल किशोर सैनी, राहुल यादव, सूरज प्रकाश टाक, महेंद्र सिंह धायल, महेश शर्मा, मोहन धायल, कृष्णेन्दु चटर्जी, जगमोहन अरोड़ा ,मोहन जाट, आत्माराम, सुनील यादव, मयंक जैन, जितेंद्र शर्मा, गोपाल सिंह मीणा, ओम प्रकाश सेन, दिलीप निठारवाल, संजय बोहरा प्रशांत वर्मा, दिनेश भार्गव, विनय पारीक, अमर परमार, पंकज शर्मा, किशन गुप्ता, मनोज, विशाल, महेंद्र सहित अन्य कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

अकलेरा में 15 अवैध ट्रांसफार्मर जब्त

जयपुर । जयपुर विद्युत वितरण निगम ने बकाया राजस्व संग्रहण तथा विद्युत चोरी के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न जिलों में सघन विजिलेंस चैकिंग अभियान संचालित किया है। इसके अन्तर्गत शनिवार को झालावाड़ जिले के अकलेरा उपखंड में विद्युत सुरक्षा तथा निगम राजस्व के लिए हानि का कारण बन रहे अवैध ट्रांसफार्मरों को जब्त किया गया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक गांवों में पुलिस जाब्ते के सहयोग से विद्युत चोरी के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिसमें 15 अवैध ट्रांसफार्मर जब्त किये गये व कई किलोमीटर लम्बी विद्युत लाइन खोली गई। यह ट्रांसफार्मर विभागीय अनुमति के बिना लगाए गए थे, जिससे विद्युत सुरक्षा एवं राजस्व, दोनों को नुकसान हो रहा था। ऑपरेशन ऊर्जा प्रहार के तहत विद्युत निगम और जिला पुलिस के सहयोग से की गई संयुक्त कार्यवाही में वृत्ताधिकारी अकेलरा सहित अकलेरा, घाटोली एवं असनावर थाना प्रभारी मौजूद थे एवं निगम की ओर से करीब एक दर्जन अभियंता सम्मिलित रहे। इसी तरह खैरथल-तिजारा जिले में शुक्रवार को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान में 51 स्थानों पर बिजली चोरी पकडी गई और 42 लाख से अधिक का जुर्माना लगाया गया। इस अभियान के लिए भिवाड़ी और किशनगढ़बास के 13 अभियंताओं की टीम गठित की गई थी। बारां जिले में बकाया उपभोक्ताओं से वसूली के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत 21 लाख से अधिक के बिल बकाया होने पर 7 कनेक्शनों के ट्रांसफार्मर उतारने की कार्रवाई की गई। इनमें से 2 कनेक्शनों ने अपनी राशि जमा कराई। करौली जिले में भी शुक्रवार को विद्युत चोरी के खिलाफ कार्रवाई के अन्तर्गत 370 अवैध केबल जब्त की गई।

लोकतंत्र की पाठशाला बनेगी विधानसभा

जयपुर (कासं)। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद और 21वीं सदी के आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने की दिशा में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एक अभिनव पहल कर रहा है। इसके तहत 15 दिसंबर को राजस्थान विधानसभा में राज्य स्तरीय 'राजस्थान युवा सभा' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर से चयनित 158 विद्यार्थी विधानसभा में जनप्रतिनिधियों की भांति बैठकर मॉक सत्र में भाग लेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। मॉक सत्र के दौरान विद्यार्थी विषय हमारा भविष्य हमारा निर्णय - किशोर-किशोरियों के सशक्त भविष्य के लिए सुदृढ़ मानसिक स्वास्थ्य और उचित करियर मार्गदर्शन की आवश्यकता पर चर्चा करेंगे। यह नवाचार विद्यार्थियों में व्यक्तित्व विकास, तार्किक चिंतन, आत्मविश्वास और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही यह नवाचार विद्यार्थियों को लोकतंत्र की समझ, नेतृत्व की जिम्मेदारी और भविष्य निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करेगा। यह आयोजन कक्षा 9 से 12 तक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए 'प्रबल कार्यक्रम' के अंतर्गत किया जा रहा है। विद्यार्थियों को जीवन कौशल, वित्तीय साक्षरता, जलवायु परिवर्तन, नागरिकता, नैतिक मूल्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और टीमवर्क जैसे विषयों से जोड़ा गया है।

स्मैक तस्करी और हथियार रखने के 3 बदमाश दबोचे

- **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक, नकदी और देशी पिस्टल व कारतूस जब्त किए**
- **पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य बदमाशों तथा गिरोह के बारे में जानकारी जुटा रही**

जयपुर (कासं)। जयपुर शहर में अवैध नशे और हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व और मालवीय नगर,प्रताप नगर और रामनगरिया थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी और अवैध हथियार रखने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीला पदार्थ, नकद राशि, स्कूटी और देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि शहर में अवैध नशे के कारोबारियों और हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' और ऑपरेशन 'आग' के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्तों के निर्देशन में जिला विशेष टीम एवं थाना मालवीय नगर, रामनगरिया और प्रतापनगर की संयुक्त टीमों का गठन किया गया था।

जहां पहली कार्रवाई में थाना मालवीय नगर क्षेत्र से स्मैक सप्लायर कमलेश सांसी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम 27 मिलीग्राम अवैध स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की गई। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। वहीं दूसरी कार्रवाई थाना रामनगरिया क्षेत्र में की गई। जहां स्मैक बेचने के आरोप में मनोज शर्मा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 7 ग्राम 97 मिलीग्राम स्मैक और बिक्री से प्राप्त 4 हजार रुपये नकद बरामद किए। इस मामले में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही

तीसरी कार्रवाई थाना प्रतापनगर क्षेत्र में ऑपरेशन आग के तहत की गई। यहां अवैध हथियार रखने के आरोप में कान्हा सिंह जादौन उर्फ कानू ठाकुर को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस जब्त किए गए। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इनके तार किसी बड़े गिरोह से जुड़े हैं या नहीं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

जयपुर में हुक्का बार पर छापेमारी, 5 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । सीएसटी क्राइम ब्रांच टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब व ब्रूज क्लब बेलाकासा पर कार्रवाई कर 5 अभियुक्तों को हिरासत में लिया है, वहीं दो आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त अभिजीत सिंह ने बताया कि विशेष टीम ने एयरपोर्ट थाना ,गांधी नगर पूर्व बुर्ज क्लब बेला कासा व ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब पर कार्रवाई कर पांच व्यक्तियों को कोटप्पा एक्ट में गिरफ्तार किया है । वहीं दो व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस -2023 के तहत हिरासत में लिया है। पुलिस ने रमाकांत (35) पुत्र गिरधारीलाल, मालवीय नगर निवासी , निखिल (33) पुत्र सुरेश ,महोदव नगर पांच्यावाला, देवराज स्वामी (24) पुत्र मोती दास, सवाई माधोपुर हाल बुर्ज क्लब बेला कासा होटल ,टोंक रोड निवासी , विजय पुत्र (34) निरंजन क्लब बुर्ज बेलाकास निवासी व अजय निठारवाल (27) पुत्र राम कुमार बुर्ज क्लब बेलाकासा होटल निवासी को हिरासत में लेकर इनके पास से 5 हुक्का , पाचं चिलम,पांच पाईप व 15 डिब्बे तम्बाकू फ्लेवर जब्त किए है।

राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज करें : वी. श्रीनिवास

- **मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से सभी कृषि विश्वविद्यालयों कुलगुरुओं की बैठक लेकर समीक्षा की**

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में खाली पड़े पदों पर जल्द ही नियमानुसार भर्ती करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि शिक्षा के विस्तार और गुणवत्ता वृद्धि में कृषि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए विश्वविद्यालयों में टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यक शर्त है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया तेज करें, एसओपी की पालना करें। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन पात्रता, सिलेबस, परीक्षा के बिन्दु भी देखने के भी निर्देश दिए। वीसी में दिल्ली से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम.एल.जाट भी जुड़े।

इस भर्ती प्रक्रिया के सम्बध में मुख्य सचिव ने राज्य के कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं के साथ वी.सी. के माध्यम से बैठक ली। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में प्रक्रियागत पहलू, कानूनी मुद्दों, आईसीएआर और कार्मिक विभाग द्वारा समय-समय पर जारी सर्कुलरों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी विश्वविद्यालयों में कुल पद, खाली पद, भर्ती विज्ञापन, वर्तमान स्टेटस, कानूनी पहलुओं की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कृषि और किसान के कल्याण के लिए संकल्पित अभिनव प्रयासों और पहलों को साकार करने में कृषि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए एक तो कृषि शिक्षा का विस्तार हो, दूसरा लैब का ज्ञान कम से कम समय में खेत तक पहुंचे ताकि स्थानीय आवश्यकता के अनुसार बीज किस्म निर्धारण, मृदा परीक्षण के परिणाम के हिसाब से उर्वरक चयन, कम से कम पानी में सिंचाई पद्धित अपनाकर अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकें। बैठक में कृषि विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल, कृषि आयुक्त चिन्मय गोपाल, उद्यानिकी आयुक्त शुभम चौधरी भी उपस्थित रहे।

बकाया वसूली के जरिए 430 करोड़ के राजस्व पर डिस्कॉम का फोकस

प्रदेश में सर्वाधिक बकाया वाले 10 विद्युत खंड और 20 उपखंड चिन्हित किए

जयपुर (कासं)। जयपुर डिस्कॉम ने बकाया राजस्व वसूली पर फोकस किया है। निगम ने सर्वाधिक बकाया वाले 10 विद्युत खंड तथा 20 उपखंड क्षेत्रों को चिन्हित कर उनमें उपभोक्ताओं से शत-प्रतिशत राजस्व संग्रहण की कार्ययोजना तैयार की है। मुख्यालय स्तर से इन विद्युत खंडों एवं उपखंडों की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी।

इसी क्रम में डिस्कॉम्स चेयरमैन आरती डोगरा ने शनिवार को विद्युत भवन से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए इन सभी 20 विद्युत उपखंडों के सहायक अभियंताओं के साथ राजस्व वसूली की समीक्षा की। संबंधित अधिशासी अभियंता और अधीक्षण अभियंता भी जुड़े।

उल्लेखनीय है कि इन विद्युत उपखंडों में 1.11 लाख उपभोक्ताओं पर 193 करोड़ से अधिक तथा विद्युत खंडों में 1.89 लाख उपभोक्ताओं पर 237 करोड़ रूपए से अधिक बकाया हैं। जिसकी वसूली के लिए जयपुर डिस्कॉम प्रयासरत है। डोगरा ने निर्देश दिए कि अभियंता शिविरों का आयोजन कर समझाइश एवं सैटलमेंट के माध्यम से राजस्व संग्रहण को प्राथमिकता दें।

- **गौरतलब है कि इन विद्युत उपखंडों में 1.11 लाख उपभोक्ताओं पर 193 करोड़ से अधिक तथा विद्युत खंडों में 1.89 लाख उपभोक्ताओं पर 237 करोड़ रूपए से अधिक बकाया हैं।**

उन्होंने कहा कि नोटिस देने के बाद भी जिन प्रकरणों में वसूली नहीं हो पा रही है तो उन्हें लोक अदालत के माध्यम से हल कराएं। जहां संगठित रूप से लोग बकाया चुकाने को तैयार नहीं हैं तो उनमें आवश्यकता पड़ने पर कनेक्शन विच्छेद करने, ट्रांसफार्मर एवं विद्युत लाइन हटाने जैसे सख्त कदम भी उठाए जाएं। उन्होंने 50 हजार एवं 1 लाख से ऊपर बकाया वाले प्रकरणों में शत-प्रतिशत रिकवरी के लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए।

डिस्कॉम्स चेयरमैन जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से वसूली का अभियान चलाने के निर्देश भी संबंधित अधीक्षण अभियंताओं एवं अधिशासी अभियंताओं को दिए। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं को पीडीसी घोषित करने के प्रकरण विचाराधीन हैं, उनमें जल्द निर्णय किया जाए, ताकि ऐसे उपभोक्ताओं से वसूली की नियमानुसार कार्यवाही की जा सके। इसके अतिरिक्त अन्य डिविजनों एवं सब डिविजनों में बकाया राजस्व संग्रहण के लिए जोनल मुख्य अभियंताओं को मॉनीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

सर्वाधिक बकाया वाले 20 विद्युत उपखंड

करौली ए-द्वितीय, राजाखेड़ा, बाड़ी, छबड़ा, खंडार, बारां-ए द्वितीय, धौलपुर-ए द्वितीय, कामां, नादौती, डीग, इटावा, पहाड़ी, अटरू-प्रथम एवं द्वितीय, कोटा ओएंडएम-आर, मासलपुर, बयाना, मंडरायल, कोटपूतली तथा भिवाड़ी

सर्वाधिक बकाया वाले 10 विद्युत खंड

करौली, अटरू, कोटा (जिला डिविजन), धौलपुर, बाड़ी, हिंडौन, कामां, बारां (जिला डिविजन एवं ओएंडएम डिविजन), भिवाड़ी।

नैनवा नगर पालिका उपाध्यक्ष के निलंबन पर स्टे

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका नैनवा के उपाध्यक्ष आबिद हुसैन के निलंबन पर स्थगन (स्टे) दिया है। इसके साथ ही अदालत ने स्वायत्त शासन निदेशक, आयुक्त एवं शासन सचिव तथा एसडीएम नैनवा को नोटिस जारी कर राज्य सरकार से 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता आबिद हुसैन की याचिका पर जस्टिस अनुरूप सिंघी ने यह फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय में याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट पीयूष शर्मा ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग ने आबिद हुसैन को कदाचरण का दोषी मानते हुए 12 अगस्त 2025 को उन्हें नगर पालिका नैनवा के उपाध्यक्ष पद से निलंबित कर न्यायिक जांच के आदेश दिए थे। डी.एल.बी. के इस आदेश के विरूद्ध राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई, जिसमें अदालत ने डीएलबी के 12 अगस्त के आदेश पर स्थगन आदेश देते हुए डायरेक्टर डीएलबी, आयुक्त एवं शासन सचिव तथा एसडीएम नैनवा को नोटिस जारी करते हुए 4 सप्ताह में जवाब मांगा है।

Formation of the OECD: A Milestone in Global Economic Cooperation

The Convention establishing the Organisation for Economic Co-operation and Development (OECD) was signed on December 14, 1960, by 18 European nations along with the United States and Canada, marking a major step towards fostering international economic collaboration. Created as a platform to promote sustainable growth, financial stability, and global trade, the OECD emerged from post-war efforts to strengthen economic ties and rebuild economies. The organisation brought together countries committed to democratic values and market-based policies, encouraging them to share data, coordinate strategies, and address global challenges collectively. Today, the OECD continues to shape international economic policy through research, analysis, and cooperation.

#MEITEI

Kangleipak to Manipur

King Pamheiba and the Transformation of a Kingdom

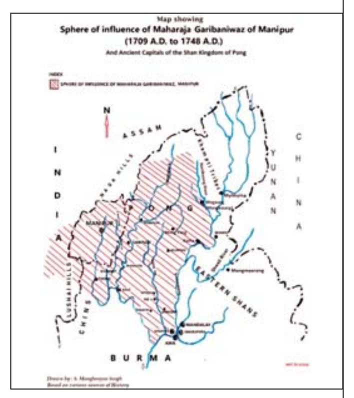

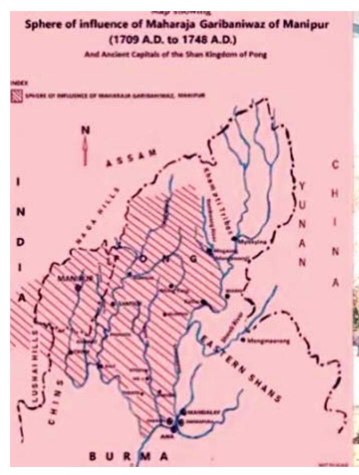

Manipur, a small but culturally rich state in northeast India, holds within its history a powerful story of transformation, of religion, language, and identity. Before it became known as 'Manipur,' the region was called Kangleipak, a name deeply rooted in the indigenous Meetei (or Meitei) civilization. The shift from Kangleipak to Manipur took place during the reign of King Pamheiba (also known as Garib Niwaz) in the 18th century. This article explores how this change happened, what it symbolized, and the lasting legacy it left behind.

Who Was King Pamheiba?

Pamheiba ruled from 1709 to 1748 and is remembered as one of the most influential, and controversial, kings in the region's history. Under his leadership, the Meetei kingdom expanded militarily, grew in administrative sophistication, and underwent major religious and cultural transformation.

Originally, a follower of the indigenous Meetei religion (Sanamahism), Pamheiba converted to Hinduism, specifically Vaishnavism, under the influence of Shantidas Gosai, a Hindu missionary from Bengal. This religious shift laid the foundation for many sweeping changes that would follow.

Religious and Cultural Reforms

Pamheiba's conversion to Hinduism marked a radical break from centuries of Meetei tradition. What followed was a campaign of religious reform and, at times, suppression.

Destruction of Indigenous Idols: Temples and icons of local deities like Sanamahi, Leimarel, and Pakhangba were ordered to be destroyed.

Burning of the Puyas: In what is now known as the Puya Mei Thaba (Burning of the Puyas), sacred Meetei texts were gathered and set on fire under royal command, with the intention of erasing 'heretical' or 'non-Hindu' knowledge.

Enforcement of Hindu Customs: Hindu rituals, caste systems, dress codes, and social norms were introduced and imposed at the royal court and across the kingdom.

These moves were met with both acceptance and resistance. While some segments of the society adapted to the new religious order, others mourned the loss of their ancestral ways.

From Kangleipak to Manipur: A Shift in Name and Identity

Before Pamheiba's reforms, the region was known as Kangleipak, a term derived from 'Kangla,' the traditional capital and sacred seat of Meetei kings, and 'Leipak,' meaning land.

The name Manipur, which Pamheiba adopted, comes from Sanskrit, meaning 'Land of Jewels' (from 'mani' meaning jewel, and 'pur' meaning place or city). The adoption of this name symbolized:

- A formal alignment with Hindu India, particularly its cultural and religious identity.
- A break from indigenous roots and a move towards a pan-Indian image of legitimacy and power.
- A way to elevate the status of the kingdom by using a name with broader Sanskritic recognition.

This renaming marked the beginning of what many scholars describe as the 'Hinduisation' of the Meetei society.

Controversy and Legacy

The changes brought by King Pamheiba were not merely administrative or cosmetic, they touched the core of Meetei spiritual and cultural identity. To this day, his reign is remembered with both reverence and resentment.

Some celebrate him as a unifier and modernizer who connected Manipur with broader Indian civilization.

Others criticize him for erasing traditional knowledge, burning sacred texts, and enforcing religious conversion. The name Kangleipak continues to hold emotional and cultural significance among many Meeteis. It is still used in literature, traditional songs, political discourse, and even by contemporary movements seeking to reclaim indigenous identity.

The Tall And The Short Of It

I quite liked the way Bavuma danced with his wife Phila Lobi at a reception to the ICC Test championship winners in their own country. He danced holding the mace, the trophy made from sterling silver and gold plate with a hardwood base which is given to the Test championship winners. Its design features a handle resembling a cricket stump, wrapped in a silver-gilt laurel band. The top of the mace is a gold plated cricket ball within a global map. It's like a cricketer holding a stump as a souvenir and Bavuma was holding the silver stump trophy which was almost half the size of his height!

#CRICKET

Prakash Bhandari
The writer is a senior journalist

It's truly the 'short' story of the South African skipper Temba Bavuma, who is the skipper of the South African team, and under whose leadership, South Africa won the World Test Trophy in which all the Test playing nations participate. It's an International Cricket Council event and it's a biennial event, under short Bavuma's leadership, the South Africans defeated 'tall' champions 'Australia' to clinch the Test Mace awarded to the winners along with the cash prize.

Under the leadership of the much-reviled Bavuma, South Africa handed India their heaviest defeat by runs to complete a compelling 2-0 series sweep. Bavuma, who was called 'Bauna' (dwarf) by India's speedster Jaspreet Bhamra, won the last Test at Guwahati by 408 runs which was India's heaviest loss in the past 24 years, having lost to the Australians in Nagpur in 2004 by 342 runs. Bavuma stands five feet three inches (160 cms) in his shoes and is shorter than both Sunil Gavaskar and Sachin Tendulkar (both five feet five inches), but Bavuma is often described as the pint-sized bomb after South Africa won the 2025 World Test championship, their first trophy in 27 years.

Bavuma is really short and has other attributes to his credit too, as he is the first black skipper of South Africa and the first black to hit a century for South Africa.

I quite liked the way Bavuma danced with his wife Phila Lobi at a reception to the ICC Test championship winners in their own country. He danced holding the mace, the trophy made from sterling silver and gold plate with a hardwood base, which is given to the Test championship winners. Its design features a handle resembling a cricket stump, wrapped in a silver-gilt laurel band. The top of the mace is a gold plated cricket ball within a global map. It's like a cricketer holding a stump as a souvenir and Bavuma was holding the silver stump trophy which was almost half the size of his height!

I am happy, more and more black cricketers are now finding a place in the national team.

South Africa has racial quota in cricket to ensure representation requiring a minimum six players of colour on the national team with two of them being black Africans. This is an average calculated over the full season, allowing for more flexibility in individual line-ups. These transformation targets were introduced in 2016 as a form of affirmative action to address historical inequalities and promote inclusivity.

Interestingly, left arm orthodox spinner, Keshav Maharaj, who is of Gujarati origin and is currently touring India, is considered 'coloured.'

Talking of the tall and short again, Pakistan's Mohammed Irfan is the tallest international cricketer who stands at 7'11" (216 cms). His shoe size is believed to be Number 17.

Marco Jansen of South Africa is 6' 10" (208 cms) and is currently touring India.

Joel Garner, Boyd Rankin (Ireland), Kyle Jamieson (New Zealand) are all six feet eight inches in height.

Kruger Van Wyk of New Zealand was the shortest cricketer with a height of four feet nine inches, followed by Tich Cornford of England with a height of just five feet. Alvin Kallicharan was just five feet four inches and he looked like a Lilliput against tall players like Viv Richrads, Clive Lloyd, Joel Garner and Colin Croft.

But Gavaskar, Tendulkar and Don Bradman (five feet eight inches) were all short statured with a lower center of gravity that contributed to better balance and agility at the crease. A taller stature might provide a batsman with a longer reach, longer levers for generating bat speed.

Shorter players have disadvantages particularly in playing short, pitched deliveries. Similarly, shorter bowlers may find it difficult to generate bounce and intimidate batsmen, while shorter batters may find it difficult to play high bouncers and will need to get down lower to play Yorkers. However, shorter batters have been found to play shots with more timing and less effort like Gavaskar and Tendulkar.

From the same street in Langa, a township outside Cape Town, where Thami Tsolekile and Malusi Siboto were raised, came Temba Bavuma. Unlike the wicketkeeper-batsman and medium-pacer, Bavuma is a specialist batsman and the first black African batsman picked in South Africa's Test squad.

Without the advantage of height or power, Bavuma's game is built on finesse and patience and has been since he moved up country for secondary school at St. David's Marist College in northern Johannesburg. Bavuma combined playing for his school with a commitment to Soweto Cricket Club, where he was mentored by Geoffrey Toyana from a very young age.

At 18, he made his first-class debut for Gauteng and three seasons later was playing in the franchise team, Lions. His sound technique, particularly off the back foot, helped him average over 45 in his second summer and he also demonstrated a temperament beyond his years. Bavuma established himself as part of the Lions leadership group, and was named their vice-captain in 2013-14.

Bavuma played for South Africa A after finishing as the fifth-highest run-scorer in the 2012-13 season and followed that up by finishing sixth in 2013-14. He was called up to the Test squad to play for the West Indies at the end of 2014.

There is a saying for the successful businessman: the whole world is a marketplace. About short statured Bavuma I would say, he is a symbol of resilience and inspiration in South African cricket.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MERCURY

Mercury Can Eat Up Gold

The Liquid Metal That Devours Gold

In the realm of chemistry, few reactions are as captivating, and as dangerous, as the interaction between mercury and gold. When these two elements meet, they don't merely coexist; mercury dissolves gold, forming a substance known as an amalgam. This process is not just a scientific curiosity but a phenomenon with significant implications for jewelry, mining, and environmental health.

The Alchemy of Amalgamation

The term 'amalgam' refers to a mixture of mercury with another metal. In the case of gold, when mercury comes into contact with it, the mercury doesn't just coat the gold; it dissolves the gold into itself, forming a soft, silvery paste. This isn't a chemical reaction in the traditional sense but a physical process where gold atoms disperse within the liquid mercury. This amalgamation occurs readily at room temperature, making it a convenient method for extracting gold from ores. Artisanal miners often use this technique, mixing mercury with crushed gold ore to form an amalgam, which is then heated to evaporate the mercury, leaving behind pure gold.

The Perils of Mercury

While the amalgamation process is effective, it comes with significant risks. Mercury is a highly toxic substance. Inhalation of mercury vapor, which can occur when heating the amalgam, poses severe health hazards, including neurological damage, kidney failure, and developmental issues in fetuses. The environmental impact is equally concerning; mercury released into the environment can contaminate water bodies, soil, and air, leading to widespread pollution.

Due to these dangers, the use of mercury in gold extraction has been banned or heavily restricted in many countries. International agreements, such as the Minamata Convention, aim to reduce mercury emissions globally by banning mercury ore mining and requiring mercury reduction technology in power plants. Despite these efforts, mercury pollution continues to be a significant issue, particularly in developing nations where artisanal gold mining is prevalent.

Beyond Mining: Historical Uses of Mercury-Gold Amalgam

The use of mercury to gild objects dates back centuries. One notable application was in the creation of ormolu, a decorative technique where a gold-mercury amalgam was applied to bronze objects. The item was then heated, causing the mercury to vaporize and leaving behind a thin layer of gold. This process, known as fire-gilding, produced a brilliant gold finish but was hazardous due to the toxic mercury fumes. By the early 19th century, the dangers of mercury exposure led to the outlawing of this practice in many countries.

The interaction between mercury and gold is a testament to the complexities of chemistry, where a liquid metal can dissolve a solid precious metal, creating both opportunities and hazards. While the process of amalgamation has been invaluable in gold extraction and decorative arts, the associated health and environmental risks cannot be overlooked. As we advance, it's crucial to seek safer alternatives and continue to mitigate the impact of mercury on our health and the planet.

#TABLE MANNERS

Why Was Using a Fork Considered a Sin?

The fork was viewed as an affront to natural order, a symbol of excess, and a sign of vanity and moral corruption

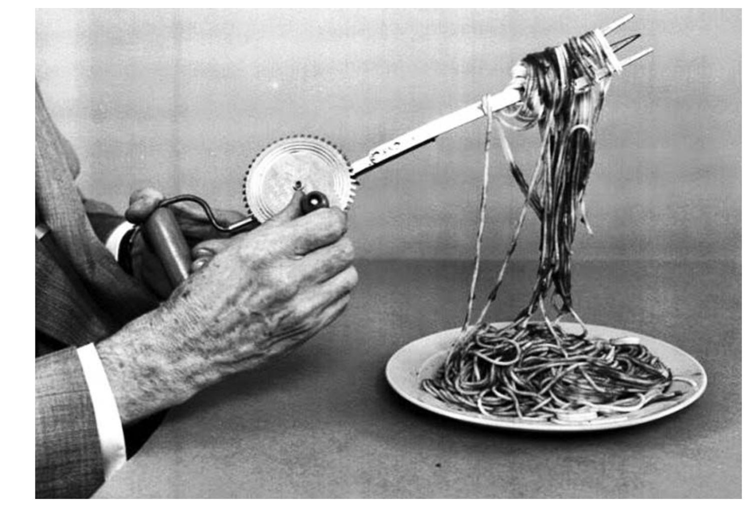

The fork, a ubiquitous utensil in modern dining, once faced strong opposition and even condemnation in some cultures. In medieval and early modern Europe, the use of a fork was not only unusual but was also considered sinful by some religious and cultural groups. It was viewed as an affront to natural order, a symbol of excess, and a sign of vanity and moral corruption. To understand why the fork was once seen as a tool of decadence and sin, we need to explore the cultural, religious, and social context in which this perception arose.

The Early History of the Fork

Although the fork has existed in various forms since ancient times, it wasn't widely used in Europe until the 16th century. Early versions of the fork were used in the Byzantine Empire and later in the Ottoman Empire and Italy, where the aristocracy and nobility adopted it as a utensil for refined dining. However, it took much longer for the fork to become common among the general population, particularly in medieval Europe, where its adoption met with significant resistance.

In the Middle Ages, people typically ate with their hands or used spoons and knives for specific tasks. Forks, with their foreign, delicate appearance, were initially perceived as unnecessary and extravagant. At the time, eating with hands was viewed as both practical and humble, connecting the eater directly to the food and reinforcing the idea of being part of God's creation.

The Fork as a Symbol of Excess and Vanity

Several factors contributed to the view that using a fork was sinful, particularly within Christian communities. One major reason was the perception that it represented excessive luxury and vanity, both of which were regarded as morally corrupting. In the 16th and 17th centuries, Europe's elite began to embrace more elaborate table manners, using forks to eat with more refined, controlled gestures. The fork, a tool associated with the aristocracy, was seen as an extension of their opulent lifestyle. For many religious leaders, the rise of such utensils symbolized an immoral separation from the natural, humble ways of eating that aligned with Christian ideals. This growing disconnect from the natural order was considered sinful, especially in the context of religious teachings that emphasized self-restraint and modesty.

In a time of deep Christian piety, where humility and modesty were held in the highest regard, using a fork was also seen as a rejection of spiritual humility. Many church leaders and theologians taught that excessive refinement in food preparation and consumption was not just impractical but sinful. They encouraged eating with hands to remind oneself of the simplicity and humility that were supposed to be part of a good Christian life.

The Shift in Perception

Despite the early religious and social opposition, the fork gradually gained acceptance, especially among the European elite. By the 18th century, it had become a symbol of civility and refinement. Catherine de Medici, the Italian queen, is often credited with introducing the fork to the French court, and from there, it spread throughout Europe. Over time, the fork's association with luxury shifted towards a perception of it as a sign of cultured behaviour and etiquette. It became an essential part of formal dining.

The fork's transition from sin to sophistication highlights the power of cultural values and religious teachings in shaping everyday practices. Once perceived as a tool of excess and pride, the fork was eventually integrated into mainstream culture and was seen as a necessary utensil for polite dining. As its use became more widespread, the moral objections surrounding it gradually disappeared, and the fork became a fixture of Western dining culture.

Today, the fork is an essential part of most dining experiences and is no longer seen as a symbol of sin or immorality. Its journey from controversial utensil to universal tool serves as a reminder of how cultural values evolve, and how objects we take for granted today were once subject to profound moral and cultural scrutiny.

THE WALL

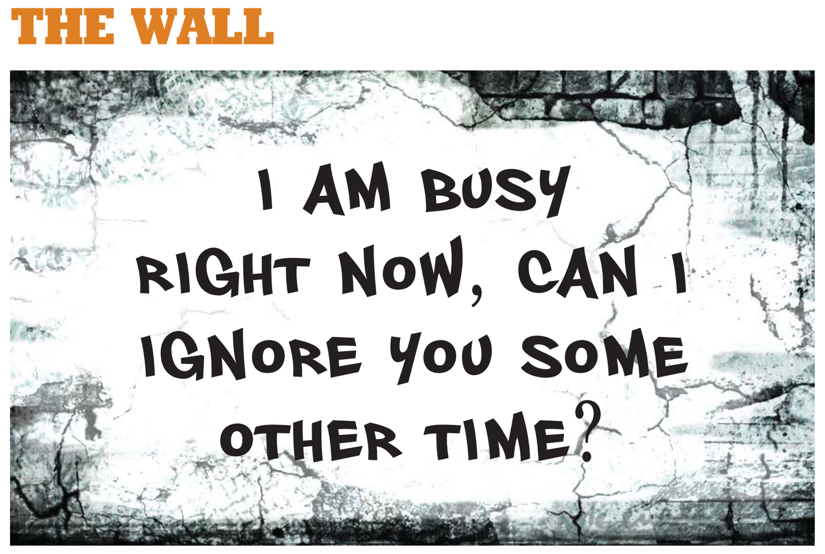

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

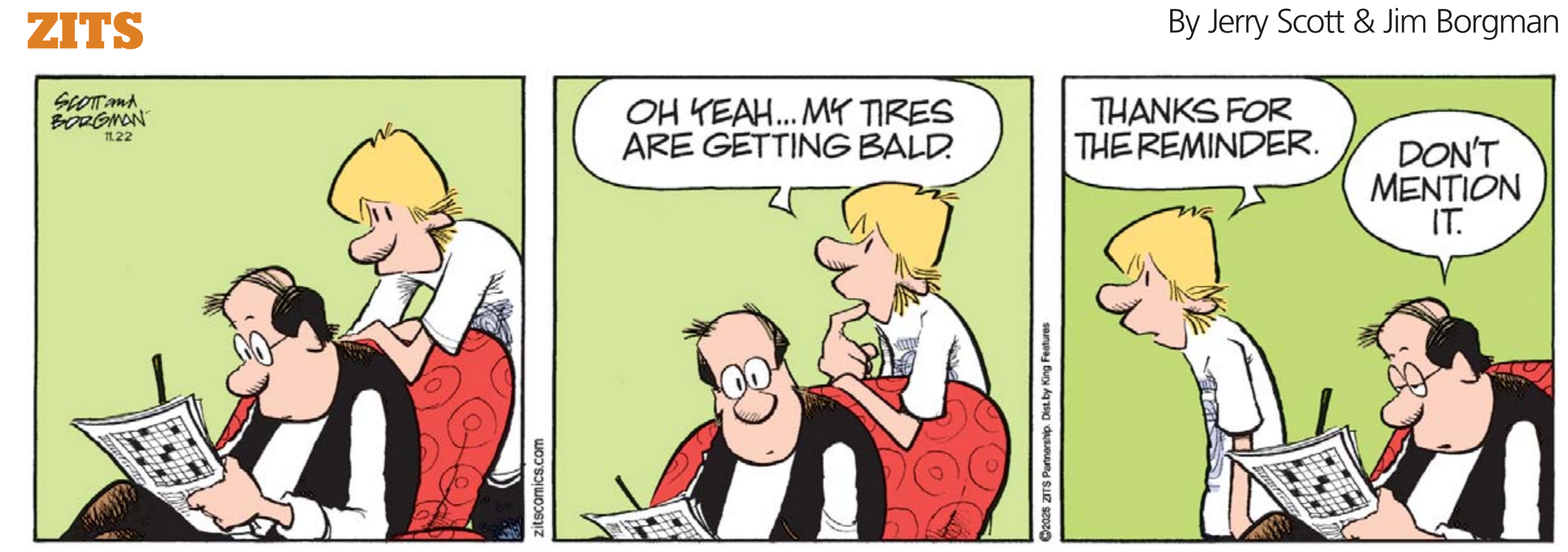

सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सरस डेयरी अध्यक्ष चौधरी दिल्ली रवाना

यह दल रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस रैली में शामिल होगा

अजमेर। अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे व अजमेर सरस डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी की प्रेरणा से कांग्रेस देहात जिला अध्यक्ष गीता चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ता का दल शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ है। यह दल रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में रैली व इसके बाद आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ सभा में यह सभी शिरकत करेंगे। चौधरी ने अजमेर लोकसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को इसमें पहुंचने का आव्हान किया है। चौधरी ने एक बयान जारी करके कहा कि सैकडों महिलाओं के साथ व अजमेर लोकसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ता भी इस सभा में शिरकत करेंगे। विभिन्न चौपहिया वाहनों और बसों के माध्यम से कार्यकर्ताओं का दिल्ली पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। चौधरी के साथ गीता चौधरी कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष, मूली देवी पूर्व पार्षद, सीमा चौधरी वरिष्ठ सदस्य, निर्मला डांगी उपाध्यक्ष, विमलेश चौधरी उपाध्यक्ष, सीमा चोपड़ा उपाध्यक्ष, सीमा व्यास उपाध्यक्ष, अनिता गुप्ता महामंत्री, सुनीता सोनी सचिव, मदीना बानो सचिव, हंजा देवी गुर्जर सचिव, सरोज कंवर ब्लाक अध्यक्ष भिनाय, हंजा देवी

अजमेर कांग्रेस देहात जिला अध्यक्ष गीता चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ता का दल शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ ।

- **अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से 2 बस व 15 छोटी गाड़ियों से कांग्रेसजन दिल्ली रवाना**

नेतड ब्लाक अध्यक्ष अराई, लाजवंती डांगी ब्लॉक अध्यक्ष पीसांगन, मीनाक्षी मीणा ब्लाक अध्यक्ष पुष्कर, धीरज खींची ब्लाक अध्यक्ष सरवाड़, संतोष भीचर ब्लाक अध्यक्ष रूपनगढ, रिया सिंह चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष केकडी, चान्दाबाई माली सदस्य, कंचन देवी सदस्य, सायनी बाई सदस्य, रमती बाई सदस्य आदि मौजूद हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की और से 14 दिसम्बर रविवार को रामलीला मैदान दिल्ली में आयोजित वोट चोर – गद्दी छोड़ रैली में अजमेर उत्तर के कांठोसजन 2 बस व 15 छोटी गाडिय़ों से अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल व आर टी डी सी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के नैतृत्व में शामिल होने के लिए सभी कांग्रेसजन 13 दिसम्बर शनिवार को रात्रि में 9 बजे अजमेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल के निवास स्थान से रवाना हुए है। धर्मेंद्र राठौड के साथ रैली के संबंध में चर्चा करने वाले कांग्रेसजनों में अजमेर उत्तर के ब्लॉक कांठोस पूर्व पार्षद अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल व वाहिद मोहम्मद, पार्षद नौरत गुजर, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक व हेमंत जोधा, ब्लॉक संगठन महासचिव आरिफ खान व विकास चौहान, युनुस शेख, राजेश गोडीवाल, शहनाज आलम, सुवालाल बैरवा, विश्वेश पारीक, निर्मल पारीक व तनवीर गुर्जर आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थे।

अवैध गैस रिफिलिंग नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अजमेर। जिले में अवैध गैस रिफिलिंग और भंडारण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मांगलियावास थाना क्षेत्र में एनएच-48 स्थित एक होटल पर छापेमारी कर अवैध गैस रिफिलिंग के नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 115 कमर्शियल गैस सिलेंडर, एक घरेलू सिलेंडर, एक गैस टैंकर तथा चार वाहन जब्त किए हैं। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियानों के तहत यह कार्रवाई शुक्रवार देर रात की गई। सहायक पुलिस अधीक्षक किशनगढ़ शहर अजय सिंह राठौड़ के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम प्रभारी सत्यवान मीणा और उनकी टीम ने केसरपुरा क्षेत्र में स्थित एक पर संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर दबिश दी । तलाशी के दौरान होटल परिसर में गैस रिफिलिंग में प्रयुक्त उपकरण मिले, जिससे अवैध रूप से गैस भरने और भंडारण की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके से दो पिकअप वाहन, एक गैस टैंकर और एक लोडिंग टेंपो जब्त किया।

इसके साथ ही 115 कमर्शियल सिलेंडर और एक घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए। एक पिकअप वाहन में डीजल भी पाया गया, जिसे जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने केसरपुरा निवासी जितेंद्र कुमार और ठाम मकरेड़ा निवासी बहादुर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की सूचना रसद विभाग को भी दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान बड़े गैस रिफिलिंग नेटवर्क, सप्लाई चेन और गैस की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़े अहम खुलासे होने की संभावना है। जांच गहनता से जारी है।

विजय नगर में अवैध खनिज परिवहन करते 4 डंपर जब्त

माइंस विभाग की अजमेर वृत की टीम ने विजय नगर-नसीराबाद क्षेत्र में देर रात व प्रातः अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ औचक कार्रवाई करते हुए चार डंपर जब्त किये ।

अजमेर/जयपुर । माइंस विभाग की अजमेर वृत की टीम ने विजय नगर-नसीराबाद क्षेत्र में देर रात व प्रातः अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ औचक कार्रवाई करते हुए चार डंपर जब्त किये हैं वहीं अवैध परिवहन करते हुए रेत के डंपर का खान विभाग की टीम द्वारा पीछा करने के बावजूद एक स्कार्पियों कार की मदद से भगा ले जाने में सफल हो गए।

अजमेर वृत के अधीक्षण खनि अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए देर रात विजय नगर और नसीराबाद क्षेत्र में औचक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान विजय नगर क्षेत्र में बजरी का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर जब्त किये गये। इसके साथ ही विजयनगर नसीराबाद क्षेत्र में दो डंपर ग्रेनाइट का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किये गये हैं।

- **एस्कॉर्ट करती स्कॉर्पियो व संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज**
- **खान विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते एक डंपर का पीछा करने पर डंपर चालक ने रेत का बीच रोड ही फैलाते हुए फरार हो गया।**

खान विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते एक डंपर का पीछा करने पर डंपर चालक ने रेत का बीच रोड ही फैलाते हुए फरार हो गया। रेत डंपर का पीछा करती विभागीय टीम के कार्य में एक स्कॉर्पियो से रास्ता रोकने और रेत के डंपर को भगाने में सहयोग किया।

अधीक्षण खनिज अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि विभागीय टीम के साथ ही खनिज अभियंता विजिलेंस अजमेर, सहायक खनिज अभियंता सावर शामिल रहे। उन्होंने बताया कि रेत का अवैध परिवहन कर भागने में सफल डंपर चालक, मालिकों और एस्कॉर्ट करती स्कॉर्पियो सवारों के खिलाफ पुलिस में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

विकसित राजस्थान रथ यात्रा महूकला से रवाना

- **प्रदेश सरकार की योजनाओं का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएंगे**

गंगापुर सिटी । प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सुशासन की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित राजस्थान रथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। यह यात्रा महूकला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल परिसर से शुरू हुई। रथ को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी संजय नरूका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पिछले दो वर्षों में गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया कि शविकसित राजस्थान रथ यात्राश सरकार की विकासपरक नीतियों और पारदर्शी प्रशासन को जनता तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बनेगी। विकास अधिकारी जगदीश गुर्जर ने पारदर्शी शासन और योजनाओं की जन-ऑडिट की सराहना की। जिला प्रभारी संजय नरूका ने सरकार द्वारा घोषणापत्र की अधिकांश उपलब्धियां हासिल करने का उल्लेख किया, जबकि विधानसभा प्रभारी हेमेन्द्र वशिष्ठ ने मुख्यमंत्री की कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। पंचायत समिति प्रधान मंजू गुर्जर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत महूकला के सरपंच लखन सैनी ने अतिथियों का माला और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में अभियान के विधानसभा प्रभारी हेमेन्द्र वशिष्ठ, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, पंचायत समिति प्रधान मंजू गुर्जर, जिला महामंत्री विनोद अटल, जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंघल, उदय सिंह गुर्जर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनीता वैष्णव, मोर्चा संयोजक जमनालाल वैष्णव, शहर मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नागेश लोदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसी क्रम में नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान थीम पर एक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताएं हुईं। विद्यार्थियों को गीला व सूखा कचरा अलग-अलग रखने की जानकारी दी गई और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

फायरिंग का आरोपी पकड़ा

गंगापुर सिटी । मालगोदाम रोड स्थित पुरानी थोक सब्जी मंडी में 2 दिसंबर को दिनदहाड़े हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएसटी गंगापुर सिटी टीम के सहयोग से 5000 रुपए के इनामी बदमाश पृथ्वीराज उर्फ प्रिंस उर्फ नंदू गुर्जर (24) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को जयपुर के शिवदासपुरा से दबोचा गया है। पुलिस के अनुसार यह घटना 2 दिसंबर की दोपहर करीब 2 बजे हुई थी। तीन युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर सब्जी मंडी पहुंचे और काडू पहलवान उर्फ महेंद्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

इस हमले में कालू पहलवान को तीन गोलियां लगीं, जबकि एक अन्य दुकानदार भी घायल हो गया। घायल दोनों व्यक्तियों को तुरंत गंगापुर सिटी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फायरिंग की वजह कृष्णा गुर्जर गैंग और पृथ्वीराज उर्फ प्रिंस उर्फ नंदू गुर्जर गैंग के बीच चल रही पुरानी रंजिश थी।

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान ही सुशासन का ध्येय : बेढ़म

- **सेऊ-सुहेरा, धमारी और नाहरा चौथ सहित आधा दर्जन ग्राम पंचायतों में जनसभाओं को संबोधित किया**
- **जनसुनवाई कर मौके पर ही समस्याओं को निस्तारण**

डीग भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, शनिवार को गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने डीग जिले के विभिन्न ठाामीण अंचलों का सघन दौरा कर आमजन को सरकार द्वारा 2 वर्ष में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार शसबका साथ-सबका विकासश् की मूल भावना के साथ कार्य कर रही है । गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम का काफिला जैसे ही गाँवों में पहुँचा, माहौल उत्सवी हो गया। डीग जिले के गांव सेऊ-सुहेरा, धमारी, नाहरा चौथ, परमदरा और गुहाना में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए भव्य श्कलश यात्राश् निकालकर उनका आत्मीय स्वागत किया। पारंपरिक साफे पहना कर और पुष्प वर्षा के साथ ठाामीणों ने अपने लाडले मंत्री का अभिनंदन किया। जनसभाओं को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान ने विकास की नई इबारत लिखी है। उन्होंने कहा हमारी सरकार तुष्टिकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण के मंत्र पर काम करती है। आज शविकास रथश् के माध्यम से जो फिल्म दिखाई जा रही है, वह महज प्रचार नहीं, बल्कि उन लाखों लाभार्थियों की हकीकत है जिनके जीवन में उजाला आया है। उन्होंने विशेष रूप से ईआरसीपी (राम जल सेतु), कानून व्यवस्था में सुधार और गोपालन विभाग द्वारा उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का जिक्र किया। मंत्री बेढम ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। अपने दौरे के दौरान मंत्री बेढम ने विकास रथ का अवलोकन किया। रथ की बड़ी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेशों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की लघु फिल्मों का प्रसारण देख ठाामीण मंत्रमुग्ध हो गए । अपने दौरे के दौरान मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने न केवल सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश किया, बल्कि आमजन की समस्याएं भी सुनीं। बिजली, पानी और सड़कों से जुड़ी परिवेदनाओं पर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश दिए।

इस जनसंपर्क अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

थाना अधिकारी को ज्ञापन

बिसाऊ । कस्बे में पिछले दिनों हुए दुष्कर्म के अपराधियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन कस्बे के लोगों का कहना है कि अपराधियों का सर मुंडन करवा कर के नगर में जुलूस निकाला जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा ना हो अत: थाना अधिकारी को कस्बे के लोगों ने ज्ञापन दिया जिसमें लिखा गया है कि ऐसे घिनोना कृत्य कार्य को करने वाले अपराधियों में भय होगा एवं ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोका जा सके।

बडौदा गांव में लगाया जागरूकता शिविर

गंगापुर सिटी । दलित अधिकार केंद्र ने गंगापुर सिटी ब्लॉक के गांव खानपुर बड़ोदा में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में सामाजिक एवं आर्थिक विकास से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिसमें 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य दलित और वंचित वर्ग के लोगों को इन योजनाओं का फायदा उठाने के लिए प्रेरित करना था। केंद्र के जिला सह-समन्वयक मनोज कुमार ने दलित अधिकार केंद्र की गतिविधियों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 22 वर्षों से मानव अधिकारों और दलितों के हितों के लिए कार्य कर रही है। मनोज कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि जानकारी के अभाव में दलित और गरीब वर्ग के लोग अक्सर सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का फायदा नहीं ले पाते, जिससे उनका सामाजिक और आर्थिक विकास बाधित होता है। जागरूकता शिविर में कई महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इनमें मनरेगा योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सिलिकोसिस पीडित सहायता योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना, अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना और कन्यादान योजना शामिल थीं। उपस्थित प्रतिभागियों को इन योजनाओं का फायदा लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया गया। शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता मिट्ठू जाटव, ध्रुव जाटव, महिला कार्यकर्ता सोनम जाटव और सुनीता जाटव सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

बदनोर के तीन गांवों से डीपी चोरी

भीलवाड़ा। बदनोर पुलिस थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने क्षेत्र के तीन गांवों को निशाना बनाते हुए बिजली के ट्रांसफॉर्मर (डीपी) चोरी कर लिए। डीपी चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है, जिसका फुटेज सामने आया है।

डीपी चोरी होने से संबंधित गांवों में पूरी रात अंधेरा छाया रहा, जिससे ठाामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार जुलाई से दिसंबर के साढ़े पांच माह के अंतराल में बदनोर क्षेत्र की 10 पंचायतों में कुल 26 ट्रांसफॉर्मरों से कॉयल व ऑयल चोरी हो चुका है। वहीं पिछले करीब ढाई वर्षों में चोर सरकारी विद्यालयों, अस्पतालों और ठाामीणों के घरों को भी निशाना बना चुके हैं। विद्युत निगम की ओर से इस संबंध में बदनोर थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मोगर पंचायत के बिच्छुदंडा निवासी गोपी सिंह, आशु सिंह, मोगर गांव की नंदू कंवर, हर्निया मंगरी निवासी प्रताप सिंह सहित अन्य ठाामीणों ने बताया कि आए दिन गांवों में बिजली पोल से डीपी चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इससे ठाामीणों में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ठाामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पूर्व में हुई कई चोरियों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है, जिससे चोरों के हौसले और बढ़ते जा रहे हैं।

ट्रक बाइक भिड़ंत में युवक की मौत

गंगापुर सिटी । सवाईमाधोपुर गंगापुर मेगा हाइवे के मीनापाडा गावं के पास एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। युवक की शिनाख्त करौली के सैमरदा गांव निवासी युवक गौरव मीणा (22) के रूप में हुई है। यह घटना शुक्रवार शाम करीब 4.30 से 5 बजे के बीच मीनापाड़ा और जीवद नदी के बीच हुई। जानकारी के अनुसार मृतक गौरव मीणा पुत्र विनोद मीणा बाटोदा से अपनी मौसी के गांव कडी झोपड़ी जा रहा था। इसी दौरान सवाई माधोपुर रोड पर एक ट्रक और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार गौरव मीणा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को तत्काल गंगापुर सिटी के सरकारी जिला अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने गौरव मीणा को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। शनिवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

धूल-धुआं प्रदूषण से हर घर में बीमारियां

पाटन । निकटवर्ती ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में अवैध रूप से संचालित हो रहे क्रेशर प्लांटों से निकलने वाली जहरीली धूल और धुएँ ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इलाके में फैले प्रदूषण के कारण सैकड़ों लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में हैं, जबकि कई लोगों की मौत भी हो चुकी है।ग्रामीणों का कहना है कि क्रेशर संचालकों ने नियमों को पूरी तरह दरकिनार कर लगभग 9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में धूल का गुबार फैला दिया है जिस कारण क्षेत्र का प्रदूषण स्तर 300से 400 रहता है, जो स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालता है। स्थिति यह है कि अधिकांश घरों में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएँ साँस, त्वचा और आँखों से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रदूषण इतना अधिक है कि दिन में भी कई बार दृश्यता कम हो जाती है और हवा में बारीक धूल कण लगातार तैरते रहते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की माँग की है, ताकि अवैध क्रेशर प्लांटों को बंद कर क्षेत्र में फैल रही गंभीर बीमारी की रोकथाम की जा सके।इस बारे में ग्राम पंचायत द्वारा भी प्रस्ताव बनाकर पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को प्रस्ताव की कोपी भिजवा कर कार्यवाही की मांग कर चुके हैं। वही ग्रामीणों ने बताया है कि इलाके में स्थित चिड़ीमार पहाड़ पर खनन माफिया इतना दुस्साहस कर रहे हैं। की वह वन विभाग की पहाड़ियों में से दिन रात धड़ल्ले से अवैध खनन करके पत्थर चोरी कर ट्रैक्टर ट्रॉलियों के माध्यम से क्रेशरों पर डाल रहे हैं। जबकि इलाके में पहले भी ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग के द्वारा कई बार कार्यवाही की जा चुकी है लेकिन खनन माफिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं तथा चिड़ीमार पहाड़ में जो कि कवार्टजाइट पत्थर का पहाड़ है उसमें अवैध खनन कर अपने क्रेशर प्लांट को चला रहे हैं जो ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा खनन करके क्रेशर प्लांटों पर पत्थर डाला जा रहा हैं। जानकारी के मुताबिक स्यालोदड़ा में वन विभाग की 205 हेक्टेयर जमीन है जिसमें पहाड़ का एक हिस्सा राजस्थान में तो दूसरा हिस्सा हरियाणा में पड़ता है।

युवा महोत्सव 15 को

झुंझुनूं, । मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार की बजट घोषणा सत्र 2025- 26 राजस्थान युवा बोर्ड युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान सरकार द्वारा राज्य की लुप्त एवं दुर्लभ लोक कला एवं संस्कृति को संरक्षण संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए राजस्थान युवा महोत्सव 2025 का आयोजन प्रत्येक जिले में किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के माध्यम से राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं खेल मैदान में 15 दिसंबर को सुबह नौ बजे से जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक राजेश मील ने बताया कि इस युवा महोत्सव में राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइट पर पंजीकृत 15 से 29 आयु वर्ग के युवा भाग लेंगे। युवाओं के लिए लोक नृत्य सामूहिक, लोक गायन सामूहिक, एकल नृत्य राजस्थानी, एकल गायन राजस्थानी, भाषण, कविता लेखन, चित्रकला, कहानी लेखन, प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

हादसे में युवक की मौत, सड़क पर शव रख प्रदर्शन

भीलवाड़ा। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे-48 पर रुपाहेली भट्टा के पास शनिवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक पति की ट्रक के पिछले टायर के नीचे कुचलकर मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा रोड रिपेयरिंग के दौरान सड़क पर बने गड्ढों के कारण हुआ।मृतक अभिषेक पुत्र रामस्वरूप गुलाबपुरा के निवासी थे। दोनों पति-पत्नी सरेरी में आयोजित एक शादी समारोह में जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, नेशनल हाईवे पर मरम्मत कार्य चल रहा था, जिससे सड़क पर कई गड्ढे हो गए थे। अभिषेक बाइक चला रहे थे कि अचानक एक गड्ढे में बाइक का संतुलन बिगड गया। इससे बाइक सड़क पर लुढ़क गई और पीछे से तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई। ट्रक ने पहले बाइक को रौंदा, फिर अभिषेक को उसके पिछले टायर के नीचे कुचल दिया। पत्नी भी चपेट में आ गई, जिन्हें गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही ब्राह्मण समाज के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे। नाराज लोगों ने नेशनल हाईवे पर ही मृतक अभिषेक का शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। वे मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, घायल पत्नी का इलाज और सड़क मरम्मत में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।गुलाबपुरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल पत्नी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे-48 पर रुपाहेली भट्टा के पास सड़क हादसे में एक जने की मौत हो गई।

- **मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, घायल पत्नी का इलाज और सड़क मरम्मत में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की**

एसपी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सड़क सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

"पेपर लीक में कांग्रेस सरकार नंबर वन थी, हमने सत्ता में आते ही कड़ी रोक लगाई : दिया कुमारी

दिया कुमारी ने पेश किया सरकार का 2 साल का रिपोर्ट कार्ड

अजमेर। राजस्थान सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर दौरे पर रहीं। यहाँ जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा। इस दौरान उन्होंने

■ **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न जगहों के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।**

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और कार्यों के प्रचार-प्रसार के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार हर साल अपना रिपोर्ट कार्ड पेश कर रही है, जो पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने रोजगार के आंकडे गिनाते हुए बताया कि पिछले दो सालों

राजस्थान सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर दौरे पर रहीं।

में प्रदेश में 90 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि डेढ लाख भर्तियां अभी प्रक्रियाधीन हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा।

कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में क्राइम रेट में 19 फीसदी तक की गिरावट आई है, जिससे प्रदेश सुरक्षित हुआ है। वहीं, पर्यटन क्षेत्र को बढावा मिलने से अब पर्यटकों की आवक बढ़ी है और प्रदेश में फ़िल्मों की शूटिंग का सिलसिला भी तेज हुआ है।

दिया कुमारी ने पेपर लीक मामले पर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "पेपर लीक में कांग्रेस सरकार नंबर वन थी, लेकिन हमने सत्ता में आते ही इस पर कड़ी रोक लगाई है। हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।" उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांठोस केवल वादे करती थी, जबकि हम काम करके दिखाते हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी विधायक अनिता भदेल ने भी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मंच पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए सुसज्जित विकास रथों को रवाना किया गया, जो गांव-गांव जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे।

'तेस्सितोरी ने राजस्थानी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई'

जोधपुर। आजादी से पूर्व राजपूताना में प्राचीन डिंगल-पिंगल, चारण-चारणेत्तर, जैन-जैनेत्तर, लोक-संत साहित्य एवं ऐतिहासिक-पुरातात्विक स्रोत की खोज कर डॉ.तेस्सीतोरी ने राजस्थानी भाषा साहित्य को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। यह विचार प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने जेएनवीयू के राजस्थानी शोध परिषद एवं राजस्थानी विभाग द्वारा नया परिसर स्थित राजस्थानी सभागार में आयोजित डॉ. एल पी. तेस्सितोरी के 138 वें जन्म जयंती समारोह पर आयोजित राजस्थानी व्याख्यान में व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने तेस्सितोरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को विस्तार से उजागर करते हुए कहा कि उनकी आलोचनात्मक दीठ अद्भुत थी। राजस्थानी शोध परिषद के सचिव विष्णुशंकर ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कला शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर (डॉ) औतारलाल मीणा थे। उन्होंने कहा कि मातृभाषा हमारी पहचान है इसलिए अपने दैनिक जीवन में इसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए। राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने डॉ. एल.पी.तेस्सितोरी को धुन का धनी बताते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थानी भाषा-साहित्य के की खोज कर जो कीर्तिमान स्थापित किया है वो वाकई में उल्लेखनीय है।

गंगनहर में खखां हेड पर पानी की आवक घटकर हुई 1718 क्यूसेक

■ **पीएस नेतेवाला और हिरणावाली वितरिकाओं में शुरू नहीं हो पाई पानी की आपूर्ति**

श्रीगंगानगर। पंजाब से बीकानेर कैनाल में पानी के उतार-चढ़ाव का क्रम जारी है। राजस्थान बॉर्डर के खखां हेड पर गंगनहर में पानी की आवक घटकर 1718 क्यूसेक रह गई।

इस माह बीकानेर कैनाल में प्रदेश के पानी का हिस्सा 1800 क्यूसेक है तथा तय हिस्से का पानी नहीं मिलने के कारण किसानों में आक्रोश है। पंजाब में बीकानेर कैनाल में आरडी 45 से शुक्रवार शाम को 2040 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा था तथा राजस्थान बॉर्डर के खखां हेड पर सिर्फ 1718 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी।

पानी की आवक कम होने के कारण वरीयताक्रम के अनुसार गंगनहर से जुड़ी पीएस नेतेवाला व हिरणावाली वितरिकाओं में पानी का प्रवाह शुरू नहीं हो पाया। पीएस वितरिका क्षेत्र के किसानों को पिछली बार भी रेगुलेशन के अनुसार तय समय पर पानी नहीं मिलने के कारण किसानों की सिंचाई बारियां पिटी थी।

इस बार पीएस वितरिका सुबह 6 बजे खुलनी थी लेकिन नहीं खुली, इस कारण इस वितरिका क्षेत्र के किसानों की सिंचाई बारियां पिट गईं। नेतेवाला व हिरणावाली वितरिकाओं में पानी का प्रवाह शुरू होना था, लेकिन गंगनहर में पंजाब से पानी की आवक कम होने के कारण शुरू नहीं हो पाया। इस कारण इन वितरिका क्षेत्र के किसानों को भी सिंचाई सुविधा नहीं मिल पाई। हरविंद्र सिंह गिल, प्रोजेक्ट चेयरमैन गंगनहर पंजाब के अधिकारी ने बताया कि पर्याप्त पानी होने के बावजूद बीकानेर कैनाल को तय हिस्से का भी पानी नहीं दे रहे हैं। इस दिनों हमारे यहां सरसों, जौ, चना व गेहूं की फसलों में सिंचाई पानी की मांग बनी हुई है। लेकिन पंजाब सिंचाई विभाग के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं तथा बीकानेर कैनाल में प्रदेश के तय हिस्से का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में प्रशासनिक व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया है तथा समस्या के समाधान करने की मांग की है। श्रीगंगानगर करणीजी, एमएल, एमएलए व रिड़मलसर वितरिकाओं का सिस्टम बिगड़ाः वरीयताक्रम के अनुसार करणीजी, एमएल, एमएलए व रिड़मलसर आदि वितरिकाओं में शुक्रवार को पानी का प्रवाह शुरू होना है, लेकिन पंजाब से बीकानेर कैनाल में पानी की आवक कम होने के कारण गंगनहर का रेगुलेशन सिस्टम बिगड़ा हुआ है।

अजमेर में प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे हुई बड़ी लूट का खुलासा

■ **अंतरराज्यीय गैंग का सरगना गुजरात से दबोचा गया, नशे और ऐश के लिए रची थी साजिश**

अजमेर, 13 दिसंबर। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे हुई 23 लाख 39 हजार रुपये की लूट की सनसनीखेज वारदात का अजमेर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में अंतर्राज्यीय लूट गिरोह के सरगना सहित कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी को गुजरात के मोरबी औद्योगिक क्षेत्र से दबोचा गया, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अजमेर जिले के विभिन्न इलाकों से की गई है।

थानाधिकारी अरविंद चारण ने बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की गई।

फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके फरारी मार्ग का विश्लेषण किया गया। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से पता चला कि गैंग का सरगना तिहारी निवासी सुरेंद्र चौधरी अपने साथियों के साथ गुजरात के मोरबी सिटी के इंडस्ट्रियल एरिया में छिपा हुआ है।

पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर गुजरात रवाना किया, जिसने लगातार निगरानी और सघन तलाश के बाद सरगना सहित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अन्य आरोपियों को गांव तिहारी, थाना श्रीनगर तथा अजमेर शहर से दबोचा गया। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि महंगे शौक और नशे की लत पूरी करने के लिए उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से इस लूट को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी कमल पुत्र तीर्थदास, निवासी कुट्टी की टाल के पीछे, चौरसियावास रोड अजमेर, स्कूटी से प्रेम प्रकाश आश्रम के पीछे वाले गेट के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मारकर नकदी से भरी थैली छीन ली और दो वाहनों में सवार होकर फरार हो गए थे।

इस संबंध में पुलिस थाना क्रिश्चियनगंज में प्रकरण संख्या 357/2025 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है तथा लूटी गई राशि की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

थली गांव में बदमाशों ने की फायरिंग

गंगापुर सिटी। गंगापुर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में तीन थानों एवं आधा दर्जन से ज्यादा पुलिस चौकियां होने के बाद भी दहशतगर्दो में पुलिस का भय नहीं है जिससे आमजन को डर के साय में जीना पड रहा है।

शनिवार को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच गंगापुर सिटी से एक बार फिर बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थली गांव में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक युवक को गोली मार दी गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार थली गांव निवासी कमलेश गुर्जर को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। गोली युवक के सीने में लगकर आर-पार हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को गंगापुर सिटी के राजकीय जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रैफर कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी और जांच तेज कर दी गई है। इस मामले में सदर थाना गंगापुर सिटी के एएसआई बच्चू सिंह ने बताया कि थली गांव में गोली चलने की सूचना मिली थी। घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस गोली कांड के कारणों, आपसी रंजिश अथवा अन्य एंगल से जांच कर रही है। घटना के बाद थली गांव सहित आसपास के इलाकों में भय का माहौल बना हुआ है। दिन दहाडे हुई फायरिंग से ग्रामीणो में पुलिस के प्रति आक्रोश चल रहा है।

'कुछ लोगों ने राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता दी'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी मानसिकता हमेशा राष्ट्रीय हितों से ऊपर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता देती रही है।

शनिवार को जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने बिना नाम लिए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि ऐसे लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए वंदे मातरम् जैसे पवित्र गीत के भी टुकड़े किए और आज भी वही मानसिकता बनी हुई है। शेखावत ने कहा कि आज भी कुछ लोग राष्ट्र की एकता और स्वतंत्रता के मंत्र को अपने राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में नया गवर्नेंस ऑर्डर लागू हुआ, जिसके चलते देश के गरीबों के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया और लगभग 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। लोगों इससे काफी राहत मिली। कई लोगों ने इसकी प्रशंसा भी की।

शेखावत ने कहा कि देश में सद्भावनाओं का नया युग शुरू हुआ है। सरकार द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप सडक़, हाईवे, एविएशन और वॉटरवे जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ। इससे देश में यात्रा की स्वतंत्रता और सुविधाओं को नई ऊंचाइयां मिलीं।

सतीश पूनियां के स्वागत में सुबह से किसानों और कार्यकर्ताओं का सैलाब उमड़ा

श्रीगंगानगर/ जयपुर,। राजस्थान और हरियाणा के निरंतर प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा

■ **सौभाग्यशाली हूं कि मुझे राजस्थान के कार्यकर्ताओं का अपार प्यार और आशीर्वाद 40 वर्षों से मिलता है : डॉ. सतीश पूनियां**

राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां आज श्रीगंगानगर जिले के प्रवास पर रहे, जहां वह जयपुर से ट्रेन द्वारा 10 घन्टे का सफर कर सुबह 4 बजे श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां कड़ाके की ठंड में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पिछले 40 वर्षों से पूरे राजस्थान में सतीश पूनियां और पार्टी कार्यकर्ताओं का

राजस्थान और हरियाणा के निरंतर प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां श्रीगंगानगर जिले के प्रवास पर रहे।

एक दूसरे के प्रति लगाव और समर्पण है कि हर समय, हर क्षण उनका और कार्यकर्ताओं का अपनत्व रहता है और इसी अपनापन, सरलता, सहजता एवं सौम्यता के कारण पूरे राजस्थान में कार्यकर्ता सतीश पूनियां को भाईसाहब बोलते हैं और सतीश पूनिया भी कार्यकर्ताओं के साथ इतने घुले-मिले हैं कि पूरे राजस्थान में और सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को उनके नाम से पहचानते हैं।

सतीश पूनियां ने सुबह श्रीगंगानगर सर्किट हाउस में जिलेभर के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की और वहां की स्थानीय समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को उचित समाधान के लिए दिशा निर्देश दिये। इसके अलावा सतीश पूनिया ने पदमपुर, अमरपुरा जाटान, सूरतगढ़, रघुनाथपुरा, जैतसर में भी किसानों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

सतीश पूनिया ने रायसिंहनगर नगरपालिका और श्रीविजयनगर नगर पालिका में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया और रघुनाथपुरा में भी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। वहीं श्रीविजयनगर में घोडी पर बिठाकर सतीश पूनिया का हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने स्वागत- अभिनंदन किया। श्रीगंगानगर के पूर्व जिला प्रमुख एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सीताराम मौर्य की धर्मपत्नी प्यारी देवी के निधन पर उनके निवास पर पहुंचकर सतीश पूनियां ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सतीश पूनियां ने रायसिंहनगर में बाबा दीपसिंह जी गुरुद्वारा में मत्था टेककर देशवासियों की खुशहाली की कामना की। श्रीगंगानगर जिले में कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत होकर सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सोच रहा था कि राजनीति में क्या मिले और क्या नहीं मिला, जन्म तो ईश्वर की कृपा से मिलता है।

चालक की मौत

उदयपुर। सलूम्बर जिले के परसाद थाना क्षेत्र हाइवे पर दो ट्रकों की आमने सामने भिडंत हो गई। हादसे में एक चालक की मौत हो गई तथा एक चालक सहित तीन जने घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार परसाद थाना क्षेत्र में पाराई पुलिया के समीप शुक्रवार सांय दो ट्रकों की आमने सामने भिडंत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर परसाद थाना पुलिस के जाप्ते ने मौके पर पहुंच कर दोनों वाहनों के चालकों चन्दवाजी जयपुर निवासी रामस्वरूप तथा मुकेश तथा साथी मुकेश तथा मुकेश एवं संजय को बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया।

गड़बड़ी मिली तो हट सकती है एथेनॉल फैक्ट्री

■ **किसानों की मांगों को लेकर होगा रिव्यू**

■ **किसान आंदोलन में बनी सहमति**

हनुमानगढ। टिब्बी (राठ्ठीखेड़ा) में आंदोलन बीती रात स्थगित हो गया। प्रशासन और किसान प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी। फैक्ट्री में गड़बड़ी मिलने पर हटाने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही किसानों की मांगों को लेकर रिव्यू होगा। इससे पहले ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री का विरोध दोपहर तक जारी था। उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके थे।

गौरतलब है कि 10 दिसंबर (बुधवार) को किसानों ने जिले के राठ्ठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री की दीवार तोड़ दी थी। अंदर घुसे प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस में भी आग लगा दी थी। इस बीच पुलिस-किसानों में जमकर पत्थरबाजी हुई। बवाल में कांग्रेस विधायक सहित 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कुछ घायल टिब्बी के गुरुद्वारे में ही रुके हैं। फैक्ट्री के आसपास रहने वाले करीब 30 परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं।

फैक्ट्री की दीवार तोड़ने से पहले किसानों ने महापंचायत भी की थी। नेताओं का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें लिखित में फैक्ट्री का काम रोकने का आश्वासन नहीं दिया था। चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी राठ्ठीखेड़ा में 40 मेगावाट का अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट लगा रही है। कंपनी का दावा है प्लांट केंद्र के एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम को सपोर्ट करेगा। सितंबर 2024 से जून 2025 तक लगभग 10 माह शांतिपूर्ण विरोध चला। जुलाई 2025 में विरोध तेज हुआ। कंपनी ने चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण शुरू किया, जिससे किसानों का गुस्सा भड़का।

फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू होने से नाराजगीः 19 नवंबर 2025 पुलिस सुरक्षा में फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू हुआ। किसान नेता महंगा सिंह समेत 12 से अधिक किसान नेता गिरफ्तार। 20-21 नवंबर 67 लोगों ने गिरफ्तारी दी। 10 दिसंबर की दोपहर किसानों ने टिब्बी एसडीएम ऑफिस के सामने बड़ी सभा की। शाम करीब 4 बजे सैकड़ों किसान ट्रैक्टर लेकर राठ्ठीखेड़ा गांव स्थित फैक्ट्री साइट पर पहुंच गए। दीवार तोड़ दी गई और पुलिस से झड़प शुरू हो गई। किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- प्रशासन ने लिखित में नहीं दिया है, लेकिन यह भरोसा दिलाया है कि अस्थाई तौर पर फैक्ट्री का काम नहीं चलेगा। किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- मांगों पर सहमति जरूर बनी है, लेकिन प्रशासन ने कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया है। अगर 17 दिसंबर को हनुमानगढ़ में महापंचायत हुई तो किसान उसका समर्थन करेंगे। हालांकि, अब यह महापंचायत किसानों के लिए होगी, फैक्ट्री के लिए नहीं होगी। इसके साथ ही किसानों की बैठक गुरुद्वारा में जारी रहेगी।

जिला कलेक्ट्रेट में भाजपा नेता और किसान प्रतिनिधिमंडल की प्रशासन से हुई वार्ता के बाद सहमति बन गई है। इस मौके पर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा और एडीजे वीके सिंह ने कहा कि सभी आशंकाओं को लेकर बिंदुवार विषयों का रिव्यू किया जाएगा। रिव्यू होने तक फैक्ट्री में निर्माण कार्य बंद रहेगा। उन्होंने अनियमितता पाए जाने पर फैक्ट्री हटाने का आश्वासन भी दिया। हनुमानगढ़ में एथेनॉल फैक्ट्री विवाद को लेकर जिला कलेक्ट्रेट में प्रशासन और संघर्ष समिति के सदस्यों के बीच बैठक चल रही है। बैठक में सादुलशहर विधायक गुरवीर बराड़, एडीजीपी वीके सिंह, आईजी हेमंत शर्मा, कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव और एसपी हरिशंकर शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री प्रतिनिधिमंडल में शामिल विजेंद्र पूनिया, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई भी मौजूद हैं। संघर्ष समिति की ओर से शबनम गोदारा, जगजीत जग्गी सहित अन्य सदस्य वार्ता में भाग ले रहे हैं।

किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा- एडीजी लगातार बयान दे रहे हैं कि किसानों ने उपद्रव फैलाने का प्रयास किया और कानून व्यवस्था संभालना हमारा जिम्मा है। मैं एडीजी साहब से पूछना चाहता हूं कि कानून व्यवस्था संभालना आपका जिम्मा है, लेकिन गोली मारना आपका अधिकार है क्या हमारे पास ऐसे कई बुलेट हैं, जो हमें मिले हैं। हमारे पास रिकॉर्डिंग भी है, जिसमें एक एसआई कह रहा है कि इन्हें गोली मार दो। मैं एडीजी साहब से कहना चाहता हूं कि वे फैक्ट्री के डायरेक्टर नहीं बनें।

किसान नेता रमेश भादू ने कहा- यह आंदोलन गुरुद्वारे से चलता है और हमारा ऑफिस गुरुद्वारा है। आंदोलन को चलाने वाले लोग अलग हैं और बात करने वाले अलग हैं।

कार्यालय नगर निगम अलवर (राज0)

क्रमांक-न.नि.अल./एसबीएम/2025-26/13521 दिनांक- 10.12.2025

E-Procurement Notice Inviting Bid/2025-26

A Bid for "The Work of Catching Stray Animals like Bull, Cow, Calf, Heifer, Donkey, Buffalo, Herd, etc. Roaming in the City" is invited for interested bidders up to 2:00 PM on 22-12-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portals (https://sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in/) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 20.00 Lac.

UBN No. - DLB2526SLOB26798

Raj.Samwad/C/25/15790 Commissioner

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति "विशिष्ट श्रेणी" बारां (राज.)

क्रमांक :- 3858 - 70 दिनांक :- 10/12/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति "विशिष्ट श्रेणी" बारां द्वारा किसान कलेवा योजना के अन्तर्गत अनुदानित दर पर भोजन थाली व्यवस्था हेतु रजिस्टर्ड, प्रतिष्ठित फर्मो/अधिकृत डीलरो/विक्रेताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से शर्तरहित ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट बोली दिनांक 22.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर भी देखी जा सकता है। निविदा की अनुमानित कुल लागत 75.00 लाख रु. है।

NIB CODE - DAM2526A0619, UBN No. - DAM2526WSOB01071

राज.संवाद/सी/25/15766 सचिव

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आवंटन

कुल भूखण्ड 391	अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी 13	वाणिज्यिक भूखण्ड 119	आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग 68	वे ब्रिज 07	गोदाम 03
दुकानें/ शोरूम 139	होटल/ रेस्टोरेन्ट 13	पेट्रोल पम्प/ फ्यूल फिलिंग स्टेशन 07	स्कूल 07	संस्थानिक 10	कियोस्क 05

ईएमडी — प्रारम्भ तिथि: 15 दिसम्बर, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) — अंतिम तिथि: 29 दिसम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 30 दिसम्बर, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) — अंतिम तिथि: 02 जनवरी, 2026 (सायं 05:00 बजे)

13	आबू रोड़	07	चूरू	05	नागौर	07	उदयपुर
15	अजमेर	10	बीकानेर	19	पाली	21	जयपुर (उत्तर)
23	अलवर	09	झुंझुनू	18	झालावाड़	02	जयपुर (दक्षिण)
13	भिवाड़ी-I	20	भरतपुर	28	किशनगढ़	08	जयपुर (ग्रामीण)
13	भिवाड़ी-II	20	किशनगढ़	19	राजसमंद	12	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
15	घिलोठ	30	भीलवाड़ा	10	कोटा	09	जोधपुर
04	दौसा	22	नीमराना	08	सीकर	07	श्रीगंगानगर
01	बालोतरा			10	बोरानाडा	13	सवाईमाधोपुर

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राज.संवाद/सी/25/15721

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तों, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

भजनलाल सरकार लगाएगी 16 से 24 दिसंबर तक शहरी समस्या समाधान शिविर

अधिकाधिक शिकायतों का निस्तारण करें, प्रकरण निरस्त करने पर देना पड़ेगा स्पष्टीकरण : देवाशीष पृष्टि

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश में 16 से 24 दिसंबर तक शहरी समस्या समाधान शिविर लगाए जाएंगे। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन आठ दिवसीय शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए है।

इनकी तैयारियों के लिए शनिवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के अधिकारियों से चर्चा की। पृष्टि ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही शहरी सेवा शिविर में किए गए कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुसार शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय और प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए। जहां लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित करें। अगर किसी प्रकरण को रिजेक्ट किया जाएगा तो उसके संबंध में सपष्टीकरण दिया जाना अनिवार्य होगा। पृष्टि ने सभी नगरीय निकायों और विकास प्राधिकरण को अपने क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उस क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को दूर करने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी।

पृष्टि ने बताया की प्रमुख एवं फॉलो अप शिविर में पट्टों से संबंधित प्रकरणों में 39 हजार 800 प्रकरणों का निस्तारण किया गया था इसी के साथ ही अन्य भूमि से संबंधित प्रकरणों में 20 हजार 888 प्रकरणों का निस्तारण भी किया गया। जिनमें नाम हस्तान्तरण के 10 हजार 30 प्रकरण, यू.डी. टैक्स के 3 हजार 987 प्रकरण, भवन मानचित्र के 3 हजार 554 प्रकरण, भूखण्डों के उप विभाजन/पुर्नगठन के 1 हजार 753 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 776 प्रकरण, नगरीय विकास/आवासन मण्डल द्वारा ब्याज छूट देकर की गई वसूली के 365 प्रकरण तथा भू-उपयोग परिवर्तन के 423 प्रकरणों स्वीकृत किया गया तथा घर-घर कचरा संग्रहण के 43 हजार 269 प्रकरणों का भी निस्तारण एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के 4 हजार 977 आवेदनो का अनुमोदन कर प्रथम किश्त जारी करने के प्रकरण शामिल है।

बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, अतिरिक्त निदेशक सीमा सहित सभी नगरीय निकायों और नगरीय विकास न्यास के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

यूडीएच प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक लेकर शहरी समस्या समाधान शिविर के बारे में चर्चा की।

- इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी
- राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय और प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से लगाया जायेगा शिविर

'अल्बर्ट हॉल क्यों, डोटासरा के पास तथ्य हैं तो विधानसभा में करें बहस'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को जवाब दिया

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा शुक्रवार को दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं, तो वे अल्बर्ट हॉल की बजाय विधानसभा में बहस करें। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के 5 साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।

- मदन राठौड़ ने कहा कि, " डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं, तो मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के 5 साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।"

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और अन्य नेता झूठ का पुलिंदा लिए घूमते हैं। जिन लोगों ने राज्य की जनता के अमूल्य 5 वर्ष आपसी फूट और लडाई में बर्बाद कर दिए, वे आज जनता के लिए बेहतरीन काम कर रही सरकार के खिलाफ झूठी बातें परोस रहे हैं और विधानसभा में बहस करने से भाग रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में इन 2 वर्षों में राज्य की जनता के लिए भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे पानी के लिए महतवपूर्ण समझौते करना हो, ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना हो, युवाओं को रोजगार देना हो, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य कराना हो-सभी क्षेत्रों में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस राज में राजस्थान जिस बदहाली के दौर से गुजर रहा था, वो किसी से छुपा हुआ नहीं है। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपरलीक, महिला अत्याचार, साम्प्रदायिक दंगे और साइबर अपराध जैसे मामलों में राजस्थान देश में नम्बर 1 राज्य बन गया था। आज भाजपा की सरकार में राजस्थान की जनता को कांग्रेस के काले कारनामों से छुटकारा मिला है। भाजपा सरकार ने सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई कर दोषी लोगों को कटघरे में खड़ा किया है। इन सभी विषयों पर प्रभावी कार्यक्रम-नीति बनाकर सभी वर्गों को राहत देने का काम इस सरकार ने किया और इन क्षेत्रों में 2 वर्ष के कालखंड में ही उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

'प्रदेश का विकास गहलोत को पच नहीं रहा'

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गलत तथ्यों पर आधारित बयान जारी कर राजस्थान की जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा है कि दो वर्षों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास हुआ है। यह विकास पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पच नहीं रहा है।गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एनसीआरबी के आंकडे नहीं देखे हैं। क्योंकि इनके राज में प्रदेश में जंगलराज था और हमारी सरकार के दो वर्षों में सभी प्रकार के अपराधों में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है।

खोया पाया

मेरे आवास संख्या 114/47 मानसरोवर जयपुर का कब्जा पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। दया शंकर शर्मा मो. 9829615738

आवास संख्या 50/108 मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र व नाम हस्तान्तरण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। संगीता तिवारी मो. 9783643281

भूखण्ड संख्या ए-103, केदार विहार योजना का आवंटन पत्र कहीं खो गया है मिलने पर सम्पर्क करें। मोबाइल नम्बर 8306948306

नाम परिवर्तन

मैं कुंजुमोन पिता आर्मी नंबर 15715726Y रैंक SIGMN अंशद के निवासी अनस निवास रामंचिरा, वल्लीकुन्नम, कडुविनाल, पोस्ट ऑफिस-अलपुझा, केरल, ने भविष्य के लिए अपने बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में अपना नाम यू. कुंजुमोन से बदलकर कुंजुमोन कर लिया है।

मैं जगदीश मीणा पुत्र गणपत मीणा निवासी गुढा सहायपुरा तह. मौजमाबाद, मेरे पौत्र का नाम स्कूल की अंकतालिका में हैप्पी सिंह मीणा गलती से हो गया। आधार कार्ड में हैप्पी मीणा पुत्र गोपाल लाल मीणा है, को हैप्पी मीणा के नाम से जाना जावें।

मैं शैली मोदी भार्गव पत्नी श्री डॉ. रोहन भार्गव, निवासी 140 हिम्मत नगर, गोपालपुरा मोड, टोंक रोड, बजाज नगर, जयपुर-302015 मैंने अपना नाम शैली चिराग मोदी से बदलकर शैली मोदी भार्गव रख लिया है। अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

मैंने अपना नाम घनश्याम दास से बदलकर घनश्याम नोवाल रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम घनश्याम नोवाल पुत्र श्री गोरधन दास माहेश्वरी के नाम से जाना पहचाना जावें। निवासी सी-3, नियर मेंटल हास्पीटल, सिन्धी कॉलोनी, आदर्श नगर, राजापार्क, जयपुर, राज.।

I army no 1247580L Ex Hav Girdhari Singh resident of ward no 05 Loharwara teh. chomu jaipur that I want to change my spouse name From RATTAN KAWAR To RATAN KANWAR vide affidavit dated 24.11.2025 before sub divisional magistrate chomu jaipur.

I Priya Lalwani W/o Ishwar Kumar Lalwani residing at Flat No. 13/2-D, Rail Vihar-1, Vidhyadhar Nagar, Jaipur, Rajasthan-302039. I have Changed my name from Priya Ishwar Lalwani to Priya Lalwani. In future I will be known by my changed name.

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः 8978 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 09.12.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 86/125 (HIG), (एरिया 191.70 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री अशोक कुमार तिवारी पुत्र श्री कैलाश नाथ तिवारी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3964 दिनांक 19.07.1993 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 5646 दिनांक 12.02.1993 को जारी किया गया। डॉ प्रहलाद राय पुत्र श्री रामपाल बैरवा के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1406 दिनांक 20.09.2000 के द्वारा किया गया। डॉ प्रहलाद राय के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 27.09.2021 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। डॉ प्रहलाद राय द्वारा उक्त आवास को दिनांक 15.12.2001 के द्वारा श्री श्यामानन्द झॉ पुत्र श्री हर्षनाथ झॉ को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री श्यामानन्द झॉ के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 8642 दिनांक 20.03.2002 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री श्यामानन्द झॉ द्वारा उक्त आवास को दिनांक 10.09.2025 के द्वारा श्री अजय वालिया पुत्र श्री पवन वालिया को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्री अजय वालिया पुत्र श्री पवन वालिया द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है. श्री अजय वालिया पुत्र श्री पवन वालिया का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

संपदा प्रबंधक, वृत्त प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/144
चूंकि प्रार्थी श्री ROBIN JHIRIWAL, C-800,801 BUDH VIHAR ALWAR RAJASTHAN 301001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास GROUPNET EDUCATION AND WELFARE SOCIETY, REGISTERED ADDRESS: 262, BASNAT VIHAR, SCHEME NO 3, ALWAR WORK ADDRESS:- 12TH MILESTONE VILLAGE BALDAVBAS ALWAR -BHIWADI HIGHWAY ALWAR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 08.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/153
चूंकि प्रार्थी श्री DR MANJU AGARWAL, FLAT NO B-101 ARG SOCIETY OLD STATION ALWAR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास SHRI MAHAVEER HOMEOPATHIC MEDICAL COLLEGE SAMITI ALWAR, FLAT NO B-101 ARG SOCIETY OLD STATION ALWAR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 08.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/146
चूंकि प्रार्थी श्री RAJAN JHIRIWAL, C-783, BUDH VIHAR ALWAR 301001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास MAKARR EDUCATIONAL AND WELFARE SOCIETY, REGISTERED OFFICE: 3, MOTI DUNGRI ALWAR, WORK ADDRESS :-6TH MILESTONE, JHARKHEDA, SIRMOLI VILLAGE ROAD, ALWAR-BHIWADI STATE HIGHWAY, ALWAR-301028 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 08.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/155
चूंकि प्रार्थी श्री DR V-K- AGARWAL, Flat No. B-101, ARG Society. Old Station Road, Alwar ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास SUNRISE HEALTH EDUCATION & RESEARCH SOCIETY ALWAR, Flat No. B-101, ARG Society, Old Station Road, Alwar के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 08.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुत्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 170/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री अमित चौधरी पुत्र धर्मपाल चौधरी निवासी सी 194, हसन खां मेवाती नगर, अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत ऑल इण्डिया आर्य समाजीज सोसायटी फॉर एडवांस एजुकेशन एंड रिसर्च, 6 माइल स्टोन, ग्राम झारखेडा, तिजारा-देहली हाइवे, सिरमोली रोड, अलवर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उत्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 12.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/156
चूंकि प्रार्थी श्री DR V-K- AGARWAL, Flat No. B-101, ARG Society, Old Station Road, Alwar ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास All India Society for Advance Education & Research, North Extension, M.I.A., Alwar, North Extension, M.I.A.. Alwar के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 08.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय स्थान मलसीसर,
सम्पत सिंह वगैरह विरुद्ध भोपाल सिंह वगैरह
दावा बाबत घोषणार्थ, रिकार्ड दुरुस्ती एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या 122 सन् 2024

प्रेषित-
1. भंवरी कंवर पत्नी मदनदान जाति चारण निवासी ढाणीचारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
2. मोहनी देवी पत्नी हरीदानसिंह जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
3. रूपसिंह पुत्र हरीदानसिंह जाति चारण निवासी ढाणीचारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
4. राजेन्द्रसिंह पुत्र मदनदान जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
5. सहदेव पुत्र रामलाल जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
6. अणदी कंवर पत्नी शंकरदान जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
7. पृथ्वीसिंह पुत्र शंकरदान जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
8. कृष्ण कुमार पुत्र शंकरदान जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
9. सहदेव सिंह पुत्र सावलदान जाति चारण निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।
10. देवकरण पुत्र नन्दराम जाति जाट निवासी ढाणी चारण तन कालियासर तहसील मलसीसर जिला झुन्झुनूं।

वादीगण सम्पत सिंह ने आपके विरुद्ध दावा बाबत घोषणा विभाजन रिकार्ड दुरस्ती एंव स्थाई निषेधाज्ञा के लिये के लिये संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 28.01.2026 को दिन के 10:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं, पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हों, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 03.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर न्यायालय
आज्ञा से
उपखण्ड अधिकारी, मलसीसर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 154/2025
चूंकि श्री चिरंजीलाल शर्मा पुत्र स्व. श्री भगवान दत्त शर्मा निवासी हाउस नम्बर 998/7, गली नम्बर 1, जैन, बाग कॉलोनी, सोनीपत, हरियाणा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मूर्ति मंदिर श्री ठाकुरजी रघुनाथ जी ट्रस्ट ग्राम माण्डासी तहसील नवलगढ जिला झुंझुंनू के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 10-11-25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 21-1-2026
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग,
जयपुर प्रथम

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक/शहरी सेवा शिविर/न.नि.भ./2025-26/ दिनांक :-

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भरतपुर शहरी क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट/नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत/कच्ची बस्ती/स्टेट ग्रान्ट का पट्टा चाहने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर पत्रावलियाँ प्राप्त हुई हैं। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद अवधि के किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जाँच के आवेदक को स्टेट ग्रान्ट एक्ट/नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत/कच्ची बस्ती के तहत पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. स.	ऑनलाईन पत्रावली सं.	आवेदक का नाम	पति/पत्नि का नाम	वार्ड नं.	भूखण्ड जहां स्थित है	आवेदन का प्रकार
1	323248	मुकेश चंद	आनन्द स्वरूप		वासन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
2	323252	घनश्याम दास	रामदास	13	विजय नगर बरसो का नगला भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
3	293070	पवन पाल सिंह	घनश्याम सिंह	32	ठाकुर पायसा, बिजलीघर के पास, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
4	236897	रामवती	धर्मसिंह	58	नगला तूफानी भरतपुर	कच्ची बस्ती
5	246342	विक्रमसिंह	कानसिंह	25	कमला रोड नमक कटरा भरतपुर	कच्ची बस्ती
6	263657	जसवन्त सिंह	करन सिंह	58	नगला तूफानी भरतपुर	कच्ची बस्ती
7	266451	उर्मिला देवी	फूलसिंह	42	रैगर मौहल्ला बीनारायण गेट भरतपुर	कच्ची बस्ती
8	268761	शकीला	अयूब खांन	27	मछली मौहल्ला भरतपुर	कच्ची बस्ती
9	275568	छीतर सिंह	होतीराम जाटव	45	सोगरिया मौ0 बीनारायण गेट भरतपुर	कच्ची बस्ती
10	295446	थान सिंह	जयकिशन	58	नगला तूफानी भरतपुर	कच्ची बस्ती
11	295494	मोहन सिह	धर्मसिंह	58	नगला तूफानी भरतपुर	कच्ची बस्ती
12	295870	हीरा देवी	सुमरन दास	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
13	297192	वीरवती	हरीशंकर	45	राजेन्द्र नगर सत्संग भवन के सामने भरतपुर	कच्ची बस्ती
14	298131	विजय	सुरजन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
15	298141	राजू	बच्चूसिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
16	298155	ओमवती	जगन्नाथ	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
17	302438	कालीया	करतार	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
18	302534	करतार	हाजरी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
19	302655	श्याम	कान्हा	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
20	303087	मंगल	घनश्याम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
21	303173	राजकुमार	रतीलाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
22	303562	राजेश	करन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
23	303637	सुरजन सिंह	गजराज सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
24	303749	रेखा	महादेव	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
25	303918	सुखदेव	भोजा	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
26	303961	धर्मसिंह	सुन्दर सिह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
27	304003	हीरालाल	धोला	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
28	305218	धनवती	सुरजन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
29	305226	मानसिंह	फूलचन्द	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
30	305230	वीर सिंह गिरी	श्याम सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
31	307585	अनार देवी	जसवन्त सिं	45	पटपरा मौहल्ला राजेन्द्र नगर भरतपुर	कच्ची बस्ती
32	307903	कृष्णा कुमार	दुलीचंद	58	नगला तूफानी भरतपुर	कच्ची बस्ती
33	307947	कमल सिंह	लक्ष्मन सिंह		रसाला मौ0 नगर निगम के पीछे, भरतपुर	कच्ची बस्ती
34	309441	असलम खांन	याकूब खांन	27	मछली मौहल्ला भरतपुर	कच्ची बस्ती
35	309452	रामकिशन	लाल चन्द		पटपरा मौहल्ला नई कलैक्ट्री के सामने, भरतपुर	कच्ची बस्ती
36	309520	गुजरी	भान सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
37	309643	तारा	कालू	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती भरतपुर	कच्ची बस्ती
38	309677	रामकिशन	श्री राम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
39	309744	सावित्री	भूदेव	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
40	309894	बाबू	नथोली	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
41	309960	राजेश	जय राम सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
42	309963	राजू	गजराज	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
43	309967	करन सिंह	मिठ्ठन लाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
44	309968	बनवारी	भीमसिह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
45	309971	इतवारी	गुलाब	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
46	309972	सन्तोष	सुरजन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
47	309974	उखा	बाबू	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
48	309975	नीरज	सारवान	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
49	309979	सुखराम	किशन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
50	309981	बलराम	करतार	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
51	309982	काली चरन	चन्द्रभान	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
52	309983	पप्पू	मंगतूरा	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
53	309984	तिवारी	तुलसी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
54	309986	राजकुमार	रमेश	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
55	309987	गुड्डी	अमरसिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
56	309989	राजेश	लाखन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
57	309990	प्रकाश	लीला राम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
58	309991	विक्रम	वीर सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
59	309992	घनश्याम	बाल मुकुन्द	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
60	309995	सूरज	बिदेय सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
61	309996	हीरा	चन्द्रमुखी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
62	309997	गुलाब	बृजलाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
63	309998	दयाशंकर	सरबन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
64	309999	रतन सिंह	मोहन सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
65	310000	कन्हैया	सरवन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
66	310001	मंगल	तुलसी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
67	310002	सूरज	तारासिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
68	310003	ओमप्रकाश	श्रीराम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
69	310005	कालीया	गजानन्द	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
70	310006	ओमश्री यादव	नन्दराम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
71	310007	सामू प्रसाद	पुनमासीराम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
72	310008	रूपी	लक्ष्मण सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
73	310009	करन	राजू	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
74	310010	किशोरी लाल	किशनलाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
75	310011	कौशल	बाबूलाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
76	310012	सुनीता	सुन्दर सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
77	310013	संजय	किशन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
78	310014	खरग सिंह	सीताराम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
79	310015	माया देवी	श्री राम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
80	310016	राजू दास	गोपाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
81	310017	रतनू	करियल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
82	310018	माया	लाखन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
83	310019	केशव गोस्वामी	शिवनाथ	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
84	310020	अजय सिंह	लक्ष्मन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
85	310165	राजू	नत्थी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
86	310196	श्याम	रनजीत	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
87	310223	कन्हैयालाल	राम पारिख	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
88	310228	चिरन्जी	लक्ष्मन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
89	310232	रामकिशन	श्री राम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
90	310233	मुकेश चन्द	पातीराम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
91	310236	राहुल	गुलाब	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
92	310241	शेर सिंह	रूप सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
93	310246	दिलीप	हीरा	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
94	310257	रामू	बादाम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
95	310258	देवेन्द्र	ओमप्रकाश	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
96	310267	जय चन्द	बिरजू	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
97	310271	नन्दलाल	रामचन्द	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
98	310276	बलवन्त	वीरसिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
99	310284	राधेश्याम	कान्हा	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
100	310292	राजेश	लक्ष्मन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
101	310296	वीरेन्द्र सिंह	छितरिया	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
102	310297	राजेश	हरीराम	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
103	310300	कान्हा	बन्शी गोकुल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
104	310311	चन्द्रभान	हाजरी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
105	310313	करन	मुरारी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
106	310314	बलदेव	लाखन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
107	310316	रामू	मान सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
108	310318	अमर सिह	सुरजन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
109	310322	सीता	तुलसी	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
110	310325	सन्जू	बच्चू सिंह	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
111	310326	कालू	किशन लाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
112	310329	बनवारी	धीरज	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
113	310332	सुखराम	किशन	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
114	310333	विरजू	रघुवीर	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
115	310335	तारा	श्यामलाल	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती
116	310341	सोमोती	मंगल दास	65	गोकुल नगर कच्ची बस्ती, भरतपुर	कच्ची बस्ती

प्राधिकृत अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

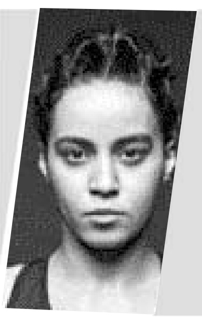

एमएमए के एशियाड में शामिल होने से खेल को सरकारी पहचान और समर्थन मिलेगा। इससे इस खेल को सरकारी समर्थन और पहचान मिलेगी। – पूजा तोमर

भारतीय मार्शल आर्टिस्ट, नागोया एशियन गेम्स में शामिल किये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

साओ पाउलो

साओ पाउलो के मिडफील्डर ऑस्कर ने हृदय संबंधी बीमारी का पता चलने के बाद पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। ब्राजील के ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय ऑस्कर ने अपने करीबी लोगों को अपने फैसले के बारे में बताया और पिछले महीने हुई एक घटना के बाद आगे की जटिलताओं का जोखिम न उठाने का फैसला किया, जिसके कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में रहना पड़ा था। ऑस्कर पिछले दिसंबर में चेल्सी और शंघाई पोर्ट के साथ सफल कार्यकाल के बाद तीन साल के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब साओ पाउलो में लौटे थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में 19 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का टाइटल जीता है, लेकिन अब इसे किंग कोहली ने तोड़ दिया है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की नजर तीसरा टी-20 जीतकर बढ़त लेने पर

धर्मशाला, 13 दिसंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका रविवार को यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में तीसरे अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकबाले में पांच मैचों की सीरीज में बढ़त लेने उतरेंगे।

पहले मैच में भारत की शानदार जीत के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में जोरदार वापसी करते हुए बराबरी कर ली, जिससे इस खूबसूरत पहाड़ी मैदान पर एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। दोनों टीमों ने एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियों को जान लिया है, ऐसे में धर्मशाला मैच बाकी सीरीज का रुख तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत की बल्लेबाजी ने कुछ अच्छे संकेत दिखाए हैं, लेकिन शीर्ष क्रम में निरंतरता की कमी रही है। पहले दो मैचों में शुरुआती झटकों के बाद पारी को संभालने में तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या का मिडिल ऑर्डर में योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

ओपनर अभिषेक शर्मा भारत की योजनाओं के केंद्र में बने हुए हैं, टीम पावरप्ले के दौरान तेज शुरुआत देने की उनकी क्षमता पर भरोसा कर रही है। सीनियर बल्लेबाज शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने और लाइनअप को स्थिरता देने के लिए उत्सुक होंगे।

पिछले मैच में काफी रन देने के बाद भारत की गेंदबाजी इकाई पर सबकी नजर रहेगी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दूसरे टी-20 में शुरुआती विकेट लेने में नाकाम रहे और मेजबान टीम उनसे ऐसी पिच पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। स्पिनर अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट लिए हैं और वे बीच के ओवरों को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका पिछले मैच में दमदार बल्लेबाजी की बदौलत अपनी शानदार जीत से आत्मविश्वास हासिल किया। क्विंटन डी कॉक आक्रामक पारी खेलकर टीम की अगुवाई करने, जबकि कप्तान एडन मारक्रम अच्छी शुरुआत देने का प्रयास करेंगे। मेहमान टीम की बल्लेबाजी की गहराई, जिसे डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर और डोनोवन फरेरा ने मजबूत किया है। गेंदबाजी की बात की जाये तो पिछले मैच में ओटनील बार्टमैन चार विकेट लेने के बाद एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। मार्को यानसन की अतिरिक्त बाउंस और लुंगी एनगिडी के तेज आक्रमण को और मजबूत बनाया है, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में दबाव बना पा रहा है।

धर्मशाला मैदान की छोटी बाउंड्री बल्लेबाजों के सेट होने के बाद स्ट्रोक प्ले में मदद करती हैं। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 187 के करीब है और शाम को बाद में ओस पड़ने की उम्मीद है। दोनों टीमें सीरीज में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने के लिए बेताब हैं, इसलिए एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है, क्योंकि भारत घरेलू फायदे पर निर्भर है जबकि दक्षिण अफ्रीका अपनी नई गति को बनाए रखना चाहेगा।

संभावित भारतीय टीम: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा।

संभावित दक्षिण अफ्रीका टीम: रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडन मारक्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, मार्को यानसन, लुथो सिपामला, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन, ट्रिस्टन स्टब्स, केशव महाराज, एनरिक नॉर्टजे, टोनी डी जॉर्जी, कॉर्बिन बॉश, रीजा हेंड्रिक्स और क्वेना मफाका।

दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में

नयी दिल्ली 13 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को 16 दिसंबर को होने वाले नीलामी से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में यह जानकारी दी। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान के लिए खेलने वाले 30 साल के ऑलराउंडर हुड्डा पिछले आईपीएल सीजन की तरह ही अभी भी संदिग्ध सूची में बने हुए हैं। पार्ट-टाइम ऑफ-स्पिन गेंदबाज हुड्डा ने पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। हालांकि, उन्होंने तब से बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में छह ओवर फेंके हैं। रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और चल रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर।

आखिरी मैच उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे।

हुड्डा ने भारत के लिए 10 एकदिवसीय और 21 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं, अबू धाबी नीलामी में एएल1 (ऑलराउंडर) कैटेगरी में 75 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ शामिल हैं। एएल1 कैटेगरी में सात खिलाड़ी हैं, जिनमें वेंकटेश अय्यर, वानिंदु हसरंगा और रचिन रवींद्र शामिल हैं।

संदिग्ध एक्शन वाले दूसरे खिलाड़ी जम्मू और कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक है। उसका बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। कर्नाटक के 29 साल के ऑफ-स्पिनर केएल श्रीजीत (नीलामी सूची में नंबर 354) पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध है, उन पर पिछले सीजन में ही प्रतिबंध लगा दिया गया था। मध्य प्रदेश के ऋषभ चौहान (नीलामी सूची में नंबर 345) भी प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं।

अफगानिस्तान को बांग्लादेश अंडर-19 टीम ने तीन विकेट से हराया

दुबई 13 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार (96) और रिफत बेग (62) की शतकीय साझेदारी की बदौलत बंगलादेश ने शनिवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में अफगानिस्तान को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया।

284 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार और रिफत बेग ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में रिफत बेग 68 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जवाद अबरार को 112 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 96 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों सलामी बल्लेबाजों को रूहल्लाह अरब ने आउट किया। कप्तान अजीजुल हकीम (44) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तानी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार बंगलादेश को संकट में डाल दिया था।

कलाम सिद्दीकी (29) बनाकर आउट हुये तथा एमडी अब्दुल्ला (दो), समीउन बसीर (एक) को रनआउट हुये। शेख परवेज जीबोन (13) के रूप में सातवां विकेट गिरा। रिजान होसैन 17 रन बनाकर नाबाद रहे। 49वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शहरयार अहमद ने विजयी रन बनाया। अफगानिस्तान के लिए खातिर स्तानिकजई, रूहुल्लाह अरब को दो-दो विकेट मिले। सलाम खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक

दुबई, 13 दिसंबर। भारतीय पैरा एथलीटक दल ने एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 पदक जीतकर शनिवार को अपने अभियान का समापन किया। दुबई में 10 से 13 दिसंबर तक चले इस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भारत ने आठ स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक जीते। 2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, ताइक्वांडो, बोकिया, गोलबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और आर्मरेसलिंग सहित 11 खेल शामिल थे। इनमें से आठ खेलों में भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। जतिन आजाद और शिवम यादव एमडी- एसयू 5, जतिन आजाद एमएस एसयू- 5, शिवम यादव और तुलिका जाधव एक्सडी - एसयू5 और एसएल 3, हर्षित चौधरी और कार्तिक सुहाग एमस - एसएल 4 - एसएल 3, शांतिया विश्वनाथन डब्लयूएस - एसयू-5 में, प्रेमचंद पोटनुरु एमएस - एसएच 6,. नित्या श्री सुमति सिवन, कार्तिक सुहाग एमएस - एसएल 3 में स्वर्ण पदक जीते। वहीं अभिजीत सखूजा और विजेंद्र एमडी एसएल 4 - एसएल 3में, विजेंद्र एमएस- एसएल 3 में और अभिजीत सखूजा एमएस - एसएल 4 में, तुलिका जाधव डब्ल्यू एस एसएल 3 में रजत पदक जीते। हर्षित चौधरी एमएस एसएल-4, शिवम यादव एमएस एसयू-5, शिवांगी पांडे डब्ल्यूएस एसएल-4, जतिन आजाद और समायरा कंवर एक्सडी एसयू 5- एसएल 3, मनीषा पटेल डब्ल्यूएस एसच 6, नित्या श्री सुमति सिवन और मनीषा पटेल डब्ल्यू डी - एसएच 6 में कांस्य पदक जीते।

केएससीए चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित कराने की मिली अनुमति

बेंगलुरु 13 दिसंबर। कर्नाटक सरकार ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित कराने की अनुमति दे दी है और इससे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी अवगत करा दिया गया है। यह अनुमति वेंकटेश प्रसाद को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) का अध्यक्ष बनने के एक सप्ताह बाद आयी है। प्रसाद और उपाध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर ने इस सप्ताह की शुरुआत में बेलगावी में राज्य के विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात सार्थक रही।

इशरानी बरुआ, उन्नित हुड्डा और किरण जॉर्ज ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में

कटक, 13 दिसंबर। इशरानी बरुआ, महिला एकल की टॉप सीड उन्नित हुड्डा और पुरुष एकल के दूसरे सीड किरण जॉर्ज ने कटक के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कड़े मुकाबले वाले सेमीफाइनल में जीत हासिल कर बैडमिंटन टूर्नामेंट ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इशरानी बरुआ ने सेमीफाइनल में तान्या हेमंत को हराकर फाइनल में जगह बनाई। पहला गेम 18-21 से हारने के बाद, इशरानी ने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-7, 21-7 से जीतकर 54 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। अब वह फाइनल में टॉप सीड उन्नित हुड्डा से भिड़ेंगी।

असम के 4 खिलाड़ी भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित

गुवाहाटी 13 दिसंबर। असम क्रिकेट एसोसिएशन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के दौरान कथित तौर पर भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप के कारण चार खिलाड़ियों अमित सिन्हा, इशान अहमद, अमन त्रिपाठी और अभिषेक ठाकुर को निलंबित कर दिया है। एसीए ने शुक्रवार को इन चारों खिलाड़ियों निलंबित कर दिया। उन्होंने इनके खिलाफ राज्य पुलिस की अपराध शाखा में प्रथमिकी (एफआईआर) भी दर्ज करा दी है। ये सभी खिलाड़ी अलग-अलग स्तर पर असम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन पर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भाग लेने वाले कुछ असम के खिलाड़ियों को प्रभावित और उकसाने का प्रयास करने का आरोप है। एसीए के सचिव सनातन दास ने कहा, ''आरोप सामने आने के बाद बीसीसीआई की भ्रष्टाचार विरोधी और सुरक्षा यूनिट ने जांच की थी।

मेसी का कोलकाता में जोरदार स्वागत, झलक न दिखने से गुस्साए दर्शक

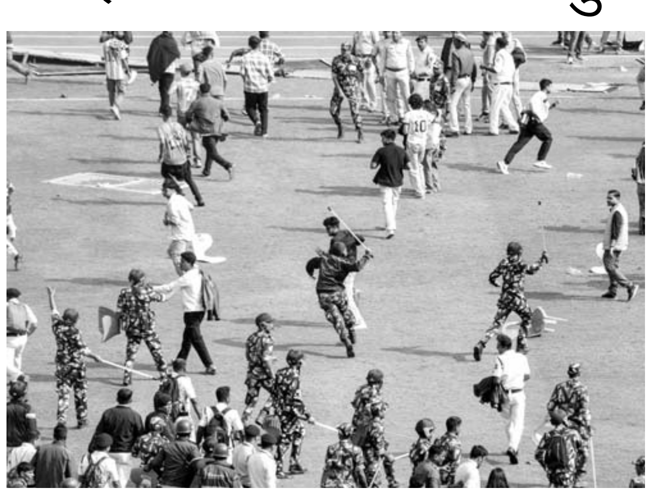

कोलकाता, 13 दिसंबर। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी को 14 साल बाद फुटबॉल के दीवानों के शहर कोलकाता में लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। शहर में हजारों प्रशंसक, अपने पसंदीदा वैश्विक सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए, मध्यरात्रि के बाद कड़ाके की ठंड में भी डटे रहे। हालांकि, बाद में साल्ट लेक स्टेडियम (युवा भारती क्रीड़ांगन) में यह उत्साह उस समय अराजकता और निराशा में बदल गया, जब उनके प्रशंसक मेसी की एक झलग ठीक से नहीं पा सके। मेसी का विमान नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कल देर रात उतरा। उनके आगमन पर वहां मौजूद लोगों में जोश भर गया। उनके समर्थक बार्सिलोना की नंबर 10 जर्सी पहने उनका नाम लेकर चिल्ला रहे थे और अर्जेंटीना के झंडे लहरा रहे थे। भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद, भीड़ हवाई अड्डे के परिधि और हयात रीजेंसी होटल के पास जमा हो गई। मेसी को इस होटल में ठहराया गया था। भारतीय फुटबॉल का मक्का'' कहे जाने वाले कोलकाता शहर ने मेसी की दूसरी यात्रा को यादगार बनाने के लिए पूरे मन से तैयारी की थी। इनमें ईएम बाईपास पर लेक टाउन क्रॉसिंग पर फैन ज़ोन और एक विशाल 70 फुट की प्रतिमा शामिल थी। सूत्रों ने बताया कि साल्ट लेक स्टेडियम के पास होटल जाते समय, मेसी को शहर के प्रवेश द्वार वीआईपी रोड पर बिग बेन क्लॉक टॉवर के पास फीफा विश्व कप पकड़े हुए उनकी एक सफेद प्रतिमा दिखाई गई। प्रशंसकों की भीड़ में नादिया जिले के कल्याणी से एक किशोर लड़का भी व्हीलचेयर पर यात्रा करके आया था। मेसी के कट्टर समर्थक उनको फुटबाल का ''भगवान'' मानते हैं। मोहन बागान क्लब के सदस्य सुरजेंदु गांगुली ने कहा, ''मेसी का कोलकाता आना एक बड़ी बात है। यह वैसा ही है जैसे 1977 में पेले हमारे क्लब के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेलने के लिए इस शहर में आए थे। तब भी शहर के लोगों में इसी तरह का जोशखरोश देखा गया था।'' इंटर मियामी के लिए खेलने वाले 38 वर्षीय मेसी का शहर में संक्षिप्त कार्यक्रम था, जिसके बाद उन्हें एक प्रदर्शनी कार्यक्रम के लिए शाम को हैदराबाद रवाना होना था। यह विवेकानंद युवा भारती स्टेडियम मेसी के लिए विशेष महत्व रखता है। यहीं पर दो सितंबर 2011 को उन्होंने पहली बार अर्जेंटीना की कप्तानी करते हुए वेनेजुएला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच में अपनी टीम को 1-0 से जीत दिलाई थी। मेसी का यहां स्टेडियम में स्वागत तब कड़वी याद में बदल गया जब मेसी मुश्किल से 22 मिनट तक मैदान में रहे। जबकि आयोजकों का वादा था कि वह एक घंटे से कहीं अधिक समय तक वहां रुकेंगे। मेसी सुबह करीब 11:30 बजे एक सफेद ऑडी में स्टेडियम पहुंचे और 11:52 बजे चले गए। इस दौरान वह सुरक्षा और अधिकारियों, जिसमें राज्य के खेल मंत्री अरूप बिस्वास भी शामिल थे, से घिरे रहे। प्रशंसकों ने टिकटों के लिए 4,000 रुपये से 18,000 रुपये तक का भुगतान किया था और पूरा पश्चिम बंगाल तथा बाहर से भी लोग अपने पसंदीदा खिलाड़ी को देखने यहां आये थे लेकिन अफसोस कि ये लोग इस फुटबॉल दिग्गज की ठीक से एक झलक भी नहीं पा सके। इससे उनके प्रशंसक नाराजगी से भर गए। भड़के हुए समर्थकों ने कुर्सियाँ तोड़ दीं, फाइबरग्लास की सीटें उखाड़ दीं और प्लास्टिक की पानी की बोतलें और अन्य वस्तुएँ एथलेटिक ट्रैक पर फेंकनी शुरू कर दीं। स्थिति अराजकता में बदलने पर आयोजकों और सुरक्षाकर्मियों पर अपशब्दों की बौछार की गई।

मेसी का दौरा निजी पीआर एजेंसी ने आयोजित किया, एआईएफएफ की इसमें कोई भूमिका नहीं

नयी दिल्ली 13 दिसंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी का कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में हुई तोड़फोड़ की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम निजी पीआर एजेंसी ने व्यवस्थित कराया था इसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है।

श्रीलंका की अंडर-19 टीम ने नेपाल को 8 विकेट से हराया

दुबई, 13 दिसंबर। सेतमिका सेनेविरत्ने (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद दिमांता महाविताना (नाबाद 39) और कविजा गमागे (24) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में नेपाल को 211 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 14.5 ओवर में दो विकेट पर 84 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमांता महाविताना ने 49 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। कविजा गमागे ने 29 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 24) रन बनाये। विरन चामुदिता (10) और के वितानापतिराना (दा) रन बनाकर आउट हुये। नेपाल के दयानंद मंडल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

लिएंडर पेस-महेश भूपति टीपीएल सीजन-7 में कोर्ट पर एक साथ दिखे

अहमदाबाद, 13 दिसंबर। क्लियर प्रीमियम वॉटर द्वारा प्रायोजित टेनिस प्रीमियर लीग के चौथे दिन भारतीय टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस जीएस दिल्ली एसेस के ब्रांड एंबेसडर के रूप में और एसजी पाइपर्स बेंगलुरु के मुख्य कार्यकारी महेश भूपति अपनी टीम के समर्थन में लीग के चारकोल ग्रे कोर्ट पर एक साथ दिखे गये।

इस जोड़ी ने एक साथ तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और एक जोड़ी के तौर पर वर्ल्ड नंबर 1 बने हैं और वे लंबे समय से लीग को सपोर्ट कर रहे हैं। इस दौरान अपनी खुशी इजहार करते हुए पेस ने कहा, ''अहमदाबाद में होना बहुत अच्छा लग रहा है। सबसे पहले तो मौसम शानदार है और यहां टेनिस प्रीमियर लीग की भव्यता देखना पूरे देश में टेनिस का विस्तार करने और उसे लोकप्रिय बनाने के सपने का हिस्सा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं सानिया, रोहन, महेश और उन सभी सितारों का बहुत आभारी हूं जो लीग को सपोर्ट करते हैं। जब आप खिलाड़ियों को देखते हैं, तो हमने जूनियर्स, प्रोफेशनल्स, लड़के और लड़कियों को एक साथ लाने में कामयाबी हासिल की है और इसमें एक अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर भी जोड़ा है। टेनिस जगत के पूरे समुदाय का यहा एक साथ आना खास है।''

दिन के तीसरे मैच में एसजी पाइपर्स बेंगलुरु ने जीएस दिल्ली एसेस को 49-51 से हराया। जीएस दिल्ली एसेस 211 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। सीजन और अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''सीजन बहुत अच्छा चल रहा है। मैं अपनी टीम के प्रति थोड़ा पक्षपाती हूं। दिल्ली एसेस अभी शीर्ष पर है लेकिन अभी बहुत सारा टेनिस बाकी है। यहां का फॉर्मेट बहुत दिलचस्प है।'' पेस ने दिल्ली की टीम के साथ अपनी भूमिका पर कहा, ''40 साल तक अपने देश के लिए खेलना, 20 ग्रैंड स्लैम जीतना और सात ओलंपिक खेलना एक आशीर्वाद है।

फीफा विश्वकप 2026 की टिकट के लिए 24 घंटे में 50 लाख आवेदन

ज्यूरिख, 13 दिसंबर। अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए टिकट बिक्री के तीसरे चरण शुरू होने के 24 घंटे अंदर दुनिया भर से 50 लाख टिकटों के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। फीफा ने शनिवार को बताया कि 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फुटबॉल प्रशंसकों ने फीफाडॉटकॉम/टिकटस के माध्यम से 50 लाख टिकटों की मांग के आवेदन प्राप्त हुए है। कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले इस 48-टीमों के इस टूर्नामेंट को देखने के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दिखाता है। शुरुआती आंकड़े ग्रुप-स्टेज के शानदार मुकाबलों के लिए जबरदस्त दिलचस्पी दिखाते हैं, जिसमें कोलंबिया बनाम पुर्तगाल (मियामी, 27 जून) अब तक रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ अवधि के दौरान सबसे अधिक डिमांड वाला मैच बनकर उभरा है। ब्राजील बनाम मोरक्को (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी, 13 जून), मैक्सिको बनाम कोरिया गणराज्य (ग्वाडलजारा, 18 जून), इक्वाडोर बनाम जर्मनी (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी, 25 जून), और स्कॉटलैंड बनाम ब्राजील (मियामी, 24 जून) टॉप पांच मैचों में शामिल हैं।

एचपीसीएल बनाम ओआईएल और बीपीसीएल बनाम आईओसीएल के बीच खेला जायेगा सेमीफाइनल

जयपुर, 13 दिसंबर। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में चल रहे 29वें पीएसपीबी इंटर-यूनिट सीनियर्स टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 का तीसरा दिन बेहद रोमांचक और निर्णायक साबित हुआ। टीमों ने ग्रुप चरण के अपने अंतिम मुकाबले खेले, जिनके परिणामों ने सेमीफाइनल की तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट कर दी। टूर्नामेंट का आयोजन सार्वजनिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों की खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

ओएनजीसी बनाम ईआईएल

दिन के पहले मुकाबले में ईआईएल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ओएनजीसी की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए।

रघु सिन्हा आईटीएफ मास्टर्स-400 : चौथे दिन रोमांच, 45 डबल्स में सिसोदिया व चेरियन फाइनल में

जयपुर, 13 दिसंबर। रघु सिन्हा आईटीएफ मास्टर्स -400 टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दिन मुकाबले अत्यंत रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहे। जयपुर के राजेंद्र सिंह सिसोदिया और रंजू चेरियन ने 45 प्लस डबल्स वर्ग में अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

महिलाओं एवं पुरुषों के सिंगल्स और डबल्स मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। 45 डबल्स में राजेंद्र सिंह सिसोदिया व कमरुद्दीन खान ने सुदीप जैन व नितेश लूथरा को 6-0, 6-2 से पराजित किया, जबकि रंजू चेरियन व अरुण चौधरी ने कड़े मुकाबले में नरेंद्र चौधरी व दानवीर यादव को 7-5, 7-5 से हराकर फाइनल में स्थान पक्का किया। कार्यक्रम के संयोजक श्री ललित सिंह तालेड़ा ने बताया कि चौथे दिन एक भावनात्मक क्षण भी देखने को मिला, जब रघु सिन्हा जी के भांजे श्री सुधीर माथुर ने रघु सिन्हा साहब के साथ खेले श्री राजेंद्र सिंह राठौड़ (कुडाला) को रघु शर्मा जी के जीवन पर आधारित पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री राठौड़ ने रघु सिन्हा जी के साथ बिताए अपने संस्मरण साझा करते हुए उन्हें एक महान व्यक्तित्व और जिंदादिल इंसान बताया।

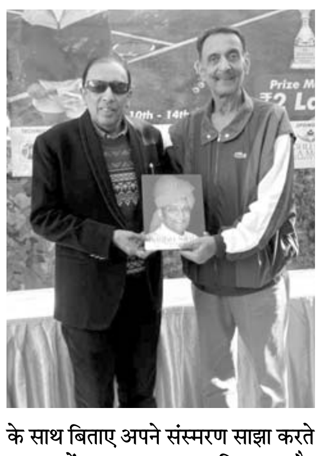

महिला एकल 30: एलिस जॉय ने रानी मारवा कौर को 6-1, 6-0 से हराया। गिरिजा येटवाडेकर ने अरीना चटर्जी को 6-0, 6-1 से पराजित किया।

महिला एकल 45: विभा चौधरी ने बबीता मोहन को 6-0, 6-2 से हराया। स्मिता रविंद्र ने रुचि शर्मा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

पुरुष एकल 55: गुरुदर्शन रमन ने लक्ष्मीकांत तंवर को 6-2, 6-2 से हराया। रितेश लूथरा ने बालन रामदास को 6-0, 6-4 से पराजित किया।

पुरुष एकल 50: जगदीश तंवर ने योगेश कोहली को 6-0, 6-0 से हराया। कमरुद्दीन खान ने कृष्णा कांत खंडेलवाल को 6-7(3), 6-4, 10-8 से हराया।

पुरुष एकल 45: नरेंद्र सिंह चौधरी ने रोहन भसीन को 6-1, 6-3 से हराया। स्वर्णदीप सिंह ढोढी ने रंजू चेरियन को पराजित किया।

पुरुष एकल 40: पुनर भसीन ने मधुसूदनन वेलराज को 6-1, 6-2 से हराया। रियाज अहमद ने राजीव झाकर को 6-1, 6-2 से पराजित किया।

पुरुष एकल 75: अजीत पेंढारकर ने अशोक जिंदल को 6-1, 7-5 से हराया। सुरेश बजोरिया ने एनन टोगनाटा को 7-5, 7-6(5) से पराजित किया।

पुरुष एकल 70: मैनफ्रेड नौमान ने जॉर्ज थॉमस को 7-6(4), 2-6, 10-3 से हराया। डॉ. आर.जे.एस. रंधावा ने सुरेंद्र मोहन को पराजित किया।

पुरुष एकल 65: अजीत भारद्वाज ने मेहरप्रकाश कोडूरी को 6-4, 7-5 से हराया। ओ.पी. दीक्षित ने प्रमोद दीक्षित को 7-5, 6-4 से पराजित किया।

पुरुष एकल 60: दीपांकर चक्रवर्ती ने लोकेश पुरोहित को 6-0, 6-0 से हराया। पुनीत गुप्ता ने सुदेश सिंह को 6-0, 6-1 से पराजित किया।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

एसजे स्कूल एकेडमी की जीत में अभय, दिनेश व शुभम चमके

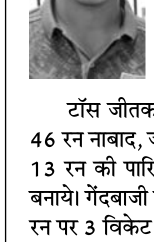

जयपुर, 13 दिसंबर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा, पर खेले गये पूल-एफ के मैच में एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने अभय शर्मा 79 रन के अद्धर्शतक दिनेश मीणा 52 रन नाबाद व 16 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन व शुभम खण्डेलवाल 21 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत शास्त्री क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज कर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रोहन सिंह 46 रन नाबाद, जशन रमाना 37 रन, चिराग सैन 24 रन, सुब्हान पठान 13 रन, वासु 13 रन की पारियों की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाये। गेंदबाजी में एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी की ओर से शुभम खण्डेलवाल 21 रन पर 3 विकेट, दिनेश मीणा 16 रन पर 2 विकेट, समर खान 18 रन पर 2 विकेट लेकर सल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी के ओपनर अभय शर्मा ने शानदार पारी खेलते हुये 79 रन (46 रन, 9 चौके, 2 छक्के), कप्तान दिनेश मीणा 52 रन नाबाद (33 गेंद, 1 चौका, 4 छक्के), रिहान अली 18 रन की मदद से विजय लक्ष्य 161 रन 3 विकेट खोकर 17.3 ओवर में हासिल कर 7 विकेट से आसान जीत दर्ज कर ली।

मुख्यमंत्री ने जनपथ पर सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई

उन्होंने अमर जवान ज्योति पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वालों को सम्मानित किया

जयपुर, 13 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जनपथ -स्थित अमर जवान ज्योति पर आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। उन्होंने इस दौरान सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया तथा उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।**

वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की। सम्मानित होने वालों में संदीप गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं सुरता देवी शामिल रहे। शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 500 ऑटो रिक्शों को भी फ्लैग ऑफ किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों को हैलमेट वितरण किये।

ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हैलमेट वितरण किया तथा व्यवसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा का संदेश देने वाले गुब्बारे हवा में छोड़े। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, विभिन्न विभागों के बड़े अफसर, बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित थे।

'बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई स्वागत योग्य'

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम ने बीमा क्षेत्र में सौ फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

- **कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने मोदी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया व कहा, भाजपा पहले इसका विरोध करती थी।**

की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह अनुमति भाजपा के नेतृत्व वाली उसी सरकार ने दी है जो पहले एफडीआई का विरोध करती आ रही है।

चिदम्बरम ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा ''मैं बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। मुझे गुजराल सरकार का वह दिन याद है जब भाजपा ने संसद में उस विधेयक का विरोध किया था जिसमें बीमा क्षेत्र में 20 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई थी। यह एक लंबी दूरी है जिसे हमने 1997-98 से तय किया है।''

आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि शिवकुमार वर्तमान सत्र के समाप्त होते ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह ले लेंगे।

स्टेट जीएसटी ने 200 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी

विभाग ने प्रदेश भर में 170 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर एक साथ सर्वे कर यह उपलब्धि हासिल की

जयपुर, 13 दिसंबर। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तथा स्वच्छ कर प्रशासन की मंशा के अनुरूप, राज्य के वाणिज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी) द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है। विभाग ने प्रदेशभर में एक साथ 110 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे कार्यवाही करते हुए लगभग 200 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है।

यह कार्यवाही विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देश पर की गई। अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए वाणिज्य कर विभाग के 300 से अधिक अधिकारियों को शामिल करते हुए अलग-अलग टीमें गठित की गईं, जिन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ यह कार्यवाही की।

- **विभाग को लम्बे समय से प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर व रियल एस्टेट आदि सैक्टर्स में कर चोरी की सूचनायें प्राप्त हो रही थीं।**

विभाग को लंबे समय से सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं कि प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर, रियल एस्टेट सहित, कई सेक्टर्स में कुछ व्यापारी कर चोरी में संलिप्त हैं। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर यह व्यापक अभियान चलाया गया।

प्रदेश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर विभिन्न सेक्टर्स में एक साथ कार्यवाही की गई है, जिससे कर चोरी में लिप्त व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कार्यवाही के दौरान, कई स्थानों से कच्ची पर्चियां, फर्जी बिलिंग एवं अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सर्वे कार्यवाही के दौरान ही कई व्यापारियों ने कर चोरी स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि विभाग में जमा करवाई है। विभाग द्वारा जब्त दस्तावेजों के आधार पर अब विस्तृत जांच की जाएगी, जिससे आगे और भी बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य कर विभाग द्वारा वर्तमान में कर चोरी के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में इस प्रकार की कार्यवाहियों में और अधिक तेजी लाई जाएगी।

'मोटी तन्ख्वाह के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा से संबंधित होता है और इसे श्रम कानून के तहत प्रबंधकीय पर्यवेक्षण से नहीं जोड़ा जा सकता। कोर्ट ने यह भी जोर दिया कि एक नियामक ढांचे में प्रयुक्त कानूनी शब्दों को दूसरे नियामक ढांचे में स्वचालित रूप से लागू नहीं किया जा सकता, जिनका उद्देश्य और संदर्भ अलग होता है।

बकाया वेतन के मामले में, कोर्ट ने औद्योगिक ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पायलटों की बर्खास्तगी अवैध थी और बिना उचित प्रक्रिया के की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसलों को लागू करते हुए, खंडपीठ ने यह दोहराया कि गलत बर्खास्तगी के मामलों में सेवा की निरंतरता और बकाया वेतन के साथ पुनर्नियुक्ति सामान्य नियम है, विशेष रूप से जब नियोक्ता यह साबित करने में असमर्थ हो कि कर्मचारी अन्यत्र लाभकारी रूप से कार्यरत था।

संसद पर आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। संसद पर वर्ष 2001 में आज ही के दिन किये गये आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शनिवार को यहां देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले का मुकाबला करते हुए प्राण न्योच्छावर करने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लिया।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन परिसर में शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अनेक केन्द्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, ''मैं देश के साथ मिलकर उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने हमारी संसद की पवित्रता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अटूट साहस और सर्वोच्च बलिदान आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने के हमारे राष्ट्र के संकल्प की एक स्थायी याद दिलाता है।''

मोदी ने शहीद सुरक्षा कर्मियों के शौर्य को स्मरण करते हुए कहा, ''आज के दिन हमारा देश 2001 में संसद पर हुए जघन्य हमले में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को याद करता है।

कांग्रेस की ''वोट चोर गद्दी छोड़'' महारैली आज

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित महारैली के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस ने वोट चोरी के खिलाफ चलाए गये अपने अभियान के तहत रविवार 14 अप्रैल को यहां रामलीला मैदान में होने वाली ''वोट चोर-गद्दी छोड़'' महा रैली की तैयारी पूरी कर ली है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर बताया कि रैली की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

यादव ने रैली स्थल रामलीला मैदान से जारी संदेश में लोगों से बड़ी संख्या में इस रैली में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा ''मेरी अपील है कि इस रैली में शामिल होकर वोट चोरी

- **दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने एक वीडियो जारी कर रैली के आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी व लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की।**

के खिलाफ आवाज को बुलंद कीजिए और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करिए।''

इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा ''जब वोट चोरी पकड़ी गई तो चोर बौखला गया और अब वो मुद्दों को भटकाने का काम कर रहा है। वोट चोरी से जुड़े हमारे सवाल स्पष्ट हैं, जिन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार पूछ रहे हैं, लेकिन जवाब नहीं मिल रहा है।

अब 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल रैली हो रही है। मेरी अपील है कि आप सब भी रैली में आइए, क्योंकि हमें वोट चोरों को भागने नहीं देना है।''

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह मामला न्यायमूर्ति प्रतिभा एम.सिंह और शैल जैन की खंडपीठ समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन न्यायमूर्ति शैल जैन ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, क्योंकि उनका बेटा इंडिगो में पायलट है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, इस प्रकरण को ''किसी ऐसी खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें, जिसमें हममें से एक (न्यायमूर्ति शैल जैन) सदस्य न हों, मुख्य न्यायाधीश के आदेशों के अधीना।''

अब यह प्रकरण किसी अन्य खंडपीठ के समक्ष सम्भवत: 19 दिसम्बर को आएगा।

इंडिगो के वकील वी. लक्ष्मीकुमारन ने कहा कि एयरलाइन ने बिना किसी विवाद के बेसिक कस्टम ड्यूटी का भुगतान किया था, जब उसके विमान के इंजन और पार्ट्स मरम्मत के बाद पुन: आयात किए गए थे।

दिल्ली में वायु प्रदूषण में भारी तेजी

ग्रैप-3 नियम लागू करने के कुछ ही घंटों में ग्रैप-4 नियम लागू किए गए

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण तेजी से बढ़ ने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शनिवार को सुबह ग्रैप-3 लागू किया और शाम होते-होते ग्रैप-4 लागू करने की स्थिति बन गयी। ग्रैप, यानी चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना के चार चरण हैं जिनके तहत प्रदूषण कम करने के लिए जरूरी अलग-अलग उपायों को लागू किया जाता है। इसे लागू करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की है।

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार तक ग्रैप-2 लागू था। आयोग ने शनिवार सुबह ग्रैप-3 लागू करने का फैसला किया जिसमें और कड़े प्रतिबंधों तथा अधिक उपायों का प्रावधान है। हालांकि इसके कुछ ही घंटे बाद तेजी से बढ़ ते

- **वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग ने कहा, एयर क्वालिटी इंडैक्स अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है तुरंत सुधार होने की संभावना नहीं है।**

प्रदूषण का हवाला देते हुए ग्रैप-4 लागू कर दिया गया।

आयोग ने शनिवार शाम जारी एक बयान में कहा कि शहर में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। दिल्ली में शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 431 दर्ज किया गया, जो धीमी हवा की गति, स्थिर वातावरण, खराब मौसम की स्थिति और प्रदूषकों के खराब फैलाव के कारण शाम छह बजे तक बढ़ कर 441 हो गया।

बयान में कहा गया है, ''एक्यूआई अति-गंभीर श्रेणी के करीब पहुंचने और मौसम की स्थिति में तुरंत कोई सुधार की संभावना न होने के कारण ग्रैप-4 के तहत सभी उपायों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला किया गया है।''

ग्रैप-4 के उपाय तब लागू किये जाते हैं जब एक्यूआई 450 से ऊपर चला जाता है या उसके ऊपर जाने का अनुमान होता है। इसमें स्थानीय प्रशासन के फैसलों के आधार पर निर्माण गतिविधियों पर रोक, कुछ पुराने मानकों के वाहनों के प्रवेश पर रोक और स्कूलों को बंद करने जैसे सबसे सख्त प्रतिबंध शामिल हैं।

हिट एण्ड एन केस, आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा, वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है।

'मोदी सरकार नाम बदलने में धुरंधर है'

नयी दिल्ली, 13 दिसंबर। कांग्रेस ने सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना-मनरेगा का नाम बदलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि पूरे देश को मालूम है कि नाम बदलने में मोदी सरकार धुरंधर है लेकिन अब यह भी साफ हो गया है कि उसे सिर्फ पंडित जवाहर लाल नेहरू से ही नहीं, बल्कि महात्मा गांधी नाम से भी नफरत है।

कांग्रेस ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा योजना चल रही थी और लंबे समय से इस योजना के तहत गांवों में लोगों को रोजगार मिल रहा है लेकिन अब गांधी शब्द हटाकर सरकार ने योजना का नाम बापू कर दिया है जिससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार को

- **मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तंज कसा।**

गांधी नाम से भी नफरत है।

पार्टी संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय पर कहा, ''योजनाओं के नाम, कानून के नाम बदलने में मोदी सरकार धुरंधर है, इसका कोई मुकाबला नहीं है। निर्मल भारत अभियान को स्वच्छ भारत अभियान बनाया, ग्रामीण एलपीजी वितरण कार्यक्रम को उज्ज्वला नाम दिया... पैकेजिंग, ब्रांडिंग और नाम देने में ये धुरंधर है।''

उन्होंने कहा ''हैरानी इस बात की है कि पंडित नेहरू से तो इन्हें नफरत है लेकिन महात्मा गांधी से इतनी नफरत, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना 2005 से चल रही है... इसका नाम आप पूज्य बापू रोजगार गारंटी योजना कर रहे हैं, महात्मा गांधी नाम से क्या दिक्कत है।...''

पंकज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीयूष गोयल रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा करेंगे।

भारत पर लगे टैरिफ के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन, 13 दिसंबर। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ओर से भारत से सामानों के आयात पर लगाये गये 50 प्रतिशत तक शुल्क को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पेश किया है।

अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को पेश किये गये इस प्रस्ताव में इन शुल्कों को अवैध बताया और कहा है कि इससे अमेरिकी श्रमिकों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचेगा। साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों में भी तनाव पैदा होगा। यह प्रस्ताव रैप्रेज़ेंटेटिव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया।

रॉस ने कहा, ''उत्तर कैरोलिना की अर्थव्यवस्था व्यापार, निवेश और एक

- **तीन सदस्यों ने कांग्रेस के निचले सदन, ''हाउस ऑफ रैप्रैजेंटेटिव'' में प्रस्ताव पेश किया**
- **प्रस्ताव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी व राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया और ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को अमेरिका के लिए नुकसानदेह बताया।**

जीवंत भारतीय अमेरिकी समुदाय के ज़रिए भारत से गहराई से जुड़ी हुई है।'' उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियों ने राज्य में 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का निवेश किया है, जिससे जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर्स में हज़ारों नौकरियाँ पैदा हुई हैं, जबकि उत्तर कैरोलिना के कारोबारी हर साल भारत को हजारों डॉलर का सामान मुहैया कराते हैं।

वेसी ने कहा, ''भारत एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है और ये अवैध टैरिफ उत्तरी टेक्सास के लोगों पर एक रोज़मर्रा का कर हैं जो पहले से ही बढ़ ती कीमतों से जूझ रहे हैं।''

भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने टैरिफ को नुकसानदायक बताते हुए कहा कि वे आपूर्ति श्रृंख्ला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुँचाते हैं, और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ ाते हैं। उन्होंने कहा कि शुल्क खत्म करने से अमेरिका-भारत आर्थिक और सुरक्षा सहयोग मज़बूत होगा।

यह प्रस्ताव कांग्रेसी डेमोक्रेट्स द्वारा ट्रंप के एकतरफा व्यापारिक कार्यों को चुनौती देने और भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को फिर से ठीक करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। अक्टूबर की शुरुआत में रॉस, वेसी और कृष्णमूर्ति ने कांग्रेसी रो खन्ना और 19 अन्य सांसदों के साथ मिलकर राष्ट्रपति से टैरिफ नीति को पलटने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने का आग्रह किया था।

पार्टीशन के आठ दशक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती देती है। यह परोक्ष रूप से एक असहज ऐतिहासिक सच्चाई को स्वीकार करती है कि संस्कृत की दुनिया उन इलाकों तक फैली हुई थी, जो आज पाकिस्तान के भीतर आते हैं, और जिनका बौद्धिक व सांस्कृतिक संबंध कश्मीर से रहा है। सीमाओं के बनने से बहुत पहले, संस्कृत के शास्त्रीय ग्रंथ-दर्शन, महाकाव्य और टीकाएँ-इसी भूभाग में लिखे, पढ़े और आगे बढ़ाए गए। कश्मीर स्वयं संस्कृत अध्ययन का एक बड़ा केन्द्र था, जहाँ से कश्मीर शैव दर्शन जैसी प्रभावशाली परंपराएँ निकलीं, जिन्होंने घाटी से बहुत दूर भारतीय दर्शन को आकार दिया।

संस्कृत को अपनी ही विद्वत परंपरा के हिस्से के रूप में अपनाकर पाकिस्तान इस धारणा को कमजोर करता है कि सभ्यतागत इतिहास को मौजूदा राजनीतिक सीमाओं और दावों का साफ-साफ आईना होना चाहिए। इससे न तो पाकिस्तान का कश्मीर पर आधिकारिक रुख बदलता है और न ही

- **क्या इसका यह अर्थ लगाया जा सकता है कि दक्षिण एशिया में शांति ज़मीन की मिल्कियत के बारे में समझौतों से नहीं, बल्कि उस साहस को स्वीकार करने से आएगी कि दोनों देशों की ऐतिहासिक धरोहर व पृष्ठभूमि में काफी समानताएं हैं, काफी ''ओवर लैपिंग'' है।**

भारत के क्षेत्रीय दावों को वैधता मिलती है। लेकिन यह कश्मीर को एक हथियारबंद एकल पहचान के बजाय, सदियों में बनी कई परतों वाली सभ्यता के रूप में देखने की बौद्धिक गुंजाइश ज़रूर खोलता है।

यह अंतर शांति के लिए मायने रखता है। कश्मीर आंशिक रूप से इसलिए भी अनसुलझा रहा है, क्योंकि वह दोनों पक्षों के लिए पहचान का प्रतीक बन चुका है, जहाँ बारीकियों या साझा स्मृतियों के लिए बहुत कम जगह बचती है। सांस्कृतिक कट्टरता राजनीतिक रुख को और कठोर बना देती है। इसके विपरीत, अकादमिक जुड़ाव जटिलता और ऐतिहासिक गहराई लाता है, वही तत्व, जो सुलह के लिए जरूरी है, लेकिन जिन्हें राजनीति अक्सर दबा देती है।

इसका एक शांत मानवीय पक्ष भी है। जब पाकिस्तानी विद्वान कश्मीर के बौद्धिक इतिहास से जुड़े संस्कृत ग्रंथों का गंभीर अध्ययन करते हैं, तो कश्मीर केवल नक्शे की समस्या नहीं रह जाता, बल्कि एक जीती-जागती, विवादित विरासत के रूप में सामने आता है। यह भारतीय पाठकों को भी चुनौती देता है कि वे ऐसे प्रयासों को खतरे या समझौते के रूप में नहीं, बल्कि साझा सभ्यतागत स्वामित्व के दावे के रूप में देखें।

ऐसे समय में जब कश्मीर पर औपचारिक बातचीत रूकी हुई है और भरोसा बढ़ाने के उपाय लगभग नहीं के बराबर हैं, इस तरह की पहलें इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये राज्य की औपचारिक राजनीति से नीचे के स्तर पर काम करती हैं। ये न तो सीमाएँ बदलती हैं और न ही विवाद सुलझाती हैं, लेकिन वे उस सभ्यतागत कठोरता को ढीला करती हैं, जो इन विवादों को स्थायी रूप से जमाए रखती हैं।

इस मायने में, लाहौर की संस्कृत की क्लास सिर्फ़ अतीत से जुड़ी बात नहीं है। यह एक गहरी आधुनिक धारणा पर सवाल उठाती है कि इतिहास भी, ज़मीन की तरह, विशेष रूप से एक ही कहानी का होना चाहिए।

एक साझा बौद्धिक विरासत को फिर से खोलकर, संस्कृत के साथ पाकिस्तान का यह जुड़ाव एक मामूली, लेकिन शक्तिशाली याद दिलाता है कि दक्षिण एशिया में शांति की शुरुआत शायद ज़मीन के समझौतों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के मिले-जुले इतिहास को स्वीकार करने के साहस से हो सकती है।

'ग्राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि पंचायती राज विभाग ने गत 10 जनवरी को पंचायती राज अधिनियम की धारा 101 के तहत पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्सीमांकन, नवसृजन और पुनर्गठन के लिए जिला कलेक्टर से प्रस्ताव मांगे थे। राज्य सरकार ने धौलपुर व करौली जिला कलेक्टर की ओर से भेजे गये प्रस्तावों को नहीं मानते हुए, गत 20 नवंबर को मनमाने तरीके से संबंधित ग्राम पंचायतों के मुख्यालय बदल दिए। इसके अलावा, करौली जिले से जुड़े मामले में पंचायत मुख्यालय करीब 14 किलोमीटर दूर कर दिया, जबकि नियमानुसार यह दूरी अधिकतम पांच किलोमीटर से अधिक नहीं हो सकती। याचिकाओं में कहा गया कि इन ग्राम पंचायत मुख्यालयों में पहले से ही राज्य सरकार से सभी कार्यालय मौजूद हैं। इसके बावजूद सरकार ने मनमाने तरीके से अधिसूचना जारी कर इनके मुख्यालय बदल दिए। उक्त मामलों पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मनरेगा हुआ खत्म, उसकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्ष 2022 से ही मनरेगा केन्द्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच टकराव का कारण बन गया था, जब केन्द्र सरकार ने योजना के कार्यान्वयन में कथित वित्तीय गड़बड़ियों का हवाला देते हुए राज्य को दी जाने वाली मनरेगा धनराशि रोक दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केन्द्र को इस योजना को फिर से शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन इससे स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को केन्द्र के दिशा-निर्देशों के पेपर को फाड़ते हुए देखा गया था। मनरेगा को बदलते हुए, केन्द्र सरकार विपक्ष द्वारा आरोपित यह छवि मिटाना चाहती है कि केन्द्र विपक्ष शासित राज्यों को केन्द्रीय निधियों से वंचित कर रहा है। अभी तक, कांग्रेस मनरेगा योजना का श्रेय लेती रही है, तृणमूल कांग्रेस जैसी क्षेत्रीय और गैर-एनडीए पार्टियाँ केन्द्र सरकार पर राज्य को मनरेगा फंड से वंचित करने का आरोप लगाती रही हैं। इस एक्ट का नाम बदलकर और इसके दायरे को बढ़ाकर, एनडीए सरकार यह दावा कर सकती है कि उसने ग्रामीण रोजगार सृजन में यूपीए के मुकाबले अधिक काम किया है। अधिकारियों ने कहा, नए प्रस्तावित कानून की विशेषताएँ अभी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह योजना विकसित भारत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजना के तहत आएगी। पीबीजीआरजी के तहत प्राथमिकता जल सुरक्षा को दी जाएगी और काम विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के तहत किया जाएगा, ताकि खेती के मौसम के दौरान श्रमिकों की कोई कमी न हो।

अपने गढ़ में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छोड़ दी, तो इससे पहले थरूर सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई उस बैठक से भी नदारद रहे, जहां पार्टी की शीतकालीन सत्र की रणनीति पर चर्चा होनी थी। वहीं अब अपने लोकसभा क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत पर विरोधी दल को थरूर द्वारा बधाई देना भी चर्चा का विषय बन चुका है।

केरल स्थानीय निकाय चुनाव के परिणामों के बीच कांग्रेस नेता शशि थरूर का संसदीय क्षेत्र तिरुवनंतपुरम चर्चा का विषय बना गया है। कारण है, थरूर के संसदीय क्षेत्र में भाजपा की बढ़ त, जिससे कांग्रेस के लिए मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण बन गया है। ताजा अपडेट के अनुसार तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों के आए नतीजों में भाजपा समर्थित एनडीए ने 50 सीटों पर कब्जा जमाया है।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा-एनडीए को मिले जनादेश पर पीएम मोदी ने खुशी जताई है। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने इसे केरल की राजनीति का निर्णायक मोड़ बताया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908